जबलपुर, सोमवार 23 जून 2025 ■ आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-13 ■ वर्ष : 20, अंक : 54 ■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 * मौसम अधि. 29 न्यून. 24 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

मध्य पूर्व के आकाश में भर गया 'बारूद'

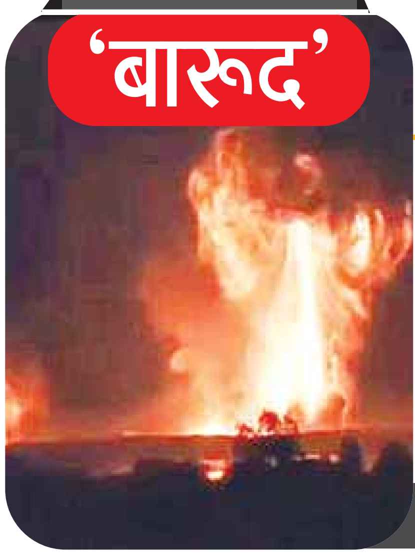

करीब 45 मिनट तक हुई बात

पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन से की बातचीत, क्षेत्र में बढ़े तनाव पर जताई चिंता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बातचीत की। इसे लेकर पीएम मोदी ने एक्स पर जानकारी दी है। पीएम ने लिखा- हमने मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तार से चर्चा की है और हाल ही में बढ़े तनाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है। तुरंत तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति को आगे बढ़ाने का आह्वान दोहराया, ताकि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता शीघ्र बहाल हो सके। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और आपसी सहयोग को प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से यह मानता रहा है कि संवाद और कूटनीति ही किसी भी संकट का समाधान है। यह कॉल 45 मिनट तक चली।

'शांतिदूत' बनने वाले ट्रंप युद्ध में कूदे, रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव का तंज-यह तो युद्ध शुरू कराने वाला 'शांति का राष्ट्रपति'

बंकर बस्टर बमों की रेंज 65 मीटर एटमी ठिकाने करीब 100 मीटर नीचे

तीन एटमी ठिकानों पर बंकर बस्टर बम गिराए, ईरान का दावा- ये हमला नाकाम, अब हम भी 'जवाब' देंगे

तीन परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर हमले

नई दिल्ली। अमेरिका ने रविवार तड़के ईरान के फोर्डो परमाणु केंद्र पर 30,000 पाउंड वजनी छह बंकर बस्टर बमों से हमला बोला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमले को सफल बताया। अब सैटेलाइट तस्वीरों से भी पता चला है कि फोर्डो परमाणु केंद्र को भारी नुकसान पहुंचा है। ईरान का फोर्डो परमाणु केंद्र भूमिगत था और एक पहाड़ के कई मीटर नीचे थे। अमेरिका ने अपने बी-2 स्टील्थ बॉम्बर से यहां हमला किया। हमले में परमाणु केंद्र के एंट्री पॉइंट तबाह हो गए हैं, जिससे ईरान को परमाणु केंद्र तक पहुंचने और नुकसान का आकलन करने के लिए ही काफी मशक्कत करनी होगी। ईरान का दावा है कि यह हमला नाकाम रहा। अब हम इस हमले का जवाब देंगे। उधर, इजराइल के राष्ट्रपति बेंजामिन नेतान्याहू ने ट्रंप को थैंक्स बोला है। अमेरिका के हमले के बाद ईरान ने तेल अवीव पर मिसाइल हमले तेज कर दिए हैं।

» 21 जून 2025 की रात को अमेरिका ने एक बड़े सैन्य ऑपरेशन में बी-2 स्पिरिट स्टील्थ बॉम्बर्स और यूएसएस जॉर्जिया (एसएसजीएन 729) पनडुब्बी का उपयोग कर ईरान के तीन परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर हमले किए। लगभग 2.1 बिलियन डॉलर की कीमत वाले बी-2 स्टील्थ बॉम्बर सबसे महंगे सैन्य विमान।

» 12 जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर (एमओपी) बम फोर्डो पर गिराए गए, जो 60 मीटर गहरे बंकरों को भेद सकते हैं. दो जीबीयू-57 एमओपी बम नतांज पर गिराए गए. 30 टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें नतांज और इस्फहान पर दागी गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि इन हमलों ने ईरान के परमाणु ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया।

किस रास्ते से गए बंकर बस्टर बम?

अमेरिका के लड़ाकू विमानों ने पाक, बहरीन व कुवैत के आकाश से होकर उड़ान भरी

बीते दिनों पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर वॉशिंगटन गए थे, वे पाक के आकाश का रास्ता देने ही गए थे

ट्रंप पर दो बड़े सवाल?

- उन्हें इस बात का हक किसने दिया कि वे वैश्विक अर्थव्यवस्था को एक बार फिर से चरमरा दें?
- इजराइल के पास करीब 90 परमाणु बम हैं, ट्रंप क्या उसे इन बमों को नष्ट करने के लिए कह सकेंगे?

ट्रंप की धमकी-अब या तो शांति होगी या विनाश होगा

ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास अब भी समय है कि वह शांति के रास्ते पर लौटे। उसे यह जंग खत्म करनी होगी। अगर ईरान ने अब भी हमला किया तो हम भी हमला करेंगे। शांति नहीं हुई तो विनाश होगा। अभी सभी लक्ष्यों पर हमले नहीं किए गए हैं। अगर शांति जल्दी नहीं आती है तो हम अन्य लक्ष्यों पर हमला करेंगे।

ईरान का दावा परमाणु ढांचे को मामूली नुकसान

1. फोर्डो, नतांज और इस्फहान के परमाणु ईंधन चक्र के महत्वपूर्ण ढांचे या तो अप्रभावित रहे या उन्हें केवल मामूली क्षति हुई
2. अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने पुष्टि की कि कोई रेडियोधर्मी रिसाव नहीं हुआ। केवल छह इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं।
3. समृद्ध यूरेनियम को पहले ही सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया था। फोर्डो में 83.7% तक समृद्ध यूरेनियम मौजूद है, जो परमाणु हथियार के लिए जरूरी 90% के करीब है।

inh 24x7 छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें TATA PLAY चैनल नं. 1155 airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

एक्टर विजय देवरकोंडा के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। साउथ फिल्मों के स्टार विजय देवरकोंडा बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। उनके खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज की गई है। विजय देवरकोंडा ने माला आदिवासी समुदाय को लेकर एक टिप्पणी की थी, जिसके कारण विवाद हो गया। ए केस 17 जून को दर्ज किया गया। मामला 26 अप्रैल 2025 का है। तब विजय देवरकोंडा ने एक्टर सूर्या की फिल्म 'रेट्रो' के प्रमोशन के दौरान हैदराबाद में कथित तौर पर आदिवासी समुदाय को लेकर एक टिप्पणी की थी।

1 जुलाई से पुराने वाहनों को नहीं मिलेगा पेट्रोल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 1 जुलाई से एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब पुरानी गाड़ियों को पेट्रोल नहीं मिलेगा। यानी, जो गाड़ियां अपनी उम्र पूरी कर चुकी हैं, उन्हें 'एंड-ऑफ-लाइफ' (ईओएल) गाड़ियां माना जाएगा और उन्हें पेट्रोल पंप पर पेट्रोल नहीं मिलेगा। दिल्ली में हवा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए यह फैसला लिया गया है। प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार सख्त कदम उठा रही है। ईओएल गाड़ियों को जब्त किया जाएगा।

डिजिटल धोखाधड़ी रोकने आरबीआई की पहल

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सख्ती करने जा रही है। इसके प्रमुख सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों को डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में डिजिटल पेमेंट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए कहा गया है। इसका उद्देश्य वास्तविक समय में खुफिया जानकारी साझा करने और एकत्र करने की सुविधा देकर धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन को मजबूत करना है।

भोपाल में चौथे दिन मानसून ने कराया अहसास, 25 जून के बाद सभी जिलों में और तेज होगी बारिश

महाकाल मंदिर परिसर की छत से पानी का रिसाव, गरोठ में थाने की छत गिरी

भोपाल में सुबह 8:30 से शाम 5:30 तक 26 मिमी बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में मानसून की आमद के चौथे दिन सुबह से ही घिरे काले घने बादल और बारिश ने मानसून का अहसास करा दिया है। शहर में सीजन में पहली बार रविवार को लगातार 14 घंटे से घने बादल, रिमझिम के साथ कुछ देर तेज बौछारें पड़ने से दिन का पारा 5.8 डिग्री गिरकर 27 डिग्री पर आ गया।

यह सामान्य से 8.6 डिग्री कम है। यह सिलसिला पूरे प्रदेश में रहा। प्रदेशभर में तापमान में तेजी से कमी आई। गुना में पारा सामान्य से 10.8 डिग्री और टीकमगढ़ में 10.2 डिग्री नीचे दर्ज हुआ है। पूरे प्रदेश में औसत दिन का पारा सामान्य से 7 डिग्री तक नीचे रहने से गर्मी, उमस गायब रही। कई जिलों में भारी और तेज बारिश ने स्थानीय स्तर पर परेशानियां बढ़ा दी हैं।

26 से 29 जून के बीच भोपाल सहित कई हिस्सों में भारी बारिश की उम्मीद

रविवार को कई जिलों में तेज से मध्यम बारिश ने बिगाड़े हालात, कुछ नदी-नाले भी उफान पर आ गए

बिट्टन मार्केट, भोपाल

» राजधानी सहित प्रदेशभर में बदले मौसम से पूरे प्रदेश में तेजी से गिरा पारा

» सामान्य से 11 डिग्री तक नीचे पहुंचा, भोपाल में नॉर्मल से 9 डिग्री कम

ओरछा में 24 घंटे में 115 मिमी बारिश दर्ज

तेज बारिश के बाद श्रीमहाकाल मंदिर परिसर में छत से पानी का रिसाव हो गया। वहीं, मंदसौर के गरोठ में थाने में छत गिर गई। ओरछा में 24 घंटे में 115 मिमी बारिश दर्ज। श्योपुर में दोपहर के बाद से बारिश शुरू हो गई। छिंदवाड़ा में दोपहर से लगातार रिमझिम बारिश जारी है। मंडला, बालाघाट में सुबह से तेज बारिश हो रही है। इससे सड़क और चौराहों पर पानी जमा हो गया। इन जिलों में नदी और नाले भी उफान पर आ गए हैं। उज्जैन के श्रीमहाकालेश्वर मंदिर में पालकी हॉल से एंबुलेंस गेट तक निर्मित टनल परिसर की छत का पीओपी रविवार सुबह अचानक गिर गया। कुछ दिन से टनल परिसर की छत से पानी का रिसाव हो रहा था, जिससे पीओपी गिरने की बात सामने आई है। इधर, मंदसौर के गरोठ में भी थाने की छत बारिश के चलते गिर गई। इसमें किसी कोई नुकसान या चोट नहीं पहुंची। भोपाल में पूरे शहर सहित आसपस के इलाकों में सुबह ही बारिश हुई। कुछ देर थमने के बाद दोपहर 12 बजे के बाद फिर पानी बरसा। यह क्रम शाम से देर रात तक फिर चला। ग्वालियर और नर्मदापुरम में भी बारिश का दौर जारी है।

कहां-कैसी बारिश का अलर्ट

मौसम केंद्र के अनुसार सोमवार को मुरैना, श्योपुरकला, सागर, टीकमगढ़, निवाड़ी जिलों में अति भारी बारिश का अलर्ट है। नरसिंहपुर, आगर मालवा, गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, ग्वालियर, रीवा, मऊगंज, सतना, छतरपुर, मैहर में भारी से तेज बारिश होगी। आलीराजपुर, मंदसौर, नीमच, दतिया, भिंड जिलों के साथ ही सिंगरौली, सीधी, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर आदि जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होगी।

मंदाकिनी नदी में तेज बहाव में बुजुर्ग की डूबने से मौत

सतना के चित्रकूट में रविवार को मंदाकिनी नदी में स्फटिक शिला घाट पर नहाने गए एक बुजुर्ग की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान यूपी के कर्बी जिले के बंदरकोल निवासी 55 वर्षीय फूलचंद यादव के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फूलचंद स्फटिक शिला घाट पर नहाने उतरे थे। बारिश के कारण मंदाकिनी का जलस्तर बढ़ा हुआ था। तैरना न आने के कारण वे पानी के तेज बहाव में बह गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। आरोग्यधाम हेलीपैड की बाउंड्री के सामने से शव को बाहर निकाला गया। पुलिस जांच में जुट गई है।

भोपाल स्टेशन के पास की घटना

दिल्ली से आ रही राजधानी एक्स. पर पथराव, कोच बी-4 के टूटे कांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दिल्ली से आ रही राजधानी एक्सप्रेस पर पत्थराव किया गया। असामाजिक तत्वों ने चलती ट्रेन को निशाना बनाया। भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन आने के पहले से पहले ही ट्रेन पर पत्थर फेंके गए। हमला रात के वक्त हुआ। ट्रेन में यात्री सो रहे थे तभी अचानक कोच की खिड़की पर पत्थर टकराया। पत्थर लगने से कोच की खिड़की के शीशे टूट गए। पूरी सीट पर कांच बिखर गया। हमले के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई। राजधानी एक्सप्रेस के कोच बी 4 की सीट पर पत्थर लगा।

■ आरपीएफ कर रही मामले की जांच

यात्री की शिकायत पर जांच शुरू

आरपीएफ भोपाल संभाग के कमांडेंट प्रशांत यादव ने बताया कि यात्री दीपक कुमार की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है। प्रशांत यादव के अनुसार यह हमला रात करीब साढ़े 10 बजे हुआ और 10:42 पर रेल मदद पोर्टल पर इसकी सूचना दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि जांच जारी है और हम उम्मीद करते हैं कि एक-दो दिन में हम दोषियों को पकड़ लेंगे।

छिंदवाड़ा में खतरनाक बीमारी से दहशत

गलघोंटू बीमारी से दो बच्चों की मौत, 2 की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

जिले में डिप्थीरिया (गलघोंटू) के कारण हड़कंप मच गया है। तामिया ब्लॉक के दलेलढाना गांव में इस खतरनाक बीमारी से एक ही परिवार के दो बच्चों की मौत हो गई है। शेष दो बच्चे जिला अस्पताल में भर्ती हैं। यह गले में झिल्ली बनने वाली गंभीर जीवाणुजनित बीमारी है। गांव के दुखलाल ककोडिया के 6 बच्चों में से चार बच्चे बुखार और गले में सूजन से पीड़ित हो गए थे। जिला अस्पताल में जांच के दौरान डिप्थीरिया की पुष्टि हुई। छिंदवाड़ा सांसद विवेक बंटी साहू रविवार को जिला अस्पताल पहुंचे। सांसद ने बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के लिए अस्पताल प्रबंधन को आवश्यक निर्देश भी दिए।

6 बच्चों में से चार बच्चे बुखार और गले में सूजन से पीड़ित

स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. एलएन साहू ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम एक बार फिर दलेलढाना गांव पहुंची। गांव के सभी बच्चों की दोबारा जांच की गई।

जम्मू-कश्मीर में तैनात मप्र के फौजी की मौत

सीनियरों पर प्रताड़ना के लगाए आरोप, सैन्य सम्मान से अंतिम विदाई को लेकर चक्काजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुरैना

जिले के अंबाह निवासी हवलदार अरविंद सिंह तोमर की उधमपुर में अपने कैंप में मौत हो गई थी। सैनिक सम्मान से अंतिम संस्कार की मांग को लेकर कर दिया। उसके भाई इंद्र कुमार तोमर का कहना है कि सेना के कुछ अफसर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। इसके चलते उसने आत्महत्या कर ली। अरविंद ने पत्नी चांदनी को भी बताया था कि उसे नौकरी छोड़नी पड़ेगी। रविवार को दो सैनिक अरविंद तोमर का शव प्राइवेट एंबुलेंस से मुरैना जिले के पोरसा में खलक का पुरा गांव में पहुंचे। सैनिकों से जब परिजन ने सैन्य सम्मान दल के बारे में पूछा तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इससे वहां तनाव का माहौल बन गया।

ग्वालियर से आया दल

परिजन का कहना है कि अरविंद की मौत के बाद उन्हें सम्मान नहीं दिया गया। दो सैनिक और सेना में पदस्थ भाई के साथ शव भेज दिया। हम चाहते हैं कि कम से कम उनकी अंतिम विदाई तो सैन्य सम्मान से हो। भड़के परिजन ने सुबह 9 बजे से चक्काजाम कर दिया। दोपहर 2 बजे जब सेना का एक दल ग्वालियर से वहां पहुंचा तब परिजन ने उसका अंतिम संस्कार किया।

पत्नी से कहा था नौकरी छोड़नी पड़ेगी

भाई धर्मवीर सिंह तोमर ने बताया कि पिछले एक माह से उसको किसी बात को लेकर वरिष्ठ अधिकारी परेशान कर रहे थे, उसने अपनी पत्नी चांदनी तोमर को बताया था कि उससे प्रतिदिन पेशी करवाई जा रही है, उसे नौकरी छोड़नी पड़ेगी। जब वह परेशान दिखे तो चांदनी तोमर भी 18 तारीख को उधमपुर पहुंच गई थीं।

बम से उड़ाने की मिली थी धमकी

रियाद डायवर्ट की गई एयर इंडिया की दिल्ली-बर्मिंघम उड़ान, यात्री सुरक्षित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एयर इंडिया की बर्मिंघम से दिल्ली आ रही फ्लाइट संख्या एआई 114 को बम की धमकी मिलने के बाद रियाद एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया।

■ जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया

सभी यात्री सुरक्षित हैं और सुरक्षा जांच पूरी की गई। एयरलाइन ने वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था की है। फ्लाइट को सऊदी अरब के रियाद एयरपोर्ट पर सुरक्षित रूप से लैंड कराया गया। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन एयर इंडिया ने रविवार को इस घटना की पुष्टि की। विमान की पूरी सुरक्षा जांच की गई। जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया।

मेघालय पुलिस को मिली एक और सफलता

मिल गया सोनम रघुवंशी का काला बैग साक्ष्यों को मिटाने बैग को 'जलाया' था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने के लिए मेघालय की शिलॉन्ग पुलिस कई दिनों से इंदौर में है। वहीं, शिलॉन्ग पुलिस ने इंदौर के देवास नाका क्षेत्र से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। आरोपी का नाम सिलोम जेम्स है, जो उस बिल्डिंग को ठेके पर लेकर किराए से चलाता था।

■ जले हुए बैग के अवशेषों की रिपोर्ट से केस में कई अहम खुलासे की उम्मीद

बैग की फॉरेंसिक जांच होगी

रविवार दोपहर को शिलॉन्ग एसआईटी की टीम ने आरोपी सिलोम जेम्स को लेकर इंदौर के एमआर-3 स्थित हरे कृष्णा विहार पहुंची। यह वही जगह है।

मुंबई एयरपोर्ट पर मचा हड़कंप

लेट पहुंचा तो फ्लाइट पकड़ने के लिए रनवे पर ही दौड़ पड़ा यात्री

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई एयरपोर्ट पर उस समय हड़कंप मच गया जब बिहार का एक यात्री पीयूष पवन सोनी

■ बिहार का एक यात्री बोर्डिंग के लिए रनवे पर दौड़ने लगा

अपनी मुंबई से पटना जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 673 को पकड़ने के लिए रनवे पर ही दौड़ पड़ा।

फ्लाइट कहां खड़ी है जानकारी नहीं थी

सोनी को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उसकी फ्लाइट एआई 673 किस गेट नंबर या रनवे पर खड़ी है, जिसके चलते वह गलती से एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 602 के पास पहुंच गया, जो भुज से वापस आ रही थी। एयरपोर्ट अधिकारियों ने उसे तुरंत हिरासत में ले लिया और मुंबई पुलिस को सौंप दिया। सोनी के खिलाफ विमान अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ईरान पर यूएस के हमले को लेकर ओवैसी ने पाकिस्तान को चमकाया

सभी के चेहरे हो गए बेनकाब, क्या इसी के लिए लंच किया था?

ईरान और इजराइल के बीच जारी जंग और अमेरिका के ईरान की तीन परमाणु साइट्स पर हमलों को लेकर भारत में भी सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी और पूर्व मुख्यमंत्री फारुख ने अमेरिका के रवैए पर नाराजगी जताई है।

ईरान-इजराइल के बीच जारी जंग और अमेरिका के ईरान की परमाणु साइट्स पर हमलों को लेकर भारत में भी सियासी बयानबाज़ी तेज

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

ईरान और इजराइल के बीच जारी जंग और अमेरिका के ईरान की तीन परमाणु साइट्स पर हमलों को लेकर भारत में भी सियासी बयानबाज़ी तेज हो गई है। हैदराबाद से सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इस मुद्दे पर पाकिस्तान और अमेरिका की भूमिका पर तीखा हमला बोला है। ओवैसी ने सवाल उठाया कि क्या पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर ने इसी मकसद से अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ लंच किया था? उन्होंने कहा कि आज सभी के चेहरे बेनकाब हो गए हैं। क्या पाकिस्तान ने इसी वजह से डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल पीस प्राइज के लिए नामित किया था?

ट्रंप ने अपने ही देश के संविधान का उल्लंघन किया

ओवैसी ने आरोप लगाया कि ट्रंप ने अपने ही देश के संविधान का उल्लंघन किया है। यूनाइटेड नेशंस चार्टर ( ) का उल्लंघन किया और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का भी उल्लंघन किया है। एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया है कि अमेरिकी बी-2 स्पिरिट बमवर्षक विमानों ने मिसौरी से लगभग 37 घंटे तक बिना रुके उड़ान भरी और रविवार को सुबह-सुबह ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर हमला' किया, जिसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 'बहुत सफल हमला' बताया है।

ईरान पर अमेरिकी हमले से भड़के फारुख

उन्हें कर्बला याद है.. इसी तरह से परिणाम भुगतने पड़ेंगे

जम्मू-कस्मीर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला ने ईरान इजरायल के युद्ध और ईरान में अमेरिकी हमलों पर मुस्लिम देशों की चुप्पी पर निराशा जाहिर की है। उन्होंने मुस्लिम देशों को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर वह आज खड़े नहीं हुए तो आने वाले वक्त में उन्हें भी इसी तरह से परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इतना ही नहीं उन्होंने ईरान की जिद की तारीफ करते हुए कहा कि ईरान कभी नहीं झुकेगा।

मुस्लिम देशों के व्यवहार पर निराश

अब्दुल्ला ने मुस्लिम देशों से के व्यवहार पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा मुझे इस बात पर निराशा है कि ईरान पर किए गए हमले को लेकर पूरी मुस्लिम दुनिया चुप है। आज ईरान इन हमलों का सामना कर रहा है। अगर इस पर भी मुस्लिम देश नहीं जागे तो कल अमेरिका उनके लिए आएगा.. अगर वह चुप रहे तो यह मानकर चलिए कि वह अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

अमेरिकी हमलों को लेकर शिवसेना सांसद का तंज

अमेरिका ने वोट ट्रंप को दिया और बॉस नेतन्याहू बन गए

मुंबई। ईरान पर अमेरिकी हमलों और इस्राइल अमेरिका के बीच मजबूत होते संबंधों को लेकर शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने राष्ट्रपति ट्रंप के लिए वोट दिया, लेकिन नेतन्याहू को अपना बॉस बना लिया। अमेरिकी हमलों को लेकर रक्षा विशेषज्ञ संजीव श्रीवास्तव ने कहा कि हमलों ने संघर्ष में बढ़ोतरी की है। ईरान के परमाणु बुनियादी ढांचे को झटका दिया। श्रीवास्तव ने कहा कि इस्राइल और अमेरिका द्वारा की गई कार्रवाई एक बड़ी वृद्धि है। इन कार्रवाइयों के कारण ईरान को विनाशकारी झटका लगा है और इस हमले में ईरान की गहरी भूमिगत परमाणु सुविधाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। चाहे वह ट्रंप प्रशासन हो या कोई अन्य प्रशासन, सभी ने अपने विचार व्यक्त किए हैं कि वे ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे।

खबर संक्षेप

सीमेंट के ट्रेलर में घुसी कार, 4 की मौत

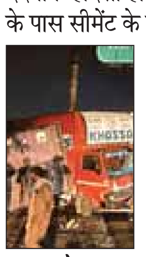

देहरादून। यहां रविवार तड़के दर्दनाक हादसा हो गया। आशारोड़ी के पास सीमेंट के ट्रेलर में कार ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में कार में बैठे हरियाणा के 4लोगों की मौत हो गई। एक गंभीर रूप से घायल है। घटना करीब साढ़े तीन बजे की है। वाहन मारुति रिट्ज सहारनपुर की ओर से देहरादून आ रही थी।

विद्युत टीम और पुलिस पर पथराव,12 घायल

आगरा। यहां के फतेहाबाद में बिजली चोरी रोकने के लिए शनिवार को बमरौली कटारा के मदरा गांव गई विद्युत टीम और पुलिसकर्मियों पर ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। पुलिस ने भी लाठियां भांजी। 2 दरोगा समेत करीब 12 लोग घायल हुए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने उन्हें पीटा है। बमरौली में चोरी हो रही थी।

मुंबई में देह व्यापार, 8 लोगों को किया अरेस्ट

महाराष्ट्र। मुंबई की मालवणी पुलिस ने हाल ही में एक सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया था और मौके से 3बांग्लादेशी महिला नागरिक को रेस्क्यू किया था। मेडिकल सेक्टर में नौकरी का लालच देकर उन्हें बांग्लादेश से मुंबई लाया गया और फिर जबरन देह व्यापार में धकेल दिया गया। पुलिस ने इस मामले में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

नवी मुंबई के मंदिर से 40,000 रुपए की चोरी

ठाणे। नवी मुंबई के सीवुड्स स्थित एक मंदिर से अज्ञात व्यक्तियों ने 40,000 रुपएकी चोरी कर ली। एनआरआई सागरी पुलिस थाना के अधिकारी ने बताया कि मंदिर परिसर की देखरेख करने वाले व्यक्ति की शिकायत पर सेंधमारी के तहत मामला दर्ज किया है।

निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने ईसी की पहल

बिहार चुनाव से पहले वोटर लिस्ट की होगी जांच, घर-घर मतदाताओं का करेंगे सत्यापन

भारत निर्वाचन आयोग कई पहलुओं पर कर रहा गंभीरता से विचार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग (ईसी) मतदाता सूची की समीक्षा के दौरान घर-घर जाकर वोटरों का सत्यापन करने की योजना पर गंभीरता से विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, यह कदम निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के उद्देश्य से उठाया जा सकता है।हाल के वर्षों में वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने या गलत तरीके से जोड़े जाने को लेकर कई राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस समेत कई दलों ने आरोप लगाया है कि आयोग वोटर लिस्ट में हेरफेर कर सत्ताधारी दल को फायदा पहुंचा रहा है। वहीं तमाम राजनीतिक दलों की तरफ से लगाए जा रहे आरोपों पर चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि वे पूरी प्रक्रिया एक तय प्रोटोकॉल और सभी राजनीतिक दलों की निगरानी में पारदर्शी ढंग से करते हैं। इसके बावजूद आयोग पर मनमाने ढंग से आंकड़े बढ़ाने के आरोप लगाए जाते हैं, जो निराधार हैं।

यह होगी घर-घर सत्यापन प्रक्रिया?

- *हर घर जाकर नाम, पता, उम्र, फोटो आदि की जांच की जाएगी*
- *अगर किसी मतदाता का नाम गलत तरीके से जुड़ा है या हटाया गया है, तो उसे ठीक किया जाएगा*
- *नए योग्य मतदाताओं को सूची में जोड़ा जाएगा*
- *मृत या स्थानांतरित हो चुके लोगों के नाम हटाए जाएंगे*

वोटर लिस्ट को त्रुटिरहित बनाने का रखा लक्ष्य

सूत्रों ने बताया कि प्रणाली को मजबूत और किसी भी तरह की त्रुटि से मुक्त बनाने के लिए, चुनाव आयोग बिहार विधानसभा चुनावों से पहले आगामी मतदाता सूची संशोधन के दौरान मतदाता सूचियों को शुद्ध करने के लिए घर-घर जाकर गहन सत्यापन करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूचियों का ऐसा गहन और कड़ा संशोधन पहले भी किया जा चुका है और आखिरी बार ऐसा अभ्यास 2004 में किया गया था।

बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर माहौल गरम

बिहार विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने की संभावना है। राज्य में राजनीतिक माहौल भी गरमाया हुआ है और ऐसे में वोटर लिस्ट मुद्दा काफी अहम बन चुका है। फिलहाल राज्य में जनता दल (यू), भाजपा और हिंदुस्तानी अवामी मोर्चा का एनडीए गठबंधन सत्ता में काबिज है। वहीं विपक्ष में राजद और कांग्रेस के साथ-साथ कई अन्य दल भी मौजूद हैं। पिछले दिनों गृहमंत्री शाह के बयान ने सियासत में और गरमी ला दी थी। हालांकि बाद में इस पर प्रादेशिक अध्यक्ष ने सफाई पेश कर के मामले का पटाक्षेप कर दिया था। इस बीच, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और आरजेडी के दिग्गज नेता और लालू प्रसाद यादव के पुत्र के बीच व्यंग्यबाण भी आग में एक तरह से घी डालने का काम कर रहे हैं। कुल जमा सि बीच बिहार में राजनीतिक पारा काफी गरमाया हुआ है।

नीतीश कुमार का एक और चुनावी दांव

गरीब परिवारों को मिलेंगे 2-2 लाख रुपए, 94 लाख होंगे लाभान्वित

पटना। बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, राजनीतिक दलों ने जनता को लुभाने के लिए नई-नई योजनाओं की झड़ी लगा दी है। इस कड़ी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक नई रोजगार योजना की घोषणा की है, जिसे लेकर राजनीतिक हलकों में जबरदस्त चर्चा है। इस योजना के जरिए राज्य सरकार 94 लाख गरीब परिवारों को स्वरोजगार शुरू करने के लिए 2-2 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की प्लानिंग कर रही है।बेरोजगारी लंबे समय से बिहार की राजनीति का सबसे संवेदनशील मुद्दा रहा है। विपक्ष ने लगातार इस पर सरकार को घेरा है, खासकर आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव ने अपने चुनावी वादों में 10 लाख नौकरियों की घोषणा से इस मुद्दे को गरमा या था। ऐसे में नीतीश सरकार का यह नया कदम एक रणनीतिक जवाब की तरह देखा जा रहा है।

2023 की जनगणना को आधार बनाया

इस योजना का आधार 2023 में हुई जातीय जनगणना है, जिसकी रिपोर्ट के मुताबिक 94 लाख परिवार ऐसे हैं जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और स्वरोजगार के लिए मदद के पात्र माने गए हैं। सरकार इन्हें सीधी वित्तीय सहायता दे रही है ताकि वे अपना खुद का काम शुरू कर सकें - जैसे कि छोटा व्यवसाय, पशुपालन, दुकान आदि।

शाह ने नवा रायपुर में लैब की आधारशिला रखी

बारिश में नक्सली मौज में थे, अब चैन से नहीं रहेंगे

शाह का छत्तीसगढ़ में 2 दिवसीय दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय परिसर और केंद्रीय न्यायालयिक प्रयोगशाला की आधारशिला रखी। राज्य का गृह विभाग संभाल रहे उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने नवा रायपुर में एनएफएसयू के लिए 40 एकड़ जमीन आवंटित की है तथा इसे केंद्र द्वारा लगभग 400 करोड़ की लागत से बनाया जाएगा। 6-7 एकड़ भूमि पर न्यायालयिक प्रयोगशाला स्थापित की जाएगी। शर्मा ने बताया कि यात्रा के दौरान शाह नक्सली विस्फोट में मारे गए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरपुंजे के परिजनों से मुलाकात करेंगे। 9 जून को सुकमा जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए गए बम की चपेट में आकर गिरपुंजे की मौत हो गई थी। इस दौरान शाह ने नक्सलियों को एक बार फिर कड़ी चेतावनी जारी की है।

आज विकास कार्यों की समीक्षा

राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि 2दिवसीय दौरे के दौरान शाह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक और सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक में हिस्सा लिया जिसमें राज्य के वर्तमान सुरक्षा हालात और नक्सल उन्मूलन अभियानों की गहन समीक्षा की। उन्होंने बताया कि शाह दौरे के दूसरे दिन 23 जून को नारायणपुर जिले में जाएंगे, जहां वह जवानों से संवाद करेंगे और नक्सल प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों की जमीनी समीक्षा करेंगे।

नक्सलियों को सरेंडर करने को कहा

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने एक बार फिर नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने का अपना संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि यहीं कह कर गया था कि 31 मार्च 2026 को ये देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा और हम लक्ष्य को पूरा करेंगे। शाह ने नक्सलियों को चेतावनी देते हुए कहा कि पहले बारिश में नक्सली आराम कर लेते थे, लेकिन इस बार बारिश में भी उनको सोने नहीं देंगे। जो नक्सलवाद के रास्ते पर भटक कर चले गए हैं। उनसे अपील है कि सरेंडर कर दीजिए। आपको विश्वास दिलाता हूं जो वादा सरकार ने किया है उसको पूरा करेंगे।

अहमदाबाद विमान हादसा

डीजीसीए की नई पहल, विमानन शर्तों का कड़ाई से होगा 'ऑडिट'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बीते दिनों अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे के बाद से डीजीसीए विमानन क्षेत्र में अहम बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। अब डीजीसीए ने व्यापक विशेष ऑडिट के लिए एक नई व्यवस्था शुरू करने का फैसला किया है। डीजीसीए के ऑडिट अब सक्रिय रूप से प्रणालीगत कमजोरियों की पहचान करेंगे। इन ऑडिट्स में ये भी सुनिश्चित किया जाएगा कि अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के मानकों और उसके द्वारा बताई गई बातों का अच्छी तरह से पालन हो।

साथ ही भारत के राष्ट्रीय विमानन शर्तों का भी कड़ाई से पालन हो सके। इससे पहले शनिवार को डीजीसीए ने एअर इंडिया के डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट समेत अपने 3 अधिकारियों को चालक दल (क्रू) की समय-सारणी और रोस्टरिंग से संबंधित सभी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों से हटाने का आदेश दिया था।

बिहार में बनेगा जानकी मंदिर

सीतामढ़ी। बिहार के सीतामढ़ी जिले में माता जानकी का जन्मस्थान, पुनौरा धाम मंदिर, अब विकसित होगा। सीएम नीतीश कुमार ने मंदिर का डिजाइन दिखाया है। मंदिर बनाने के लिए एक ट्रस्ट बनाया गया है। जल्द ही मंदिर का निर्माण शुरू होगा। अयोध्या की तर्ज पर बनेगा।

'योगांध्र' के गिनीज रिकॉर्ड बनाने पर मोदी ने आंध्र की जनता को सराहा

योग को अपने जीवन का 'हिस्सा' बनाने आंदोलन को मजबूत किया

एजेंसी ▶▶ अमरावती

योगांध्र 2025' कार्यक्रम के गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने पर पीएम नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि जिस तरह से उन्होंने योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए आंदोलन को मजबूत किया है। यह कार्यक्रम हमेशा लोगों को अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए प्रेरित करेगा। भारत सरकार के इस कार्यक्रम में कुल 3,00,105 लोगों ने हिस्सा लिया। अब तक के सबसे बड़े योग सत्र का रिकॉर्ड बनाया।

कार्यक्रम में 3,00,105 लोगों ने हिस्सा लिया

नायडू ने इसे बड़ी उपलब्धि बताया

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, योग एक बार फिर लोगों को साथ लाता है। आंध्र प्रदेश के लोगों को बधाई, जिस तरह से उन्होंने योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए आंदोलन को मजबूत किया है। इससे पहले कार्यक्रम के गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने पर सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू ने इसे आंध्र प्रदेश के नागरिकों की उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी का धन्यवाद अदा करता हूं, जिन्होंने इसे संभव बनाया। आपका उत्साह और समर्पण प्रेरणादायक रहा। यह रिकॉर्ड दिखाता है कि जब हम एकजुट होकर काम करते हैं, तो क्या हासिल कर सकते हैं। सभी को बधाई।

दिल्ली में कोरोना का असर, केरल और बंगाल में सबसे ज्यादा प्रभाव

एक और मरीज की मौत, नई लहर में अब तक 17 लोगों की गई जान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। राजधानी दिल्ली में भी कोरोना का कहर जारी है। दिल्ली में कोविड से एक और मरीज की मौत हो गई है। एक जनवरी से लेकर अब तक 17 लोग कोरोना से जान गंवा चुके हैं। हालांकि, जान गंवाने वालों में ज्यादातर मरीज किसी न किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित थे।सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 557 रह गई है। एक जनवरी से लेकर अब तक कोरोना के 2835 मामले सामने आए हैं।

मरीजों की संख्या घटकर 557 पर पहुंची

बस, ट्रेन, मेट्रो और परिवहन के अन्य साधन एक साथ जुड़ेंगे

राजधानी में सार्वजनिक परिवहन सुविधा को बेहतर बनाने के लिए दिल्ली सरकार एकीकृत महानगर परिवहन प्राधिकरण (यूएमटीए) का गठन करेगी। इसका उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन की विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने इसके लिए कैबिनेट नोट तैयार करने को मंजूरी दी है। यूएमटीए का मुख्य उद्देश्य विभिन्न परिवहन साधनों बस, ट्रेन, मेट्रो आदि को एक साथ जोड़ना है, ताकि लोगों के लिए यात्रा करना आसान और प्रभावी हो सके। जल्द ही इस संबंध का प्रस्ताव पेश किया जाएगा।

बारिश और बाढ़ से कई राज्यों में लोग हो रहे परेशान

बालासोर में 50 हजार लोग प्रभावित, 50 गांव जलमग्न

एजेंसी ▶▶ बालासोर

ओडिशा के बालासोर जिले में बाढ़ के पानी में बह जाने के बाद एक व्यक्ति लापता हो गया, जबकि 50 से अधिक गांव जलमग्न हो गए हैं, हालांकि रविवार को स्वर्णरेखा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे चला गया। अधिकारियों ने कहा कि जिले के बलियापाल प्रखंड के बिष्णुपुर ग्राम पंचायत क्षेत्र का एक युवक शनिवार को बाढ़ में बह गया। ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल ने उसकी तलाश में अभियान शुरू किया है। बालासोर के सांसद प्रताप सारंगी ने आरोप लगाया कि झारखंड स्थित चांडिल बांध से बिना सूचना दिए अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के कारण बलियापाल, भोगराई, बस्ता और जलेश्वर में बाढ़ आई। बाढ़ से चार प्रखंडों में 50,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

सांसद सारंगी का आरोप- अचानक पानी छोड़ने से 4 प्रखंडों में आई बाढ़

गांवों और खेतों में भरा पानी

रविवार को सुबह 10 बजे राजघाट में जलस्तर खतरे के निशान 10.36 मीटर के मुकाबले 9.94 मीटर था। नदी का जलस्तर शनिवार को 11 मीटर से ज्यादा था। गांवों और खेतों में पानी भर गया है और स्थिति सामान्य होने में 4-5 दिन लग सकते हैं। बाढ़ में डूबे गांवों के लिए अब नाव ही संचार का एकमात्र साधन हैं। इस बीच, प्रभावित गांवों के कई लोग नदी के तटबंधों पर चले गए हैं।

पूर्वी राजस्थान के अधिकतर हिस्सों में भारी बारिश

इलाकों में भरा पानी, अब तक 3 की मौत

भीलवाड़ा। यहां शनिवार सुबह से शाम तक 175 मिमी वर्षा दर्ज हुई, जिसके चलते शहर का कई इलाकों में जलभराव हो गया। इसी बीच जोधपुर के दैजार क्षेत्र में एक कार जलमग्न सड़क पर फिसलकर लगभग छह फीट गहरे नाले में जा गिरी। इसमें सवार व्यापारी हरिप्रकाश भंडारी और उनके रिश्तेदार उर्मिला देवी और एक महिला की मौत हो गई।

रुद्रप्रयाग में भूस्खलन

सोनप्रयाग-गौरीकुंड मार्ग पर आवाजाही बंद

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग में रविवार सुबह भूस्खलन के कारण सोनप्रयाग-गौरीकुंड मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई।

सऊदी अरब, ओमान, कतर... ईरान पर अमेरिकी हमलों से मुस्लिम देशों की बढ़ी चिंता, जताया दुख

दुनिया बचेगी या मिटेगी को लेकर दुनिया में छा गया संकट, अब रूस की शरण में पहुंचा ईरान

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा ईरान के तीन परमाणु ठिकानों फोर्डो, इस्फहान और नतांज़ पर किए गए हवाई हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार देर रात दावा किया कि इन हमलों में ईरान की परमाणु क्षमता पूरी तरह से खत्म कर दी। उन्होंने यह भी वार्निंग दी कि अगर ईरान शांति की दिशा में नहीं बढ़ता, तो और हमले किए जाएंगे। इस तरीके के बयानों ने पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। कई मुस्लिम देशों ने अमेरिका के इस कदम की कड़ी निंदा की है और ईरान के साथ एकजुटता जताई है। हालांकि ये निंदा अभी सिर्फ बयानबाजी तक सीमित है। किसी भी देश ने ईरान को सैन्य हथियारों या प्रत्यक्ष मदद का आश्वासन नहीं दिया है।

मुकर गया पाक

पाकिस्तान ने एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया था, लेकिन अब विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के इस कदम को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। बयान में कहा गया कि ईरान के खिलाफ की गई आक्रामकता बेहद चिंताजनक है और पाकिस्तान इसके नतीजों को लेकर गंभीर रूप से चिंतित है।

सऊदी अरब ने चिंता जाहिर की

सऊदी अरब ने अमेरिकी हमलों पर गंभीर चिंता जताई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सऊदी अरब इस्लामी रिपब्लिक ईरान में परमाणु ठिकानों को अमेरिका द्वारा निशाना बनाए जाने की घटनाओं को अत्यंत चिंताजनक मानता है।

चिंता जाहिर की है लेकिन सैन्य मदद का किसी ने भरोसा नहीं दिलाया

फिलिस्तीन बोला- ईरान सक्षम

फिलिस्तीनी सशस्त्र समूह हमास ने एक बयान में अमेरिका की खुलेआम आक्रामकता की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। हमास ने कहा कि हम ईरान, उसकी नेतृत्व और उसकी जनता के साथ एकजुटता व्यक्त करते हैं और हमें पूरा भरोसा है कि ईरान अपनी संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है।

ओमान ने यूएस की निंदा की

ईरान-अमेरिका परमाणु वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा ओमान भी अमेरिका के हमले से नाखुश नजर आया। ओमान ने अमेरिका के हवाई हमलों की कड़ी निंदा की है और इसे गंभीर चिंता का विषय बताया है।

अमेरिका ने जमीन से 295 फीट नीचे बमबारी की

ईरान पर हमले के लिए बी-2 बॉम्बर, 37 घंटे तक उड़ा, हवा में कई बार फ्यूल भरा

अमेरिका ने रविवार सुबह (भारतीय समयानुसार 4:30 बजे) ईरान के 3 परमाणु ठिकानों पर बी-2 बॉम्बर से हमला किया। ये ठिकाने ईरान के फोर्डो, नतांज और इस्फहान में हैं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक ईरान के ये परमाणु ठिकाने पहाड़ों के 295 फीट नीचे बनाए गए हैं। ऐसे में इन्हें तबाह करने के लिए बी-2 बॉम्बर विमान की जरूरत थी। रिपोर्ट के मुताबिक हमला करने से पहले बी-2 बॉम्बर विमान ने अमेरिका के मिसौरी एयरबेस से भारतीय समयानुसार 20 जून को दोपहर करीब 3 बजकर 30 मिनट पर टेकऑफ किया था। इस विमान ने लगभग 37 घंटे तक बिना रुके उड़ान भरी और बीच हवा में कई बार फ्यूल भरा था। बी-2 बॉम्बर ने फोर्डो साइट पर 30 हजार पाउंड वजन के 6 जीबीयू-57 बम (बंकर बस्टर) गिराए। साथ ही नतांज पर दो बम गिराए। वहीं, इस्फहान और नतांज पर 30 टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें दागी हैं। इन्हें 400 मील दूर अमेरिकी पनडुब्बियों से लॉन्च किया गया था। यह पहला मौका है जब अमेरिका ने जीबीयू-57 जैसे बंकर बस्टर बम का किसी युद्ध में इस्तेमाल किया है।

बी-2 स्पिरिट- स्टेल्थ बॉम्बर

- कीमत- 17 हजार करोड़
- वजन- 71 हजार किलो
- टेकऑफ- 1.71 लाख किलो
- रेंज- 12 हजार किमी
- स्पीड- 1010 किमी प्रति घंटा
- क्षमता- 40 हजार पाउंड पेलोड

बेहद घातक है जीबीयू-57 बम

- जीबीयू- 57 बम
- कीमत- 29 करोड़
- वजन- 13 हजार 600 किलो
- लंबाई- 20.5 फीट
- विस्फोटक- 5342 किलो
- क्षमता- 200 फिट नीचे
- जमीन भेदने में सक्षम

पुतिन से आज मिलेंगे विदेश मंत्री

इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष में अमेरिका की एंट्री होने से खलबली मच गई। अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु स्थलों को निशाना बनाकर बमबारी की है। इस बीच, ईरान ने मॉस्को से मदद की गुहार लगाने का मन बनाया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को कहा कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने के लिए रविवार को मॉस्को पहुचे हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश अपने विभिन्न परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हमलों के जवाब में आगे जो भी कार्रवाई करेगा उसके लिए वाशिंगटन 'पूरी तरह जिम्मेदार' होगा। उन्होंने कहा कि उनके परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमले के बाद कोई कूटनीतिक रास्ता नहीं बचा है। अराघची ने इस्तांबुल में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि ऐसी कोई लक्ष्मण रेखा अब नहीं बची है जिसे अमेरिका ने पार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि हालांकि कूटनीतिक रास्ते हमेशा खुला रहने चाहिए, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अराघची ने तुर्किए में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था अमेरिका में युद्धोन्मादी, अराजक प्रशासन अपने आक्रामक कृत्य के खतरनाक परिणामों और दूरगामी प्रभावों के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है।

रूस बोला- यही हाल रहा तो ट्रंप को कभी नोबेल नहीं मिलेगा

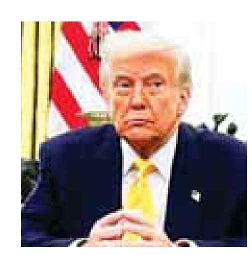

रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप शांति का दूत बनकर आए थे, लेकिन अब उन्होंने अमेरिका को एक नई जंग में झोंक दिया है। उन्होंने टेलीग्राम पर लिखा है कि ज्यादातर देश इजराइल और अमेरिका की कार्रवाई के खिलाफ हैं। मेदवेदेव ने कहा कि अमेरिका अब एक ऐसे नए संघर्ष में फंस गया है, जिसमें ज़मीनी लड़ाई की पूरी संभावना है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, अगर यही हाल रहा, तो ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार कभी नहीं जीत पाएंगे।

कतर को गंभीर परिणामों की आशंका

कतर ने अमेरिकी हमले के गंभीर परिणामों को लेकर आशंका जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा, यह खतरनाक बढ़त क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विनाशकारी परिणाम ला सकती है। सभी पक्षों को संयम और समझदारी दिखानी चाहिए।

जोखिम

इराक ने बताया गंभीर खतरा

इराक सरकार के प्रवक्ता बसीम अलवादी ने कहा कि यह सैन्य हमला पश्चिम एशिया की शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। पूरे क्षेत्र की स्थिरता को जोखिम में डाल सकता है।

ईरान पर अमेरिकी अटैक के बाद बहरीन और कुवैत में बेचैनी, आर्मी-सरकार सब अलर्ट पर

दोनों देशों में अमेरिकी एयरबेस पर हमले की आशंका

अपने लोगों के लिए जारी कर दिए विशेष दिशा निर्देश

मुख्य मार्गों पर न चलने, सैन्य ठिकानों से दूर रहने की सलाह

ईरान के परमाणु ठिकानो पर अमेरिकी हमलों के बाद जहां खाड़ी के मुस्लिम देश सिर्फ निंदा कर रहे हैं। वहीं बहरीन और कुवैत में बेचैनी है। वहां रात का इंतजार होता रहा है। आर्मी और सरकार पूरी तरह अलर्ट पर हैं। खुफिया एजेंसियां लगातार अमेरकिा के संपर्क में हैं। लोगों को आदेश दिए जा रहे हैं काफिला रास्ते से न जाएं, फलां जगह जाने से बचें। दरअसल, बहरीन अमेरिकी नेवी के 5वें बेड़े का हेडक्वार्टर है और कुवैत में कई अमेरिकी ठिकाने हैं। ईरान की कुद्दस फोर्स ने हमलों के बाद यूएस एयरबेस पर अटैक की चेतावनी दी है। इसके बाद से इन देशों पर खतरा मंडराने लगा है। अमेरिकी ठिकानों वाले बहरीन और कुवैत ने रविवार को अपने लोगों को अलर्ट रहने की चेतावनी जारी की है। बहरीन ने वाहन चालकों से मुख्य सड़कों से बचने का आग्रह किया। उनसे कहा जा रहा है कि जहां आर्मी इलाके हों उस ओर जाने से बचें। उधर, कुवैत ने ईरान की परमाणु सुविधाओं पर अमेरिकी हमलों के बाद सख्ती बढ़ा दी है। मंत्रियों को बंकरों में जाने को कहा है। लोगों से कहा जा रहा है कि रात के वक्त न निकलें। कम से कम रविवार को तो बिल्कुल नहीं। इस बीच, पाकिस्तान का हर कदम साथ देने वाले तुर्की के विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमलों से क्षेत्रीय संघर्ष के वैश्विक स्तर पर फैलने का खतरा बढ़ गया है। संघर्ष को व्यापक वैश्विक युद्ध में बदलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सभी पक्षों से जिम्मेदारी के साथ काम करना चाहिए। तुर्की ने कहा कि केवल बातचीत ही तेहरान और वाशिंगटन के बीच परमाणु विवाद को हल कर सकती है।

ट्रंप की तारीफ कर बोले यूएस रक्षा मंत्री, तो करारा जवाब देंगे

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने चेतावनी दी कि ईरान की ओर से किसी भी जवाबी कार्रवाई का पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा। उन्होंने ईरान पर हमलों में शामिल अमेरिकी सैन्य कर्मियों के काम की तारीफ की। हेगसेथ ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का मकसद शांति है। उन्होंने साफ कहा है कि वो परमाणु हथियार नहीं चाहते, वो शांति चाहते हैं, और ईरान को भी वही रास्ता चुनना चाहिए। ईरानी परमाणु ठिकानों पर मिसाइल गिराने के करीब 12 घंटे बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इसमें उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि कई अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने का ख्वाब देखा था, लेकिन ट्रंप के अलावा कोई भी ऐसा नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि ईरान पर कार्रवाई साहसिक और शानदार थी। जब राष्ट्रपति ट्रंप बोलते हैं, तो दुनिया को सुनना चाहिए।

अब 25 हजार रुपए का मुआवजा देना पड़ेगा

मुंबई। उपभोक्ता आयोग ने एक वरिष्ठ नागरिकों को गलत टिकट जारी करने के लिए स्पाइसजेट को 25,000 रुपए का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। मुंबई (उपनगरीय) में जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने माना कि गलत टिकट जारी होने के कारण वरिष्ठ नागरिक को मानसिक तनाव और वित्तीय नुकसान हुआ है, इस कारण एयरलाइन उन्हें उचित मुआवजा दे। दरअसल, यह घटना दिसंबर 2020 में हुई थी, जब घाटकोपर के वरिष्ठ नागरिक ने स्पाइसजेट से मुंबई से दरभंगा के लिए राउंड-ट्रिप टिकट बुक किया था। हालांकि, उनकी शुरू की यात्रा योजना के अनुसार हुई, लेकिन खराब मौसम के कारण वापसी की उड़ान रद्द कर दी गई। यात्री ने एयरलाइन को बताया कि उसे 8 दिसंबर को मुंबई में पीएचडी ऑनलाइन परीक्षा में शामिल होना था।

भारत के रक्षा राज्य मंत्री 23 से 25 जून केन्या और मेडागास्कर का करेंगे दौरा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल 23 से 26 जून, 2025 तक केन्या और मेडागास्कर की यात्रा पर रहेगा। दोनों अफ्रीकी देशों की यह यात्रा केन्या के रक्षा मंत्रालय के कैबिनेट सचिव (रक्षा मंत्री, केन्या) और मेडागास्कर के मिनिस्टर ऑफ आर्म्ड फोर्सेस के निमंत्रण पर हो रही है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, राज्य मंत्री इस दौरे के पहले चरण में सोमवार को ताइता-तवेटा काउंटी में स्मारक स्तंभ (भारत और केन्या के शहीद सैनिकों के सम्मान में समर स्मारक) के संयुक्त अनावरण के लिए केन्या की यात्रा करेंगे।

कनाडा ने खालिस्तानियों को सुरक्षा खतरा घोषित किया

जी 7 के बाद नई शुरुआत: मोदी-कार्नी की महत्वपूर्ण मुलाकात

खालिस्तानी पर कनाडा का यू-टर्न कार्नी के साथ सुधरेंगे भारत के रिश्ते

दोनों देशों में उच्चायुक्तों की नियुक्ति पर बनी सहमति

एजेंसी ▶▶ टोरंटो

सितंबर 2023 में अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया। यह बयान कनाडा की संसद में दिया गया, जिसमें उन्होंने बिना किसी ठोस सबुत के भारत सरकार की भूमिका पर संदेह जताया। इस एकतरफा आरोप के बाद भारत और कनाडा के द्विपक्षीय रिश्तों में एक बड़ी दरार खड़ी हुई और गंभीर तनाव आ गए थे। भारत ने उस समय कनाडा के इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज किया था। इसके साथ ही कनाडा पर खालिस्तानी चरमपंथियों को शरण देने, भारत विरोधी एजेंडे को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग करने का आरोप भी लगाया। भारत ने यह भी कहा कि निज्जर

एक घोषित आतंकवादी था, जिसे कुछ लोग कनाडा में मानवाधिकार कार्यकर्ता के रूप में पेश कर रहे थे।जी 7 सम्मेलन के बाद अलबोरदा में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच एक विशेष द्विपक्षीय मुलाकात हुई। यह केवल एक औपचारिक भेंट नहीं थी, बल्कि भारत-कनाडा संबंधों को एक नई दिशा देने का प्रयास था।

पीएम मोदी ने कहा आपसी सम्मान रिश्तों की नींव

बैठक में दोनों नेताओं ने खुलकर व्यापार, खनिज संसाधनों, ऊर्जा सुरक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत के दौरान स्पष्ट किया कि दोनों देशों के रिश्तों की नींव आपसी सम्मान, संप्रभुता और कानून के शासन पर आधारित होनी चाहिए। कनाडा की कई कंपनियों ने भारत में बड़े पैमाने पर निवेश किया है, वहीं भारतीय प्रवासी भी कनाडा में व्यवसाय और निवेश के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। दोनों देशों ने डिप्लोमेटिक सेवाओं को फिर से शुरू करने, व्यवसाय और नागरिक सेवाएं बहाल करने, तथा नए उच्चायुक्तों की नियुक्ति पर सहमति जताई गई है।

मार्क कार्नी की अगुवाई में बदली दिशा

अब कनाडा में सत्ता परिवर्तन हो चुका है। मार्क कार्नी देश के नए प्रधानमंत्री बने हैं, और उनकी सरकार ने विदेश नीति में उल्लेखनीय बदलाव के संकेत दिए हैं। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि पहली बार कनाडा की खुफिया एजेंसी सीएसआईएस (कैनेडियन सेक्यूरिटी इंटेलीजेंस सर्विस) ने अपनी 2024 की सार्वजनिक रिपोर्ट में खालिस्तानी चरमपंथ को एक राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा घोषित किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी समूह केवल विचारधारा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे हिंसा की योजना, वित्तपोषण और वैश्विक स्तर पर आतंकी हमलों की साजिश में भी शामिल हैं। ये समूह लोकतांत्रिक संस्थानों का इस्तेमाल कर अपने अलगाववादी और हिंसक एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं।

माता परमेश्वरी देवी जी की अंतिम यात्रा में छलके भावनाओं के आंसू

समाज उत्थान के कार्यों को याद करके हर कोई रहा भावुक

नारनौंद। राज्य के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता परमेश्वरी देवी जी के निधन ने गांव खांडा खेड़ी की हर आंख को नम कर दिया। अंतिम संस्कार के वक्त गांव के हर व्यक्ति की आंखें नम थी और ग्रामीण परमेश्वरी देवी द्वारा किए गए समाज उत्थान के कार्यों को याद करके भावुक हो रहे थे। दिवंगत परमेश्वरी देवी का शनिवार को गमगीन माहौल में खांडा खेड़ी गांव में अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम सस्कार के वक्त न केवल उनके परिजन, जानकार मौजूद रहे बल्कि गांव के अलावा विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों लोगों ने मौजूद रहकर उन्हें अंतिम विदाई दी। ग्रामीण व आए हुए लोग सुबह से ही उनके अंतिम दर्शनों का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही उनकी अंतिम यात्रा भारत मित्र स्तम्भ पहुंची तो लोगों ने नम आंखों से उन पर पुष्प अर्पित किए। माता परमेश्वरी देवी की अंतिम यात्रा रोहतक से चलकर गांव खांडा खेड़ी पहुंची तो बीच रास्ते में कई स्थानों पर लोगों ने उन्हें नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। अंतिम यात्रा के गांव खांडा खेड़ी पहुंचने पर सड़क के दोनों ओर लोगों की लाइन लगी थी और वे हाथों में फूल लिए हुए थे। जहां-जहां से अंतिम यात्रा होकर निकली लोगों ने पुष्प वर्षा कर माता जी को श्रद्धांजलि दी। माता परमेश्वरी देवी के पार्थिव शरीर के दर्शन करने के लिए कई स्थानों पर लोग घरों की छतों पर खड़े थे। भारत मित्र स्तंभ पहुंचने पर माता परमेश्वरी देवी का पार्थिव शरीर को लोगों के लिए अंतिम दर्शन करने के लिए रखा गया। इस दौरान हरियाणा ही नहीं देशभर से आए लोगों ने माता परमेश्वरी देवी को याद करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दुख की इस घड़ी में विशिष्ट लोगों में सिंधु परिवार के सदस्यों को सांत्वना देते हुए ढांढस बंधाया।

माता परमेश्वरी देवी जी की अंतिम यात्रा में कंधा देते कैप्टन रूद्रसेन सिंधु, वीरसेन सिंधु, कैप्टन अभिमन्यु व अन्य।

खांडाखेड़ी भावुक

ग्रामीण बोले, जमीन से जुड़ा रहा परिवार

ग्रामीणों का कहना था कि चौधरी मित्रसेन जी परिवार जमीन से जुड़ा परिवार है। परिवार में शिक्षा व संस्कार कूट कूट कर भरे हुए हैं और यह सब चौधरी मित्रसेन व माता परमेश्वरी देवी की मेहनत, शिक्षा व संस्कारों का परिणाम है कि यह परिवार इतनी तरक्की के बावजूद कभी अपने गांव व क्षेत्र को नहीं भूला। यही नहीं, माता परमेश्वरी देवी हर वर्ष भारत मित्र स्तम्भ में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करके उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करती थीं। ग्रामीणों के अनुसार दिवंगत परमेश्वरी देवी लड़कियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आग्रह करते हुए उनके माता-पिता को सदैव कहती थीं कि लड़कियों की शिक्षा कितनी जरूरी है। अब जब परमेश्वरी देवी हमारे बीच नहीं रही है और उनकी यादें व उनके कार्य ही हमारे बीच हैं। ग्रामीणों का कहना है कि दिवंगत परमेश्वरी देवी के निधन से समाजसेवा का एक ऐसा स्थान रिक्त हो गया है, जिसकी पूर्ति संभव नहीं है। ग्रामीण सदैव उनके जनहितैषी कार्यों को याद करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के माता जी के दिखाए रास्ते पर चलकर समाजहित के कामों में योगदान देना चाहिए।

माता परमेश्वरी देवी को कंधा देते योगगुरु बाबा रामदेव, कैप्टन अभिमन्यु।

माता परमेश्वरी देवी की अंतिम विदाई के दौरान मंत्रोच्चारण करतीं डॉ. सुकामा।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते विस उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण मिड्ढा।

खांडाखेड़ी में माता परमेश्वरी देवी जी के पार्थिव देह पर फूलों की वर्षा

जैसे ही माता परमेश्वरी देवी जी का पार्थिव शरीर गांव खांडाखेड़ी पहुंचा तो फूलों की वर्षा करके उनको श्रद्धांजलि दी गई। हजारों की संख्या में उनके अंतिम दर्शन करने के लोग पहुंचे हुए थे। माता जी की अंतिम यात्रा के दौरान सड़कों पर जाम न लग जाए इसके लिए पुलिस ने जगह-जगह नाके लगाए हुए थे। माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोगों की भारी भीड़ को देखते पुलिस को व्यवस्था बनाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इस मौके पर हर आंख नम थी।

मंत्रोच्चार के बीच मुखाग्नि दी

मुखाग्नि से पहले आर्य समाज के रीति रिवाज पूर्ण करते योगगुरु बाबा रामदेव, कैप्टन अभिमन्यु, मेजर सत्यपाल सिंधु व अन्य।

माता परमेश्वरी देवी जी का निधन पारिवारिक सामाजिक व धार्मिक क्षति : प्रवेश वर्मा

दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि माता परमेश्वरी देवी जी का निधन न केवल हमारे लिए पारिवारिक क्षति है बल्कि हर नागरिक व समाजसेवा कर रही संस्थाओं के लिए भी क्षति है। माता परमेश्वरी देवी व चौ. मित्रसेन आर्य जी ने आर्य समाज को आगे बढ़ाने में जो योगदान दिया है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। गुरुकुलों की स्थापना व उनकी सहायता करने में माता जी सदैव अग्रणी रहती थी। निश्चय ही उनका निधन पारिवारिक, सामाजिक व धार्मिक क्षति है।

माता परमेश्वरी देवी जी महान आत्मा थीं, हमें उनके जीवन से सीखना व समझना चाहिए : धर्मबीर सिंह

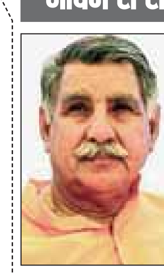
भिवानी के सांसद धर्मबीर सिंह ने अपने शोक संदेश में कहा कि माता परमेश्वरी देवी जी कोई साधारण महिला नहीं थी बल्कि महान आत्मा थी। परिवार को अच्छे संस्कार मां किस तरह देती है और आगे बढ़ाती है, ये हमें माता परमेश्वरी देवी से सीखना व समझना चाहिए। चौधरी मित्रसेन आर्य के निधन के बाद माता परमेश्वरी देवी ने पूरे परिवार को एक सूत्र में मोतियों की तरह पिरोए रखा। उन्होंने आर्य समाज व महिला शिक्षा को आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते सांसद धर्मबीर सिंह।

आर्य समाज की भावपूर्ण पुष्पांजलि

गुरुकुलों को पोषित किया : डॉ. सुकामा

पद्मश्री आचार्या डॉ. सुकामा ने कहा कि चौ. मित्रसेन आर्य के जाने के बाद माता परमेश्वरी देवी ने आर्य परंपरा का संरक्षण किया और गुरुकुलों को पोषित किया। चौधरी साहब की तरह माता परमेश्वरी देवी ने आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने का काम किया।

आर्य परंपरा को आगे बढ़ाया : स्वामी प्रणवानंद

स्वामी प्रणवानंद ने माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि माता परमेश्वरी देवी के कार्यों को आगे बढ़ाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। चौधरी साहब के जाने के बाद आर्य परंपरा को आगे बढ़ाने में माता परमेश्वरी देवी का बड़ा योगदान है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता।

समाज की मजबूत स्तंभ थीं : स्वामी आर्यवेश

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश ने माता परमेश्वरी देवी को याद करते हुए कहा कि वे आर्य समाज की मजबूत स्तंभ थी। सरल स्वभाव व सादगी की मूरत थी। सिंधु परिवार की हानि तो है ही बल्कि आर्य समाज के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

इन दिग्गजों ने भी दी श्रद्धांजलि

सर्व समाज के लिए अपूरणीय क्षति : मिड्ढा

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर एवं जींद के विधायक कृष्ण मिड्ढा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि कैप्टन अभिमन्यु की माता जी का जाना समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने संस्कारों से समर्थ एक ऐसा परिवार तैयार किया जो आज राष्ट्र सेवा में समर्पित है।

माता जी ममता की प्रतिमूर्ति थीं : बेदी

प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि एक मां के रूप में उन्होंने जो संस्कार व अनुशासन दिए वहीं आज कैप्टन अभिमन्यु की सोच और सेवा में दिखाई देता है। उनका जीवन प्रेरणादायक रहा है, हम उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि देते है।

स्मृति सदैव जीवित रहेंगी : धनखड़

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी आध्यात्मिक और ऊंच व्यक्तित्व वाली महिला थी। उनका जाना सिर्फ एक परिवार की नहीं समाज की भी क्षति है। उनकी स्मृति सदैव हमारे दिलों में जीवित रहेगी।

माता परमेश्वरी देवी को नमन करते स्वामी आदित्यवेश।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते विधायक रामकुमार गौतम।

माता परमेश्वरी देवी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे योग गुरु स्वामी रामदेव हुए भावुक

माता जी के सूक्ष्म आशीर्वद व आशीर्वचन सदैव साथ रहेंगे : स्वामी रामदेव

एक माह पहले ही माता जी से मिला था, उनमें उसी तरह हौसला व उत्साह था

हिसार। वैदिक पद की पथिक स्व. चौधरी मित्रसेन आर्य की धर्मपत्नी परमेश्वरी देवी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि वे उन्हें अपने बेटा समझकर प्यार करती थी। माता जी ने अपने बेटों को न केवल अच्छी पढ़ाई करवाई बल्कि अच्छे संस्कार भी दिए जो आज के समय में बहुत जरूरी है। भले ही माता जी आज भौतिक रूप से हमारे साथ न रही हो, लेकिन उनके सूक्ष्म आशीर्वाद व आशीर्वचन सदैव हमारे साथ रहेंगे। उन्होंने याद ताजा करते हुए बताया कि मैं एक माह पहले ही माता जी से मिला था, उनमें उसी तरह हौसला व उत्साह था। इतना कहते कहते स्वामी रामदेव भावुक हो गए और बोले कि केवल खांडाखेड़ी गांव या प्रशंसक ही नहीं बल्कि जिसको पता लगा है, वो उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि देने आया है। उन्होंने कहा कि मां का होना ही परमात्मा का बहुत बड़ा आशीर्वाद है,

वे कामना करते हैं कि भगवान दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें। उनके जाने से केवल उनके परिवार को तो दुख पहुंचा ही है, वे खुद 25 से 30 गुरुकुलों का संचालन कर रही थी, उनके आचार्य व उनमें पढ़ रहे बच्चे भी उनके जाने से दुखी हैं।

शास्त्रों में लिखी बातों को माता जी ने अपने जीवन में लागू किया : आचार्य बालकृष्ण

हिसार। पंतजलि हरिद्वार से आचार्य बालकृष्ण ने माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि सनातन परंपरा में शास्त्रों में लिखी बातों को माता परमेश्वरी देवी अपने जीवन में लागू करती थीं। खुद साक्षर नहीं होते हुए भी उन्होंने अपने सभी बेटे-बेटियों को काबिल बनाया। आर्य समाज तथा शिक्षा को बढ़ावा देने की अलख जो चौधरी मित्रसेन आर्य जगाकर गए थे, उसे बुझने नहीं दिया। सिंधु परिवार की मदद से हजारों बच्चे आदिवासी क्षेत्रों समेत देश के कई पिछड़े इलाकों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। माता परमेश्वरी देवी ने कन्या शिक्षा पर विशेष फोकस रखा। भारत ही नहीं पूरे विश्व में इस परिवार की ख्याति है। समाज के लिए सिंधु परिवार एक आदर्श परिवार है। माता परमेश्वरी देवी ने अपने बच्चों में अच्छे संस्कार दिए और पूरे परिवार को जोड़कर रखा। स्व. चौधरी मित्रसेन आर्य जीरो से उठाकर बहुत बड़ी

ऊंचाइयों तक पहुंचे। उन्होंने अपने परिवार तक सीमित न रहे कर समाज को आगे बढ़ाया। हमें इस परिवार से सीख लेने की जरूरत है।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते पूर्व विधायक बलराज कुंडू।

टेलीकॉम फैक्ट्री प्रबंधन ने आंखे मूंदी, धड़ल्ले से हो रहे कब्जे

अतिक्रमणकारी कर रहे टेलीकाम फैक्ट्री जमीन की बंदरबांट

जबलपुर।

सबै भूमि गोपाल की...यह एक प्रसिद्ध उक्ति है जो भूदान आंदोलन के दौरान विनोबा भावे द्वारा लोकप्रिय की गई थी। इसका अर्थ है कि धरती किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि सभी की साझा संपत्ति है, जिसे भगवान ने सबके लिए बनाया हैं लेकिन टेलीकॉम फैक्ट्री प्रबंधन फैक्ट्री की बेशकीमती और भू-अभिलेखों में राष्ट्रपति के नाम दर्ज भूमि की अतिक्रमणकारियों में बंदरबांट में लग गया हैं। फैक्ट्री के श्रमिक नेताओं ने यह आरोप लगाते हुए बताया कि वर्तमान में टैलीकॉम फैक्ट्री के गेट नंबर 4 की कंजरवेंसी एरिया को घेरकर हो रहे निर्माण कार्य को कारखाना प्रशासन तोडऩे का कार्य करने में ही पसीना छूट रहा था कि निर्माण कार्य को रातों रात करके स्लैब के लिये पटीये तक ठोंक लिये गए।

विज्ञापनों से पट गईं फैक्ट्री की दीवार

श्रमिक नेताओं के अनुसार फैक्टरी की नकारा व्यवस्था का ये हाल है कि फैक्टरी की नव निर्मित दीवार पर तरह तरह के विज्ञापनों की बाढ़ है परंतु कारखाना प्रबंधन के ये हाल हैं कि फैक्टरी के खाली मैदान को यहां शादी पार्टी आदि में आम जनता को सस्ते में उपलब्ध करने के लिये दीवारों पर विज्ञापनों को लगाना चाहिए पर अधिकारियों को ये सब काम फालतू लगते हैं जबकि इस आदेश को आये लगभग डेढ़ बरस हो गये हैं पर आम जनता को इसका कोई लाभ नहीं मिल रहा है। श्रमिक नेताओं के अनुसार सब इंस्पेक्टर पद का सिक्योरिटी इनचार्ज एजीएम के कमरे में बैठकर आराम फर्माता हो और उसका सारा काम एक चौकीदार कर रहा हो तो यही हालत होंगे यही चौकीदार ही पूरे स्टाफ की ड्यूटी लगा रहा है।

प्रबंधन, सुरक्षा अधिकारी नहीं ले रहे सुध

फैक्ट्री सूत्रों के अनुसार फैक्ट्री प्रबंधन के अधिकारी और सुरक्षा का जबाब दार सब इंस्पेक्टर चीफ जनरल मैनेजर और बीएसएलएल के सीएमडी ने पूरी व्यवस्था जीएम और डीजीएम के भरोसे छोड़ दी है। उच्च अधिकारी को इन सब बातों की कोई जानकारी नहीं है कारखाना सूत्रों ने बताया कि इसके पूर्व जो सुरक्षा निरीक्षक थे वे किसी मर्डर केस में फरार थे पुलिस अनेक बार गेट पर आई मगर वे भूमिगत रहे। करीब साल भर ड्यूटी नहीं आये लेकिन न सिर्फ बकायदा उनकी हाजिरी रजिस्टर पर फर्जी हस्ताक्षर करके वेतन बैंक में जाता था। श्रमिक नेताओं का आरोप हैं कि वर्तमान सब इंस्पेक्टर ही उनके फर्जी हस्ताक्षर करता था। यह सब भी वर्तमान एजीएम की जानकारी में था पर सब चंगा सी की तर्ज पर चलता रहा। बिना ड्यूटी आये उन्हें वीआरएस भी फर्जी तरीके से दे दिया गया। उसी तर्ज पर तत्कालीन सब इंस्पेक्टर भी किसी आपराधिक प्रकरण में फरार थे पर उसके प्रिय अधिकारी ने उसे भी फर्जी तरीके से वेतन भी दिलाया और गिरफ्तार भी नहीं होने दिया?

चोरी का माल छिपाने का अड्डा बनी फैक्ट्री

श्रमिक नेताओं का आरोप हैं कि फैक्ट्री के कुछ लोग सूद पर पैसे भी चला रहे हैं। आरोप यहां तक हैं की यहां चोरी के वाहन भी छिपा कर रख दिये जाते हैं. आवास परिसर के दरवाजे खिड़की पहले चोरी हो चुके हैं अब ईंट और लोहा की बारी आ चुकी है रानी ताल चौक गढा रोड पर कुछ लोग कब्ज़ा करके किराये पर देकर एक नयी चौपाटी को मूर्त रूप दे चुके हैं लगभग 50-60 ठेले दुकानें खुल रही हैं हो सकता हैं इसमें मौन स्वीकृति हो. फैक्ट्री की दीवार पर हो रहा अतिक्रमण अभी गेट नंबर 4 का मामला निपटा भी नहीं था कि किसी व्यक्ति ने फैक्टरी के स्नेह नगर किनारे पर फैक्ट्री की बाउंड्री वॉल तोड़कर उसके किनारे बने जर्जर मकान को नये सिरे से बनाना शुरू कर दिया हैं। कुछ वर्ष पहले जब तहसीलदार द्वारा नाप किया गया था। तब किनारे पर मकान के बारे में लोगों को ज्ञात हुआ कि यह मकान ही नहीं बल्कि उसके बाजू में स्थित किराना दुकान, चक्की और एक सैलून सभी में पीएंडटी की भूमि मद में चढ़ा हुआ हैं। मकान का काम धड़ल्ले से चल रहा है यदि यही हाल रहा तो एक दिन सारे फैक्ट्री की दीवार किनारे रहने वाले अपने अपने घरों का विस्तार कर लेंगे?

स्व. विशाल पचौरी ने हटवाई थी दीवार

श्रमिक नेताओं के अनुसार पहले अग्रवाल कालोनी के बीच कुम्हार मुहल्ला से और खेरमाई मंदिर वाली गली से ऐसे दो रास्ते ब्रिटिश सरकार ने टेलीकॉम फैक्ट्री परिसर में जाने के लिये बनाये थे। जिससे फैक्टरी कर्मी ड्यूटी पर आ जा सके और उनके बच्चे खेल मैदान का लाभ ले सके। दोनों जगह नाले पर चौड़े चीप के पत्थर रखे थे। पूरा मौहल्ला कपड़े धोने और पीने के पानी के लिये फैक्ट्री के नलों का उपयोग करता था। समय के साथ सुरक्षा के अभाव में दोनों ही जगह लोगों ने कब्ज़ा करके निर्माण कर लिये हैं। पक्के मकान तन गये हैं। फैक्ट्री की रेलवे लाइन मदन महल स्टेशन तक है। लोगों ने लाइन के बाजू में पक्के मकान बना लिये हैं जबकि लाइन के दोनों तरफ की जमीन फैक्टरी की है। जन हित में 40 फुट का रोड बनाया जा सकता है। एक बस मालिक ने एक एकड़ जमीन में कब्ज़ा कर वहाँ से झुग्गी झोपड़ी वालों को हटाकर अपना गैरेज बना लिया है। गेट न दो पर भी बाजू वाले मार्केट का ज़मीन पर कब्ज़ा किया हुआ हैं। दिवालों पर बड़े बड़े कीलें गाड़कर फैक्टरी की ज़मीन पर दुकाने लगी हैं एक बड़ी चौपाटी चल रही बीच सड़क कारें टू व्हीलर खड़े हो रहे यह भी खबर हैं कि इन ठेले वालों से कोई पैसा वसूलता है पर पैसा किसकी जेब में जाता है कोई नहीं जानता। गेट नंबर चार की तरफ दीवार से लगकर लगभग सौ से अधिक कारों ने कब्ज़ा कर रखा है किसी को कोई परवाह नहीं। श्रमिक नेताओं का कहना है कि पूर्व जेडीए अध्यक्ष एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व. विशाल पचौरी अगर आज होते तो देखते उन्होंने पूरा जीवन किसके लिये दीवार हटवाई और फायदा कौन उठा रहा हैं।

बादलों से ढंके आसमान से पड़ रही पानी की बौछारें

गरज-चमक के साथ बारिश होने के आसार

जबलपुर। पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर हवा के कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। जिसके प्रभाव से अगले 24 घंटों के दौरान जबलपुर संभाग के अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ पानी की बौछारे पड़ सकती हैं। शनिवार की रात बादलों से ढंके आसमान के बीच रविवार को भी झिर-झिराता पानी और नमीं भरी हवाओं ने मौसम को ठंड-ठंडा कूल-कूल कर दिया है। तापमान में भी गिरावट आई है। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। कभी भी किसी भी क्षण तेज बारिश हो सकती है। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से जानकारी के अनुसार पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर बना हवा के कम दबाव का क्षेत्र प्रभावी होने से आने वाले दिनों में शहर में जोरदार बारिश होने की संभावना है. पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 28.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 6 डिग्री कम न्यूनतम तापमान 23.0 डिग्री सामान्य से 3 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 89 प्रतिशत और सायंकाल 83 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.26 व सूर्यास्त 6.59 बजे हुआ। पिछले 24 घंटों में कुल वर्षा 25.4 मिमी दर्ज की गई। 9 जून से अब तक कुल वर्षा 56.5 मिमी (लगभग 2 इंच) दर्ज की जा चुकी है, जबकि गत वर्ष आज के दिन 1.8 मिमी वर्षा हुई थी, जबकि कुल वर्षा का आकंड़ा 31.7 मिमी दर्ज की जा चुकी थी। पिछले वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री दर्ज किया गया था। दक्षिण पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर जोरदार वर्षा की संभावना है।

मोहर्रम के चंदे के विवाद पर युवक का सिर फोड़ा

जबलपुर। गोसलपुर थाना क्षेत्र में मोहर्रम के चंदा करने के विवाद पर एक मैकेनिक के साथ एक आरोपी ने मारपीट कर रॉड से हमला कर सिर फोड़ दिया। पुलिस के अनुसार इस मामले में राम मंदिर के पीछे गोसलपुर निवासी पेशे से मैकेनिक 35 वर्षीय अब्दुल माजिद ने रिपोर्ट दर्ज कराई। अब्दुल ने पुलिस को बताया कि वह मोटर सायकल सुधारने का काम करता हैं। गत दिवस मोहर्रम पर्व को लेकर उसके समाज वालों की मदरसे में मीटिंग हुई। मीटिंग में वह तथा आरोपी रियाज उर्फ गोलू खान भी आया था। मीटिंग में मोहर्रम पर्व को लेकर चंदा इकठ्ठा करने की बात हुई। समाज के जुड़े सभी लोगों ने थोड़ा थोड़ा समय देने की बात कही। अब्दुल ने रियाज उर्फ गोलू खान से कहा कि तुम भी थोड़ा समय चंदा इकठ्ठा करने के लिये देना। मीटिंग समाप्त हो गई। शनिवार को अब्दुल अपनी दुकान में बैठा था तभी रियाज उर्फ गोलू खान आया और अब्दुल से कहा कि उसे मम्मी बुला रही हैं। अब्दुल आरोपी रियाज उर्फ गोलू खान के साथ रियाज के घर गया। जहां रियाज उर्फ गोलू खान गत दिवस की मीटिंग की बात को लेकर गाली गलौज करने लगा। अब्दुल ने गालियां देने से मना किया तो आरोपी रियाज उर्फ गोलू खान ने लोहे की राड से हमलाकर अब्दुल के सिर में चोट पहुंचा दी। रिपोर्ट पर धारा 296, 118(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

कार की टक्कर से पल्लेदार की मौत

जबलपुर। बिहार से अपने परिवार की गुजर-बसर के लिए जबलपुर आकर विगत 4 साल से यहां गढ़ा स्टेशन पर पल्लेदारी का काम कर रहे एक युवक को बीती रात एक चौपहिया वाहन ने टक्कर मार कर मौत के घाट उतार दिया। तिलवारा थाना पुलिस के अनुसार मूलतः ग्रमा मसत्थु थाना बेलछी पटना बिहार एवं वर्तमान में गढ़ा निवासी 50 वर्षीय दयानंद कुमार यादव ने घटना की सूचना दी। दयानंद ने पुलिस को बताया कि वह करीब 10 साल से गढ़ा मालगोदाम स्टेशन पर माल उतारने चढाने का काम करता हैं। उसी के गॉव का रहने वाला उसके दूर का रिश्तेदार 35 वर्षीय रंजीत पाण्डे विगत 4 साल से गढ़ा स्टेशन मे माल चढाने-उतारने का काम करता था। बीती रात करीब 8 बजे रंजीत पाण्डे खाना खाने के लिये गढ़ा स्टेशन के सामने स्थित अपने कमरे में जा रहा था। नेशनल हाईवे रोड पार करते समय नागपुर की ओर से आ रहे किसी चार पहिया वाहन ने रंजीत पाण्डे को टक्कर मार दी।

डीएवी स्कूल के छात्रों को मिली हाई कोर्ट से राहत

मान्यता नवीनीकरण आवेदन पोर्टल बंद होने का मामला

जबलपुर।

हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने डीएवी पब्लिक स्कूल, सिंगरौली के छात्रों को राहत प्रदान कर दी है। इसके अंतर्गत सितंबर माह तक स्कूल के नवीनीकरण पर विचार किया जाएगा। स्कूल के प्रवेशित छात्रों को कहीं और शिफ्ट नहीं किया जाएगा। पूरे सत्र वे डीएवी स्कूल में ही पढ़ेंगे। याचिकाकर्ता डीएवी पब्लिक स्कूल, ब्लाब बी, गोरबी, सिंगरौली की ओर से अधिवक्ता मनोज कुशवाहा व कौशलेंद्र सिंह ने दलील दी कि स्कूल की ओर से मान्यता नवीनीकरण का आवेदन दिया गया था। लेकिन कुछ तकनीकी गड़बड़ी के कारण अंतिम दिवस पर पोर्टल बंद हो गया। इसलिए नवीनीकरण संबंधी आवेदन पत्र जमा नहीं हो सका। जिला परियोजना समन्वयक द्वारा स्कूल प्रबंधन को आदेशित किया गया कि वह अपने समस्त अभिलेख संकुल स्कूल में जमा करे। स्कूल की मान्यता के नवीनीकरण के संबंध में स्कूल प्रबंधन द्वारा कलेक्टर के समक्ष अपील प्रस्तुत की गई। जिस पर कलेक्टर सिंगरौली द्वारा राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक को पत्र प्रेषित कर नवीनीकरण के संबंध में पुनः पोर्टल खोलने संबंधी अनुशंसा की। किंतु राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा इस पर कोई विचार नहीं किया गया। इसीलिए व्यथित होकर स्कूल प्रबंधन ने हाई कोर्ट की शरण ली। दलील दी गई कि स्कूल में 600 छात्र पढ़ रहे हैं। कक्षा एक से आठ तक की व्यवस्था है। सभी विद्यार्थी नार्दर्न कोलफील्ड्स के कर्मचारियों के बच्चे हैं। छोटे बच्चों को अन्य स्कूलों में स्थानांतरित करने पर काफी असुविधा होगी। प्रकरण को बेहद संवेदनशील मानते हुए हाई कोर्ट ने राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक को तलब किया। उन्होंने हाजिर होकर अंडरटेकिंग दी कि सितंबर माह तक स्कूल के नवीनीकरण पर विचार करेंगे। स्कूल के छात्रों को कहीं अन्य स्कूलों में शिफ्ट नहीं किया जाएगा। वे संपूर्ण सत्र वहीं पढ़ेंगे।

एक साथ चलेगी दोहरे आजीवन कारावास की सजा

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन व न्यायमूर्ति अनुराधा शुक्ला की युगलपीठ ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायदृष्टांत की रोशनी में दोहरे आजीवन कारावास की सजा एक साथ चलाए जाने का आदेश पारित कर दिया। मामला फिरौती के लिए बालक का अपहरण किए जाने से संबंधित था। सेशन कोर्ट द्वारा दोहरी सजाएं सुनाई गई थीं। जिसे हाई कोर्ट में अपील के जरिए चुनौती दी गई थी। दरअसल, अपीलकर्ता छिंदवाड़ा निवासी शेष इरफान उर्फ छोटी व सह आरोपित हर्षलता उर्फ मुस्कान पर आठ वर्ष के बालक के अपहरण का आरोप लगा था। दोनों ने एक लाख रुपये की फिरौती मिलने पर बालक को छोड़ दिया था। सेशन कोर्ट ने अपहरण व अपहरण की साजिश रचने के आरोप में दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। आदेश में दोनों सजाएं अलग-अलग चलाने की व्यवस्था दी गई थी। हाई कोर्ट ने सुनवाई के बाद सेशन कोर्ट का आदेश संशोधित करते हुए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के प्रकाश में आजीवन कारावास की दोनों सजाएं एक साथ चलाने की व्यवस्था दे दी।

मस्तिष्क से संबंधित आंख के रोग से बचाव, उपचार की आधुनिक तकनीकी विधियों पर शोध पत्र प्रस्तुत

जबलपुर। जबलपुर डिविजनल ओफ्थल्मिक सोसाइटी की वार्षिक कांफ्रेंस और कार्यशाला होटल हिल्टन गार्डन इन में सम्पन्न हुई । कार्यक्रम की शुरुआत डॉ पी एस छाबरा, डॉ हेमलता श्रीवास्तव , डॉ रवि अग्रवाल, डॉ हितेश अग्रवाल, डॉ एस एल साहू, डॉ. अतुल शर्मा,डॉ. इंदु पांडे एवं डॉ अतुल मिश्रा द्वारा दीप प्रज्वलन कर सरस्वती वंदना से की गयी । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ अशोक खंडेलवाल, कुलगुरु मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी थे जिनके द्वारा संस्था की वार्षिक पत्रिका का विमोचन भी किया गया। अध्यक्ष डॉ. पवन स्थापक ने बताया की इस वर्ष की थीम न्यूरो ऑफ़्थलमोलॉजी थी जिसमें मस्तिष्क से संबंधित आंख के रोग से बचाव, उपचार की आधुनिक तकनीकी विधियों पर शोध पत्र प्रस्तुत किये गए। कांफ्रेंस में हैदराबाद से आये अतिथि वक्ता डॉ. रश्मिन गांधी के अलावा डॉ. अर्पिता स्थापक,डॉ. अविजित विशनोई, डॉ. विवेक अरोरा,डॉ. श्रुति चौधरी, डॉ. राजेंद्र बिसेन, डॉ. हिमांशु शुक्ला,डॉ. सुरभि दुबे, डॉ.मयूरी बोरा,डॉ. चैताली पटेल आदि ने शोधपत्र प्रस्तुत किये । डॉ अर्पिता स्थापक ने आंख की नस में कमजोरी की वजह से नजर का एकदम से कम होने की वजह और उसका आधुनिक तरीके से इलाज पर शोध प्रस्तुत किया। इस कांफ्रेंस में नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा भी शोधपत्र प्रस्तुत किये गए। सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र का डॉ. आर के मिश्रा मेमोरियल अवार्ड डॉ. राजेंद्र बिसेन को दिया गया और डॉ. पी एस सोन अवार्ड से डॉ. हिमांशु शुक्ला को सम्मानित किया गया। मेडिकल छात्रों में प्रथम पुरस्कार डॉ सुदिति वासनिक द्वितीय डॉ नोस डुप वांग्मो तृतीय डॉ सकीना कॉंचवाला को प्राप्त हुआ। निर्णायक मंडल की भूमिका में डॉ. अतुल शर्मा, डॉ. अतुल मिश्रा,डॉ.आयुष टंडन, डॉ. इंदु पांडे और डॉ. अपूर्वा स्थापक रहे। आयोजन समिति के डॉ. पवन स्थापक, डॉ. राहुल शुक्ला,डॉ. ब्रजेश चौधरी,डॉ. अविजित विश्नोई. डॉ. ऋचा शर्मा,डॉ. रविन दास,डॉ. विनय छत्तानी , डॉ. रवि अग्रवाल,डॉ. उर्वशी शर्मा ने न्यूरो ऑफ़्थलमोलॉजी कांफ्रेंस में पधारे सभी नेत्र विशेषज्ञों का आभार प्रकट किया ।

खुद की राशि पाने परेशान हो रहे कॉलेज के सेवानिवृत्त प्राध्यापक

जबलपुर। जिले के समस्त 17 शासकीय कॉलेजों से सेवानिवृत्त हो रहे प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल, क्रीड़ा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर मिलने वाली राशि का भुगतान समय सीमा में नहीं होने का मामला सामने आया है। कॉलेजों के कर्मचारी विगत 4-5 साल से सेवानिवृत्त हो जाने के बाद भी मिलने वाली राशि के लिये परेशान हो रहे है। पीड़ित कर्मचारियों द्वारा लगातार मंत्रालय व उच्च शिक्षा विभाग को अनेक शिकायतें एवं अभ्यावेदन दिये जा रहे है, लेकिन उनकी शिकायत पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। मप्र मानव अधिकार आयोग की क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि, समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में जनहित में प्रकरण की सुनवाई करते हुए सदस्य राजीव कुमार टण्डन की एकलपीठ ने मानव अधिकारों के उल्लंघन का मामला मानकर, आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग भोपाल से मामले की जांच कराकर, जबलपुर जिले में वर्ष 2024 में सेवानिवृत्त हुये कितने प्राध्यापकों एवं अन्य स्टाफ के पेंशन प्रकरण लंबित है, इस संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

धान रोपाई के लिए किसानों ने मुख्य अभियन्ता से मांगा पानी

एक जुलाई से नहरों में पानी छोड़ने की रखी मांग

जबलपुर। भारतीय किसान संघ जबलपुर के पदाधिकारियों ने नहर विभाग के बाईं तट व दाईं तट के अधिकारियों के साथ बरगी हिल्स में किसानों की नहर संबंधी विभिन्न समस्याओं को लेकर शनिवार को बैठक की। बैठक के संबंध में जानकारी देते हुए पाटन तहसील अध्यक्ष मुकुल पचौरी ने बताया कि मानसून विलंब से आने के कारण धान की फसल पर संकट के बादल छाने लगे हैं। किसानों ने धान के रोपा बो दिए हैं। यदि समय पर पानी नहीं बरसता है तो किसान की धान की फसल के लिए समस्या पैदा हो जायेगी। भारतीय किसान संघ के जिला उपाध्यक्ष रामकृष्ण सोनी ने नहर विभाग के अधिकारियों को किसानों की समस्याओं से अवगत कराते हुए कहा कि शीघ्र नहरों की साफ सफाई व मरम्मत का कार्य समय पर पूर्ण कराएं। जिलाध्यक्ष रामदास पटेल के साथ आए पाटन, बरगी, सिहोरा एवं शहपुरा तहसील के अध्यक्ष व किसानों ने अपने क्षेत्र की समस्याओं को रखा। नहर विभाग के मुख्य अभियन्ता को सौंपे ज्ञापन में भारतीय किसान संघ ने मांग रखी की अतिशीघ्र एक जुलाई से नहरों में पानी छोड़ने की व्यवस्था की जाए। जिससे किसान मानसून के विलंब की स्थिति में समय पर धान रोपाई का कार्य कर सके। जिस पर नहर विभाग के अधिकारी मुख्य अभियंता के. एस. कुशरे एवं कार्यपालन यंत्री खत्री जी ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और तत्काल कार्यवाही की बात कही।

ये रहे उपस्थित...

इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष ओम नारायण पचौरी, सम्भागीय उपाध्यक्ष व विद्युत नियामक आयोग के सदस्य दामोदर पटेल, पुखराज चंदेल, प्रांत उपाध्यक्ष मोहन तिवारी, आलोक पटेल ,जिला अध्यक्ष रामदास पटेल, उपाध्यक्ष रामकृष्ण सोनी, तहसील अध्यक्ष मुकुल पचौरी, तहसील मंत्री रीतेश पटेल, आनंद, गौरी शंकर, मोहित पचौरी, दिनेश पटेल, हर्ष साहू एवं बड़ी संख्या में किसानों के साथ नहर विभाग के अधिकारीयों में मुख्य अभियंता के.एस. कुशरे, एसडीओ संगीता दिवाकर, पी के खत्री, एस के शर्मा, मनीष दीक्षित सहित विभाग के अन्य अधिकारीओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

रानी दुर्गावती दौड़ प्रतियोगिता के महिला वर्ग में रमनी पटैल जीती

जबलपुर। वीरांगना रानी दुर्गावती के 462वें बलिदान दिवस 24 जून को आयोजित हो रहे बलिदान दिवस के आयोजन के 2 दिन पूर्व रानी दुर्गावती मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग से 10 से ज्यादा धावक तथा महिला वर्ग से 10 धाविकाओं ने भाग लिया। महिला वर्ग में रमनी पटैल ने प्रथम, अंशिका लोधी ने द्वितीय, एवं खुशी रघुवंशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार पुरूष वर्ग में खेम सिंह ने प्रथम, साहिल साहू ने द्वितीय, एवं हर्षवर्धन चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नगर निगम जबलपुर द्वारा मित्र संघ और मिलन के वीरांगना दुर्गावती स्मृति रक्षा अभियान समिति के सहयोग से आयोजित मैराथन दौड़ प्रतियोगिता प्रातः 07:00 बजे भॅंवरताल स्थित रानी दुर्गावती की प्रतिमा के सामने से शुरू हुई। सबसे पहले महिला वर्ग की दौड़ प्रतियोगिता शुरू हुई। यह दौड़ प्रतियोगिता भॅंवरताल से शुरू होकर शारदा चौक पर समाप्त हुई। इसी तरह पुरुष वर्ग की मैराथन दौड़ प्रतियोगिता भंवरताल उद्यान से शुरू होकर बारहा स्थित वीरांगना दुर्गावती की समाधि पर समाप्त हुई। इस प्रतियोगिता के शुभारंभ के अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू" एवं नगर निगम के अध्यक्ष रिंकू विज ने हरी झंडी दिखाकर धावकों को रवाना किया। इस अवसर पर वीरांगना दुर्गावती स्मृति रक्षा अभियान समिति के संयोजक मोहन शशि, सच्चिदानंद शेकटकर, सहसंयोजक परितोष वर्मा नगर निगम के क्रीड़ा अधिकारी राकेश तिवारी तथा बड़ी संख्या में क्रीड़ा प्रेमी उपस्थित रहे। वीरांगना दुर्गावती स्मृति मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का संयोजन कारपोरेशन एथलेटिक संघ के सचिव महेंद्र विश्वकर्मा तथा उनके साथियों ने किया। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को 24 जून को भंवरताल उद्यान में आयोजित समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।

नाबालिग से कराई जा रही थी गांजे की तस्करी

जबलपुर। जबलपुर में गांजा तस्करों ने पुलिस से बचने के लिये नाबालिगों को दिहाड़ी वेतन पर गांजा इधर से उधर करने के काम पर लगा रखा है. ऐसा ही एक मामला रांझी थाना क्षेत्र में समने आया है. रांझी पुलिस ने बापू नगर में एक नाबालिग को गांजे की तस्करी करते हुये गिरफ्तार किया. जिसके पास से 1 किलो 750 ग्राम गांजा जप्त किया गया. 14 साल का यह नाबालिग जुपीटर वाहन में गांजा सपलाई करने गया था, पुलिस को देखकर घबरा गया. संदेह होने पर पुलिस ने उसके वाहन की तलाशी ली तो डिक्की के अंदर एक किलो 750 ग्राम गांजा निकला. थाना प्रभारी रांझी उमेश गोल्हानी ने बताया कि नाबालिग ने पूछताछ के दौरान पुलिस को यह जानकारी दी है की सिंधी केम्प निवासी विशाल चक्रवर्ती द्वारा काले रंग के थैला में 2 पैकेट गांजा रखकर यह कहकर भेजा था की रांझी चुंगी नाका के पास बापूनगर में टूटी दीवाल के पास एक सफेद रंग की शर्ट पहने लड़का मिलेगा जिसे गांजा दे देना. पुलिस ने नाबालिग सहित मुख्य आरोपी विशाल चक्रवती के विरूद्ध धारा 8, 20, एन.डी.पी.एस एक्ट तथा 49 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

इंटरनेशनल डिजाइन एकेडमी, विजय नगर द्वारा स्टूडेंट्स के स्किल डेवलपमेंट के लिए लगाया गया आईडीए डिजाइन एक्सपो

स्टूडेंट्स ने दिखाया कमाल का टैलेंट... फैशन और इंटीरियर डिजाइन्स के खूबसूरत कलेक्शन ने जीता दिल

जबलपुर। इंटरनेशनल डिजाइन एकेडमी, आईडीए विजयनगर द्वारा छात्रों के स्किल डेवलपमेंट के लिए एग्जीबिशन आईडीए डिजाइन एक्सपो का आयोजन किया गया। शुक्रवार को एकेडमी द्वारा हुए एक्सपो में स्टूडेंट्स ने अपने टैलेंट से तैयार किए गए यूनिक फैशन डिजाइन्स, इंटीरियर डिजाइन्स डिस्प्ले किए। आईडीए की फाउंडर बतुल अली ने बताया कि फैशन में मसलिन फैब्रिक से जुड़े खूबसूरत इंडियन और वेस्टर्न आउटफिट का डिजाइनर कलेक्शन प्रजेंट किया गया। मसलिन के जरिए सस्टेनेबल फैशन को प्रजेंट करने का प्रयास स्टूडेंट्स ने किया। इंटीरियर डिजाइन स्टूडेंट्स ने मिनिएचर इंटीरियर व एक्सटीरियर मॉडल प्रस्तुत किए, इनमें कॉर्पोरेट बिल्डिंग्स, रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट्स नजर आए। बतुल अली ने बताया कि इंस्टीट्यूट में छात्रों को फैशन डिजाइनिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग, मेकअप आर्टिस्ट व ग्राफिक्स डिजाइन जैसे कोर्सेस प्रोवाइड किए जाते हैं। साथ ही विशेष ट्रेनिंग भी प्रदान की जाती है। इस एग्जीबिशन का मकसद स्टूडेंट्स के स्किल्स को सामने लाना व उन्हें स्टार्टअप्स व इंटरप्रिन्योरशिप के लिए प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर कुसाई अली, अमृता गुप्ता, आशा मंझानी, काजोल ठाकुर, अनुराधा सिंह, किमी पांडेय, वंशिता जैन, प्रहलाद मरावी, सम्राट सराफ, निमिशा यादव, मुर्तजा अली, मुस्तफा अली का सहयोग रहा।

रोजगार उपलब्ध करा रहा आईडीए

फाउंडर बतुल अली ने कहा कि इंटरनेशनल डिजाइन एकेडमी द्वारा जबलपुर में डिफरेंट कोर्सेज के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार मुहैया कराए जा रहे हैं। उन्हें इंडस्ट्री और प्रैक्टिकल दोनों ही एक्सपीरियंस दिए जाते हैं। इस आईडीए डिजाइन एक्सपो के जरिए डिजाइनर्स अपनी कलाकृतियों को प्रदर्शित कर सकेंगे। आईडीए द्वारा विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमेशा सकारात्मक प्रयास किए जाते रहे हैं।

रानी दुर्गावती बलिदान दिवस पर आदिवासी छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

समाज के जितने भी छात्र-छात्राएं पढ़ाई में अच्छे नंबर लेकर आए हैं संगठन हमेशा उनका मार्गदर्शन एवं मदद करेगा : कौशल्या

जबलपुर। अखिल भारतीय आदिवासी शबरी महासंघ के तत्वावधान में एवं कौशल्या गोंटिया पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन के संयोजन में रानी दुर्गावती बलिदान दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह की श्रृंखला में 22 जून को शिक्षा सम्मान का आयोजन किया गया। जबलपुर एवं जबलपुर ग्रामीण क्षेत्र से करीब 30 बच्चों ने कुछ मेधावी, कुछ प्रथम स्थान प्राप्त कर समाज का नाम रोशन किया, इसी कड़ी में इन बच्चों के हौसला अफजाई के लिए संगठन ने बच्चों को प्रोत्साहन राशि एवं मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र देकर उनका सम्मान एवं उत्साह वर्धन किया। यह सम्मान क्रमशः पांचवीं, आठवीं दसवीं एवं 12वीं के बच्चों के लिए था, यह सारे सम्मान पाकर बच्चे बहुत खुश हुए, उनके माता-पिता भी बहुत खुश हुए। सम्मान के पश्चात उनको स्वल्पाहार एवं उनसे बातचीत की गई यह कार्यक्रम काफी रोचक रहा। मेधावी छात्र-छात्राओं में कुमारी मीनाक्षी कोल 12वीं, आयुषी ठाकुर 12वीं, दसवीं में यश ठाकुर एवं विद्या ठाकुर प्रथम, आठवीं में खुशी एवं सावन गोंटिया प्रथम, पांचवीं में तुलसी को एवं आस्था कोल प्रथम, इसी तरह क्रमशः मेधावी एवं प्रथम आए हुए 30 बच्चों का सम्मान किया गया। इसी कड़ी में ग्रामीण के एडिशनल एसपी सूर्यकांत शर्मा ने भी बच्चों को काफी गाइड किया, उनको भविष्य की शुभकामनाएं दी अपराध से निपटने के गुरु सिखाए कि पुलिस से कैसे सहायता ली जाए इसकी जानकारी दी और बच्चों में गीत गाकर उन्हें प्रोत्साहित किया। श्रीमती अंजू सिंह बघेल ने भी बच्चों को भविष्य की समझाइश दी एवं समाज के सभी पढ़े-लिखे लोगों ने हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सराहा। कार्यक्रम के आयोजन समिति की उपस्थिति रोशन लाल को कुंजीलाल गोंटिया, भैया लाल गोंटिया, मगन सिंह भूमिया, अशोक गोंटिया, लालू कोल, एडवोकेट शिवांशु कोल, कमलेश कोल सहित अन्य की उपस्थिति सराहनीय रही।

संस्कारधानी का मोहर्रम कौमी एकता की मिसाल : हाजी रज़वी

जबलपुर। गत रात्री मदन महल दरगाह में मुतवल्ली सैयद कादिर अली कादरी व सज्जादाशीन मुबारक कादरी की अध्यक्षता में मुहर्रम संबंधी एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की शुरुआत हाफिज असद कर्बलाई ने तिलावते कुरआन-ए-पाक से की। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाज सेवी हाजी मकबूल रजवी ने अपने वक्तव्य में कहा कि "संस्कारधानी का मोहर्रम कौमी एकता की मिसाल है।" उन्होंने जोर देकर कहा कि जबलपुर में मुहर्रम का पर्व हमेशा आपसी भाईचारे के साथ मनाया जाता है। उन्होंने सवारी रखने वाले मुजावरों से अपील की कि वे अपने बेड़े में शामिल अकीदतमंदों को साथ लेकर चलें और किसी भी प्रकार के अपशब्दों का प्रयोग या गलत किस्म की नारेबाजी न करें। उन्होंने पर्व को शालीनता और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने पर जोर दिया।हाजी रजवी ने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग करने और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की भी अपील की। शहर कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष अशरफ मंसूरी ने अपने संबोधन में कहा कि हमें शासन-प्रशासन का सहयोग करते हुए अपना त्यौहार मनाना है। उन्होंने यह भी बताया कि मुहर्रम के अवसर पर यातायात व्यवस्था और मुख्य मार्गों में विद्युत समस्या के समाधान हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर उचित हल निकाला जाएगा।अंत में सज्जादा नशीन इनायत अली कादरी ने बैठक में शामिल हुए तमाम लोगों का शुक्रिया अदा कियाइस बैठक में मुख्य रूप से वरिष्ठ समाज सेवी पप्पू वसीम खान, चंगेज खान अशरफी, अब्बू बाबा, नियाज मंसूरी, अन्ना बाबा, आशु अली, शाहरुख सुल्तानी, बाबु कलाम , सहवाज खान गामा मुकेश बाबा सहित कई मुजावर और विभिन्न कमेटियों के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कांग्रेस की विचारधारा से जन-जन जोड़ने का सृजन अभियान

बैठक में संगठन मजबूत बनाने का संकल्प

सिहोरा। कांग्रेस पार्टी देश की सबसे पुरानी राष्ट्रवादी गांधीवादी विचारधारा की पार्टी है पार्टी के गौरव को एक बार फिर से स्थापित करने पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के आवाहन पर सृजन अभियान प्रारंभ किया है यह बात पार्टी के वरिष्ठ नेता अमोल चौरसिया ने बैठक में शामिल पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं से कहीं। राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि बाबा कुरैशी के मुख्य आतिथ्य एंव किसान कांग्रेस प्रदेश महामंत्री पवन सोनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्षद कल्पना आलोक पांडे,ममता गोंटिया, रमेश पटेल, माधुरी गणेश दहिया,एम मंसूर विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर फैज आलम शाह, शेख साबिर, दिलीप जैन, एडवोकेट साकेत पिड़िहा, ओम नारायण श्रीवास्तव, कौशल दाहिया, राजेश उपाध्याय, गिरधर सरावगी आदि उपस्थित थे।

दो दिवसीय योग शिविर का समापन

सिहोरा। लोगों के बीच योग के महत्व को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए नवांकुर संस्था द्वारा प्रतिवर्ष नियमित योग कक्षाओं का संचालन करते हुए योग दिवस मनाया जाता है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस दिन योग का हिस्सा बन सकें। योगा फार वन अर्थ,वन हेल्थ योग दिवस की थीम की बात करें तो हम पाते हैं कि जिस तरह पृथ्वी एक है, ठीक उसी तरह हमारा स्वास्थ्य भी एक ही है। इसी महत्व के मद्देनजर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की संस्था स्व सेवा संयोजन समिति द्वारा सिहोरा के सब जेल में दिलीप नायक जेलर के नेतृत्व में 11 वां अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर के दो दिवसीय योग एवं ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। समन्वयक आशीष जैन,योग शिक्षक सुशील सिंह, निशिता नकरा, सारिका साहू द्वारा प्रकाश डाला गया। प्रियंका पटेल के द्वारा योग कराया गया। संस्था की अध्यक्ष सुषमा सिंह कर्चुली द्वारा सभी लोगों के उत्तम स्वास्थ्य की मंगल कामना की गई।

यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल में स्वस्थ जीवनशैली अपनाने छात्रों को किया प्रेरित

जबलपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर यश नर्सरी स्कूल में विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली एवं सतत खाद्य प्रणाली के प्रति जागरूक किया गया। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे प्रोजेक्ट क्लैप के अंतर्गत जिला संघ जबलपुर द्वारा ललित कुमार मिश्रा असिस्टेंट स्टेट कमिश्नर जबलपुर डिवीजन, घनश्याम सोनी जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला कमिश्नर जबलपुर, डॉ. विजयकांत तिवारी डिस्ट्रिक्ट चीफ कमिश्नर स्काउट एवं राहुल राजपूत क्लैप डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल, जबलपुर की आधारताल एवं गोहलपुर ब्रान्च में योग दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया गया तथा योग को दिनचर्या में शामिल करने के लाभों से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में स्वस्थ जीवनशैली (Healthy Lifestyle) अपनाने के लिए प्रेरित किया गया और उन्हें स्वस्थ आहार (Healthy Food) तथा सतत खाद्य प्रणाली (Sustainable Food System) के महत्व को समझाया गया। साथ ही बच्चों एवं शिक्षकों को यह बताया कि किस प्रकार योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को संतुलित आहार के बारे में जानकारी दी गई और बताया गया कि ताज़े फल, सब्जियाँ, अंकुरित अनाज जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ हमारे शरीर को स्वस्थ रखते हैं, वहीं अत्याधिक तेल, चीनी या प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं।

इस अवसर पर बच्चों ने ड्राइंग व फूड चार्ट के माध्यम से यह प्रदर्शित किया कि कौन-कौन से खाद्य पदार्थ हेल्दी होते हैं और कौन से नहीं। उनकी रचनात्मकता और समझ ने सभी को प्रभावित किया। विद्यालय की प्राचार्या ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को न सिर्फ शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाते हैं, बल्कि उन्हें जिम्मेदार और जागरूक नागरिक भी बनाते हैं। उन्होंने प्रोजेक्ट क्लैप और इसके उद्देश्यों की भी सराहना की। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और "स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है" इस भावना को सार्थक किया। इस कार्यक्रम में यूनिट लीडर किरण येवले, पूजा श्रीवास, रोवर जुनैद खान का सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में 20 स्काउट्स एंड गाइड्स एवं 55 शिक्षकों ने भाग लिया।

अथ श्री यथार्थ फाउंडेशन ने किया अग्रसेन मंडपम में भव्य सामूहिक योगाभ्यास

जबलपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अथ श्री यथार्थ फाउंडेशन द्वारा अग्रसेन मंडपम में भव्य सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अग्रसेन मंडपम के संस्थापक कैलाश अग्रवाल 'बब्बा जी' की विशेष उपस्थिति के साथ राजेश अग्रवाल अध्यक्ष एवं अग्रवाल सभा के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। योग सत्र का सफल संचालन योगाचार्य रमाकांत पलहा एवं योगाचार्य अनुज तिवारी के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में युवाओं एवं नागरिकों ने भाग लिया और योग के महत्व को आत्मसात किया। अथ श्री यथार्थ फाउंडेशन द्वारा प्रतिदिन प्रातः 6:00 से 7:30 बजे तक विशाल शिव पार्क, विजयनगर एवं अनमोल वाटिका, सेंट्रल गार्डन में निःशुल्क योगाभ्यास कराया जाता है, जो शारीरिक, मानसिक व आत्मिक स्वास्थ्य के लिए समर्पित एक सामाजिक पहल है।

मानसिक और शारीरिक कष्टों से मुक्ति के लिए बच्चों ने किया योग

जबलपुर। सूर्य नमस्कार की 12 मुद्राओं के साथ ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल रेंगवा करमेता में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया, इस अवसर पर योग से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर ब्रह्मानंद प्रकाश (फेफड़े रोग विशेषज्ञ) ने अपने उद्बोधन में कहा कि योग करने से मनुष्य जीवन के मानसिक और शारीरिक कष्टों से मुक्ति के साथ-साथ आत्म साक्षात्कार और आध्यात्मिकता के परम सुख को प्राप्त करता है, मन शांत, चिंतारहित, एकाग्रचित रहता है। विशिष्ट अतिथि शाला संचालक संजय जैन ने योग दिवस पर लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि योग को हमें अपने जीवन का एक अहम हिस्सा बनाना चाहिए, योग से ही मनुष्य दीर्घायु बनता है, योग गुरु रामकिशोर सोनी ने अनुलोम, विलोम और भ्रामरी का महत्व बताते हुए कहा कि योग एक प्राचीन कला है जो मन और शरीर को जोड़ती है। कार्यक्रम के मार्गदर्शक शाला संचालक संजय जैन, मनोज ताम्रकार, वन्दना ताम्रकार, सुलभ जैन थे। आयोजन में शाला प्राचार्य वीरेंद्र पटेल, प्राचार्य मीनल सक्सेना एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं व विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दुर्गा हनुमान मंदिर में लगाया गया दो दिवसीय योग शिविर

जबलपुर। दुर्गा हनुमान मंदिर समिति सरस्वती कॉलोनी के तत्वावधान में पतंजलि योग समिति द्वारा आयोजित दो दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला प्रभारी राजुल बड़कुल दीदी के मार्गदर्शन एवं नगर पंडित सभा अध्यक्ष पं. वासुदेव शास्त्री की उपस्थिति में बड़े ही भव्य तरीके संपन्न हुआ। जहां मुख्य अतिथि सुभावती मौर्य राज्य कार्यकारिणी सदस्य, योगाचार्य संगीता ब्यौहार, रेखा खरे, श्वेता गुप्ता, सुषमा अग्रवाल, मीनू साहू योग प्रशिक्षक द्वारा योग प्रेमियों ने योग और हर तरह के शारीरिक रोगों के निदान के बारे में सीखा। साथ ही नाद योग के द्वारा तन-मन को नियंत्रित करने का भी ज्ञान सीखा। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति अध्यक्ष देवेंद्र नेमा, राजेश शर्मा सहित समस्त कार्यकारणी का विशेष योगदान रहा। समिति द्वारा सदैव ऐसे कार्यक्रम के लिए सभी ने दिल से सराहना की। इस अवसर पर पार्षद प्रतिभा भापकर, प्रभा शर्मा, कीर्ति चौहान, प्रीति गुप्ता, अनिता गुप्ता, अनिता शर्मा, नीलम मालिक, सरला शर्मा, आकांक्षा बादल, विद्या केशरी, ऊषा अग्रवाल, माया कोतू, शिप्रा अग्रवाल, मीना आनंद, शारदा बंसल, मनीषा अग्रहरि, विकास चौहान, राजेंद्र ब्यौहार, अंकित बहरे सहित मातृ शक्ति, साधक उपस्थित रहे। कीर्ति चौहान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मेडिकल कॉलेज के हड्डी रोग विभाग के डॉक्टरों ने किया योग

जबलपुर। नेता जी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के हड्डी रोग विभाग में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। योग दिवस पर हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने मोदी जी द्वारा बताए गए प्रोटोकॉल को फॉलो करते हुए योगाभ्यास किया और योग के महत्व को जाना-समझा। कार्यक्रम के ऑर्गनाइजर विवेक चतुर्वेदी आईपीसीए फार्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मधुलिका एम. त्रिपाठी प्राचार्या आर्मी आशा स्कूल, विलियम डायस प्राचार्य स्मॉल वंडर्स सीनियर सेकेंड्री स्कूल बल्देवबाग, करण बल्हारा और एचओडी डॉ. एलएस मरावी थे। योगाचार्य रामकिशोर सोनी, सहायिका बुशरा खान, योग इंस्ट्रक्टर मंजरी साहू, अंबिका सोनी मौजूद रहीं, डॉ. अशोक विद्यार्थी, डॉ. आशीष सिरसिकर, डॉ. अनुराग साहनी, डॉ. के.के. पांडेय, डॉ. दिगम्बर पीपरा, डॉ. शामिख रज़ा, डॉ. तन्मय सिरकार आदि डॉक्टर ने योगाभ्यास किया।

रितिक टाडा ने जीवित रखी जबलपुर रॉयल लायंस की उम्मीदें

जबलपुर। मध्य प्रदेश लीग टी 20 में जबलपुर रॉयल लायंस के लिए आखिरी लीग मुकाबला जीतना बेहद जरूरी था ताकि वे सेमीफाइनल में पहुंच सकें। टीम ने पूरा जोर भी लगाया, लेकिन अच्छी लय में आने के बावजूद बहुत कम अंतर से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में बुंदेलखंड बुल्स के कप्तान सौम्य पांडे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने का फैसला किया। शुरुआती बल्लेबाज़ अभिषेक पाठक ने धमाकेदार बल्लेबाज़ी करते हुए पहले 10 ओवरों में 15 छक्के जड़ दिए और सिर्फ 33 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। हालांकि, जबलपुर के कप्तान सारांश जैन ने अनुभव दिखाते हुए उन्हें 13वें ओवर में आउट कर पवेलियन भेजा। पहले विकेट के बाद जबलपुर के गेंदबाज़ों ने अच्छी लाइन लेंथ में गेंदबाज़ी की, लेकिन इसके बावजूद बुंदेलखंड की टीम ने 20 ओवरों में 246 रन बना दिए। अभिषेक पाठक ने 48 गेंदों में 133 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं दूसरी ओर, जबलपुर के गेंदबाज़ भी पूरी कोशिश कर रहे थे। टीम के तेज़ गेंदबाज़ पंकज पटेल ने आखिरी ओवर में हैट्रिक ली और कुल 4 विकेट झटके। जबलपुर टीम के लिए यह लक्ष्य हासिल करना मुश्किल लग रहा था, लेकिन उन्होंने आखिरी तक हार नहीं मानी और दमदार कोशिश के साथ मैच की अंत तक ले गए। रन चेज के दौरान हर बल्लेबाज़ ने कुछ न कुछ अहम योगदान दिया। इस मुकाबले में रितिक टाडा ने कमान संभाली और शानदार बल्लेबाज़ी की। उन्होंने सिर्फ 30 गेंदों में 75 रन बनाए, जिसमें 7 गगनचुंबी छक्के और 5 चौके शामिल थे। खास बात यह रही कि वह इससे पहले की दो पारियों में भी नाबाद रहे थे। सिद्धार्थ पाटीदार और अभिषेक भंडारी ने भी अपनी पिछली पारियों की फॉर्म को बरकरार रखते हुए टीम के लिए अहम रन बनाए। वहीं आखिरी बल्लेबाज़ रितेश शाक्य ने भी कुछ अच्छे शॉट्स खेले और टीम को मुकाबले में बनाए रखा। लेकिन आखिर में जबलपुर की टीम 247 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ 19 रनों से पीछे रह गई। हालांकि इस हार के बाद भी जबलपुर रॉयल लायंस के पास अभी भी नॉकआउट राउंड में पहुंचने का एक मौका बाकी है, क्योंकि अंक तालिका में उनकी स्थिति अभी भी ठीक है।

उपरैनगंज में हजरत चांदशाह वली रह. का तीन दिवसीय उर्स शुरू

जबलपुर। उपरैनगंज स्थित हजरत चांदशाह वली रहमतुल्ला अलैह का तीन दिवसीय सालाना उर्स शरीफ 22 जून से शुरू हो गया। मग़रिब की नमाज़ के बाद कुरान ख्वानी के साथ उर्स का आगाज़ हुआ। इस अवसर पर मज़ार शरीफ पर गुलपोशी की गई और नज़रो न्याज़ के बाद लंगर तकसीम किया गया। उर्स कमेटी के अध्यक्ष अब्दुल वाजिद खान, सचिव मो. ताहिर खान, मो. रिजवान खान और आशीष उसरेटे, आसिफ अख्तर, अजीज मामू, मुशाहिद खान, अजहर अली, एजाज सौदागर ने सभी अकीदतमंदों से उर्स में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है।

सीएम राइज स्कूल में हुआ योगासन

पाटन। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हाई स्कूल पाटन में एसडीएम अध्यक्ष पार्षद प्राचार्य की उपस्थिति में शासन के निर्देश अनुसार योग अभ्यास कराया गया। योग शिक्षा वीरेंद्र सिंह पटवा ने योग के माध्यम से योगासन कराए जिसमें प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के संदेश को उपस्थित छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकों जनप्रतिनिधियों ने उद्बोधन को सुना। योग कार्यक्रम में एनसीसी के छात्रों ने भी अपनी सहभागिता रखी।

भेड़ाघाट को मिली व्यायाम शाला की सौगात

भेड़ाघाट। बरगी विधानसभा के लोकप्रिय विधायक नीरज सिंह द्वारा पार्षद सजल तिवारी की मांग पर व्यायाम शाला के लिए तीन लाख की स्वीकृति प्रदान की। साथ ही आगे भी यह राशि बढाई जाएगी ऐसा आश्ववासन दिया। क्षेत्रीय जनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए विधायक जी को बधाई दी।

भेड़ाघाट चौराहे पर दिशा सूचक पर लगे विज्ञापन, लोक निर्माण विभाग बेसुध

भेड़ाघाट। राष्ट्रीय राजमार्ग 12 पर दिशा सूचक किस दिशा में मार्ग है और कितने किलोमीटर है इसको देखते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा दिशा सूचक लगाए गए हैं लेकिन दिशा सूचक किसी का जन्मदिन हो कोई नेता आ रहा हो धार्मिक कार्यक्रम हो या इसके विज्ञापन आपको दिशा सूचक पर लगे मिल जाएंगे। यहां से राजधानी भोपाल आने-जाने वाले अधिकारियों लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का आना-जाना लगा रहता है लेकिन दिशा सूचक पर लगे विज्ञापनों पर किसी प्रशासनिक अधिकारी की हिम्मत नहीं पड़ती की अलग कराया जा सके दिशा सूचक पर लगे विज्ञापनों से राहगीरों को भारी परेशानी होती हैं। दिशा सूचक पर लगे विज्ञापन से घटनाएं तक होती हैं। आवागमन करने वाले व्यक्तियों की नजर दिशा सूचक पर पड़ती है तो विज्ञापन में लगी फोटियो से ध्यान मार्ग से हट जाता है और कई घटनाएं घटित हो रही हैं इसके बावजूद भी लोक निर्माण विभाग और एन एच 12 के अधिकारियों को नहीं दिख रहा हैं दिशा सूचक लगाने में केंद्र और राज्य सरकार का करोड़ों रुपया खर्च होता है की कोई भी व्यक्ति दिशा सूचक लगा होने से उसको आवागमन में परेशानियां नहीं होती हैं और कितने किलोमीटर में कौन सा स्थान है दिशा सूचक से आगे बढ़ता जाता है। लेकिन दिशा सूचक पर विज्ञापनों की भरमार से दुर्घटनाएं तो घट रही हैं साथ ही आवागवन करने वाले राहगीरों को परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। जहां जाना है उससे आगे निकल जाते हैं या फिर जगह-जगह दुकान दारों से पूछते रहते हैं कि फलाना स्थान कहां पर है आखिरकार विज्ञापन लगाने वालों पर लोक निर्माण विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग 12 के अधिकारी क्यों मेहरबान हैं।

श्रीमती रामकुमारी शिवहरे- कृषि उपज मंडी के पास निवासी श्री रामाधार शिवहरे की धर्मपत्नी श्रीमती रामकुमारी शिवहरे (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रमणिक हीरजी शाह- एकता परिसर मदनमहल निवासी श्री रमणिक हीरजी शाह (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री उमा शंकर तिवारी- छोटी ओमती निवासी श्री उमा शंकर तिवारी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शंकर लाल यादव- लालमाटी चांदमारी टेस्टिंग रोड निवासी श्री शंकर लाल यादव (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रवि चंद कोरी- रानी दुर्गावती नगर फेस 1 तिलहरी निवासी श्री रवि चंद कोरी (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पार्वती पटेल- साहू मोहल्ला सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री सोनू पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती पटेल (31) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री शनि बर्मन- इंद्रा नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री गौरी शंकर बर्मन के पुत्र श्री शनि बर्मन (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सोना बाई राजपूत- घमापुर सरकारी कुआं पुत्री शाला के पास निवासी श्री गरीबदास राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती सोना बाई राजपूत (96) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री दिलीप कुमार भोर- नर्मदा नगर नर्मदा रोड निवासी श्री सुखराम भोर के पुत्र श्री दिलीप कुमार भोर (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लल्लू राम कोल- ग्राम रिठौरी वर्धाघाट खमरिया निवासी श्री लल्लू राम कोल (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती मुन्नी बाई राजपूत- सेठी नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री हरि सिंह राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई राजपूत (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. लक्ष्मी चौधरी- गली नं. 5 अम्बेडकर नगर पोलीपाथर निवासी श्री रवि चौधरी की पुत्री कु. लक्ष्मी चौधरी (22) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती श्यामा बाई- केंट गोराबाजार स्थित भूरी बाई का बगीचा निवासी श्री रामचंद्र की धर्मपत्नी श्रीमती श्यामा बाई (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति कालम से.मी.
फिक्स साइज:- ... से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- ... से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज ... से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303308291, 9407362160

खबर संक्षेप

एनटीपीसी ने की नोख सौर परियोजना से आपूर्ति शुरू

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने रविवार को कहा कि राजस्थान की नोख सौर परियोजना के 52 मेगावाट के दूसरे और अंतिम हिस्से से वाणिज्यिक बिजली आपूर्ति शुरू हो गई है। इसके साथ ही परियोजना का प्लॉट-3 अपनी पूरा 245 मेगावाट बिजली क्षमता के साथ काम करने लगा है।

ईपीएफओ ने अप्रैल में नए 19.14 लाख सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। श्रम मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी पेरोल आंकड़ों के अनुसार, सेवानिवृत्ति निधि निकाय ईपीएफओ ने अप्रैल, 2025 में शुद्ध आधार पर 19.14 लाख सदस्य जोड़े। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह आंकड़ा मार्च, 2025 की तुलना में 31.31 प्रतिशत और अप्रैल, 2024 की तुलना में 1.17 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

पूंजीकरण में सबसे अधिक लाभ में रहा एयरटेल

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 1,62,288.06 करोड़ रुपये बढ़ गया। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,289.57 अंक या 1.58 प्रतिशत चढ़ गया।

बिनौला तेल में सुधार मूंगफली में गिरावट

नई दिल्ली। शिकॉगो और मलेशिया एक्सचेंज में तेजी के बीच घरेलू तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह पाम-पामोलीन और सोयाबीन तेल के साथ-साथ सरसों तेल-तिलहन के दाम में सुधार का रुख रहा। वहीं गर्मी की नयी फसल की मंडियों में आवक शुरू होने के बीच मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट देखी गई।

एक्सिसकेड्स ने एमबीडीए के साथ किया एक करार

नई दिल्ली। घरेलू कंपनी एक्सिसकेड्स ने कर्नाटक में रक्षा सुविधा स्थापित करने के लिए यूरोपीय मिसाइल प्रणाली कंपनी एमबीडीए के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने की शुक्रवार को घोषणा की। इस समझौते पर फ्रांस में जारी 'पेरिस एयर शो 2025' के दौरान हस्ताक्षर किए गए।

एसआईएस एक माह में कर लेगा अधिग्रहण पूर्ण

नई दिल्ली। सुरक्षा, सुविधा प्रबंधन और नकद लॉजिस्टिक में विशेषज्ञता वाली कंपनी एसआईएस लिमिटेड एक कंपनी के अधिग्रहण के बेहद करीब है। सीईओ धीरज सिंह ने यह जानकारी देते हुए कहा कि कंपनी डिजिटल और प्रौद्योगिकी क्षमताओं को बढ़ाने, आंतरिक परिचालन से वृद्धि को बढ़ावा देने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने पर जोर दे रही है। सिंह ने बताया कि एसआईएस सुरक्षा क्षेत्र की एक कंपनी का अधिग्रहण करने के करीब है, जो इसके मौजूदा 'सिस्को' मंच को मजबूत करेगा।

भारत में बिक्री बढ़ाने संघर्ष कर रहे रेनो, फॉक्सवैगन और स्कोडा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

यूरोप के प्रमुख वाहन ब्रांड रेनो, फॉक्सवैगन और स्कोडा भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उद्योग के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले तीन वित्त वर्षों में भारतीय बाजार में इन ब्रांड की बिक्री में गिरावट आई है।

- भारतीय बाजार में रेनो की बिक्री में सबसे अधिक गिरावट आई

वैश्विक वाहन उद्योग को आंकड़े और विश्लेषण उपलब्ध कराने वाली कंपनी जेएटीओ डायनेमिक्स के अनुसार, भारतीय बाजार में रेनो की बिक्री में सबसे अधिक गिरावट आई है। भारतीय बाजार में कंपनी की बिक्री 2024-25 में घटकर 37,900 इकाई रह गई। यह आंकड़ा 2023-24 में 45,439 इकाई और 2022-23 में 78,926 इकाई था।

यूरोप के प्रमुख वाहन ब्रांड की पिछले तीन वित्त वर्षों में भारत में बिक्री घटी

स्कोडा ने 44,866 इकाई बेची

इसी तरह स्कोडा की भारतीय बाजार में बिक्री 2024-25 में 44,866 इकाई रही। यह 2023-24 के 44,522 इकाई से मामूली अधिक है। हालांकि, 2022-23 के आंकड़े 52,269 इकाई से काफी कम है। दूसरी ओर, फॉक्सवैगन ब्रांड ने 2024-25 में 42,230 गाड़ियां बेचीं। 2023-2024 में कंपनी की बिक्री 43,197 इकाई और 2022-2023 में 41,263 इकाई रही थी।

लंबाई के आधार पर लगता है जीएसटी : चार मीटर से अधिक लंबाई और 1500 सीसी इंजन क्षमता वाले यात्री वाहन पर 28 प्रतिशत जीएसटी और 17 प्रतिशत मुआवजा उपकर लगता है। दूसरी ओर, चार मीटर से अधिक लंबाई व 1,500 सीसी से अधिक इंजन वाले एसयूवी पर 22 प्रतिशत मुआवजा उपकर के साथ 28 प्रतिशत जीएसटी लगता है।

लंबे अरसे तक मॉडलों में कोई बदलाव नहीं

भाटिया ने कहा, ''इसके साथ ही ये ब्रांड अपनी उत्पाद लाइन में बदलाव करने में धीमे रहे। कई मॉडल में एक लंबे अरसे तक कोई बदलाव नहीं हुआ। इनकी नेटवर्क पहुंच भी सीमित रही है, खासकर दूसरी और तीसरी श्रेणी के बाजारों में। इससे ये ब्रांड एक बड़े उपभोक्ता वर्ग तक नहीं पहुंच पाए।

एसयूवी खंड तक इनकी पहुंच सीमित

जेएटीओ डायनेमिक्स इंडिया के अध्यक्ष रवि जी भाटिया ने कहा, ''रेनो, स्कोडा और फॉक्सवैगन को भारत में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारत में इन ब्रांड के संघर्ष की वजह बताते हुए उन्होंने कहा, ''शुरुआत में, इन ब्रांड ने सेडान - वेंटो, रैपिड और स्काला पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित किया। इसकी वजह से तेजी से बढ़ते स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) खंड तक उनकी पहुंच सीमित रही।

विशिष्ट कर ढांचे से परेशानी बढ़ी : भाटिया ने बताया कि इसके अलावा भारत के विशिष्ट कर ढांचे ने भी इन ब्रांड की परेशानी को बढ़ाया है। भारत में चार मीटर से कम के वाहन को काफी कम शुल्क का लाभ मिलता है।

बढ़ते युद्ध तनाव पर विशेषज्ञों ने कहा, भारत पर पड़ेगा असर

ईरान-इजराइल युद्ध बढ़ने से पश्चिम एशिया के साथ भारत का व्यापार होगा प्रभावित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ईरान और इजरायल के बीच युद्ध के और बढ़ने से इराक, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया और यमन सहित पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के व्यापार पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि युद्ध ने पहले ही ईरान और इजरायल को भारत के निर्यात को प्रभावित करना शुरू कर दिया है।

अमेरिका ने रविवार को तड़के ईरान के तीन स्थलों पर हमला किया, जिससे वह इजरायल के युद्ध में शामिल हो गया। उसका उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करना है, ताकि एक पुराने दुश्मन को कमजोर किया जा सके, जिससे व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष की आशंका पैदा हो गई है, क्योंकि ईरान ने अमेरिका पर 'खतरनाक युद्ध' शुरू करने का आरोप लगाया है।

व्यापारियों ने कहा, हम मुसीबत में फंस गए

मुंबई स्थित निर्यातक और टेक्नोक्राफ्ट इंडस्ट्रीज इंडिया के संस्थापक चेयरमैन शरद कुमार सराफ ने कहा, ''इस युद्ध के कारण अब हम बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। इसका पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के व्यापार पर व्यापक असर पड़ेगा।

कच्चे तेल की कीमतें बढ़ेंगी

भारत से माल ढुलाई लाइन अफ्रीकी महाद्वीप को घेरने वाले 'केप ऑफ गुड होप' से खेप ले रही हैं।अब, ईरान-इजराइल युद्ध के कारण, एक और प्रमुख व्यापारिक मार्ग - होर्मुज जलडमरूमध्य प्रभावित हो रहा है। सराफ ने कहा, ''यह मार्ग तेल टैंकर की आवाजाही को प्रभावित करेगा। मुझे लगता है कि तेल टैंकर नए मार्ग खोज लेंगे, लेकिन इससे कच्चे तेल की कीमतें बढ़ेंगी।

भारत हूतियों के हमले के प्रभाव से जूझ रहा : सराफ ने कहा कि उनकी कंपनी भी इन दोनों देशों को भेजी जाने वाली खेप रोक रही है। टेक्नोक्राफ्ट इंडस्ट्रीज ड्रम क्लोजर, नायलॉन और प्लास्टिक प्लग, कैपसील क्लोजर और क्लैंप बनाती है। भारतीय व्यापारी समुदाय पहले से ही इजरायल-हमास संघर्ष और लाल सागर में माल ढुलाई जहाजों पर यमन समर्थित हूतियों के हमले के प्रभाव से जूझ रहा है।

- भारत के साथ इराक, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया और यमन होगें प्रभावित
- दोनों के युद्ध ने पहले ही भारत के निर्यात को किया प्रभावित

भारत के व्यापार को खतरा पैदा हो सकता है

इसका महंगाई पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें अन्य उत्पादों के दाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि व्यापक क्षेत्रीय तनाव से इराक, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया और यमन सहित व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र के साथ भारत के बड़े व्यापार को खतरा हो सकता है, जहां भारतीय निर्यात कुल 8.6 अरब डॉलर और आयात 33.1 अरब डॉलर है।

ईरान को भारत का निर्यात 1.24 अरब डॉलर रहा

पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में ईरान को भारत का निर्यात 1.24 अरब डॉलर रहा, जिसमें बासमती चावल (75.32 करोड़ डॉलर), केला (5.32 करोड़ डॉलर), सोया मील (7.06 करोड़ डॉलर), बंगाल चना (2.79 करोड़ डॉलर) और चाय (2.55 करोड़ डॉलर) शामिल हैं। पिछले वित्त वर्ष में आयात 441.8 अरब डॉलर रहा था। वित्त वर्ष 2024-25 में इजरायल के साथ भारत का निर्यात 2.1 अरब डॉलर और आयात 1.6 अरब डॉलर रहा।

माल ढुलाई और बीमा लागत में होगी वृद्धि

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ''इस गलियारे में माल ढुलाई लेन, बंदरगाह तक पहुंच या वित्तीय प्रणालियों में कोई भी व्यवधान भारत के व्यापार प्रवाह को बुरी तरह प्रभावित करेगा, माल ढुलाई और बीमा लागत में वृद्धि करेगा, और भारतीय व्यवसायों के लिए नए आपूर्ति श्रृंखला जोखिम पैदा करेगा।''

भारत ने जून में रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ाया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- इजराइल के हमले के बाद बाजार में उतार-चढ़ाव
- यूएई और इराक से आयातित मात्रा से अधिक रही

इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के बाद बाजार में आए उतार-चढ़ाव के बीच भारत ने जून में रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। भारत की जून में रूस से तेल खरीद पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ताओं...सऊदी अरब और इराक से आयातित मात्रा से अधिक रही है।

अमेरिकी सेना ने रविवार सुबह ईरान में तीन स्थलों पर हमला किया। वह इस युद्ध में सीधे इजरायल के साथ शामिल हो गया है। इजरायल ने 13 जून को सबसे पहले ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। वैश्विक व्यापार विश्लेषक कंपनी केपलर के शुरुआती आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां जून में रूस से प्रतिदिन 20 से 22 लाख बैरल कच्चा तेल खरीद रही हैं। यह दो साल का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इसके साथ ही यह इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कुवैत से खरीदी गई कुल मात्रा से अधिक है। मई में रूस से भारत का तेल आयात 19.6 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) था। जून में अमेरिका से भी आयात बढ़कर 4,39,000 बीपीडी हो गया। पिछले महीने यह आंकड़ा 2,80,000 बीपीडी था। केपलर के अनुसार, पश्चिम एशिया से आयात के लिए पूरे महीने का अनुमान लगभग 20 लाख बैरल प्रतिदिन है, जो पिछले महीने की खरीद से कम है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश भारत विदेशों से लगभग 51 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदता है, जिसे रिफाइनरी में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदला जाता है। भारत पारंपरिक रूप से पश्चिम एशिया से कच्चा तेल खरीदता रहा है।

कभी रूस से तेल आयात एक फीसदी से कम था

इसके कारण भारत के रूसी तेल आयात में नाटकीय वृद्धि देखी गई। कभी भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात एक प्रतिशत से भी कम था। लेकिन यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यह थोड़े से समय में ही बढ़कर 40-44 प्रतिशत तक पहुंच गया था।

इजरायल-ईरान संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतें तय करेगी शेयर बाजार की दिशा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार पर असर डालेगी

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह इजरायल-ईरान संघर्ष और इसके वैश्विक आपूर्ति पर पड़ने वाले प्रभाव से तय होगी। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों पर भी सभी की निगाह रहेगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से भी बाजार की धारणा प्रभावित होगी। एक विशेषज्ञ ने कहा कि बीते सप्ताह पश्चिम एशिया के संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल को नजरअंदाज करते हुए स्थानीय शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा, ''इस सप्ताह वैश्विक संकेतक बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। इसमें ईरान और इजरायल के बीच भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिकी आर्थिक आंकड़े और फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की टिप्पणियों पर सभी की निगाह रहेगी। मिश्रा ने कहा कि घरेलू स्तर पर निवेशक मानसून की प्रगति, मासिक अनुबंधों के निपटान से संबंधित अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों पर नजर रखेंगे। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 1,046.30 अंक या 1.29 प्रतिशत बढ़कर 82,408.17 अंक पर बंद हुआ।

वैश्विक संकेतकों की भूमिका होगी महत्वपूर्ण

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के प्रमुख-शोध, संपदा प्रबंधन सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''आगे की ओर देखें तो वैश्विक संकेतकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। निवेशक अमेरिका के विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़ों के अलावा भू-राजनीतिक मोर्चे पर आगे के घटनाक्रमों पर नजर रखेंगे।

डिजिटल धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए पहल हुई तेज...

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की देखरेख में डिजिटल भुगतान आसूचना मंच (डीपीआईपी) विकसित करने की पहल में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंकों को शामिल किया गया है। डीपीआईपी का मकसद डिजिटल भुगतान में धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं पर लगाम लगाना है। इसकी स्थापना डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के रूप में की जा रही है। सूत्रों ने कहा कि प्रस्तावित मंच का मकसद तत्काल खुफिया जानकारी साझा करने और एकत्र करने की सुविधा देकर धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन को मजबूत करना है।उन्होंने कहा कि प्रस्तावित इकाई का संस्थागत ढांचा सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के बैंकों की मदद से बनाया जाएगा, क्योंकि धोखाधड़ी एक आम समस्या है। इस महीने की शुरुआत में, इस संबंध में एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई गई थी ताकि मंच की संरचना को अंतिम रूप दिया जा सके।

पिछले 11 साल में कॉफी का निर्यात 125 % बढ़ा

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

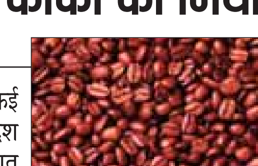

- केंद्र सरकार की और से जारी किए गए आंकड़े
- निर्यात बढ़कर 1.8 अरब डॉलर पहुंचा

भारतीय कॉफी बोर्ड द्वारा उठाए गए कई कदमों के कारण पिछले 11 वर्षों में देश का कॉफी निर्यात लगभग 125 प्रतिशत बढ़कर 1.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। केंद्र सरकार की ओर से जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2014-15 में निर्यात 80 करोड़ डॉलर से अधिक था। यह 2023-24 में 1.28 अरब डॉलर और 2022-23 में 1.14 अरब डॉलर था। देश के कॉफ़ी निर्यात के लिए यूरोप शीर्ष गंतव्य बना हुआ है।भारत से कॉफ़ी आयात करने वाले प्रमुख देशों में इटली, जर्मनी, बेल्जियम, पश्चिम एशिया के देश, दक्षिण कोरिया और जापान शामिल हैं।

बोर्ड उत्पादकों को सहायता प्रदान करता है

मूल्य संवर्धन के लिए कारोबारी समुदाय को सहायता देने के लिए बोर्ड व्यक्तियों, स्वयं सहायता समूहों और उत्पादकों को सहायता प्रदान करता है। यह पिसाई और पैकेजिंग आदि मशीनरी की स्थापना के लिए मशीनरी की लागत का 40 प्रतिशत प्रदान करता है, जिसकी अधिकतम सीमा 15 लाख रुपये है।

कमजोर मांग से घरों की बिक्री में 19% की आएगी गिरावट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के नौ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री कम पेशकश और कमजोर मांग के कारण अप्रैल-जून में 19 प्रतिशत घटकर 94,864 इकाई रहने का अनुमान है। रियल एस्टेट आंकड़ा विश्लेषक कंपनी प्रॉपइक्विटी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

- अप्रैल-जून में घरों की बिक्री 94,864 इकाई रहने का अनुमान

प्रॉपइक्विटी ने रविवार को जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि चालू कैलेंडर वर्ष की दूसरी तिमाही में घरों की बिक्री 19 प्रतिशत घटकर 94,864 इकाई रहने का अनुमान है, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,16,432 इकाई थी। मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) समीर जसूजा ने कहा, ''यह 2021 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के बाद पहली बार है जब घरों की बिक्री एक लाख इकाई के स्तर से नीचे आई है। आपूर्ति भी लगातार चौथी तिमाही में एक लाख इकाई से कम रही है।'' समीक्षाधीन अवधि के दौरान नई आपूर्ति 1,17,208 इकाई से 30 प्रतिशत घटकर 82,027 इकाई रहने का अनुमान है।

ठाणे में घरों की बिक्री 34 फीसदी घटी

ठाणे में घरों की बिक्री 22,512 इकाइयों से 34 प्रतिशत घटकर 14,832 इकाई रहने का अनुमान है। पुणे में बिक्री 23,429 इकाइयों से 27 प्रतिशत घटकर 17,196 इकाई रह सकती है। कोलकाता में घरों की बिक्री 4,826 इकाइयों से आठ प्रतिशत घटकर 4,449 इकाई रहने की संभावना है

शराब उद्योग को चालू साल बेहतर रहने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- उद्योग को बीते वित्त वर्ष में झटके लगे थे
- बीते वित्त वर्ष में शराब की शहरी खपत में सुस्ती आई थी

देश का शराब उद्योग बीते वित्त वर्ष के झटके के बाद 2025-26 का साल बेहतर रहने की उम्मीद कर रहा है। सुला वाइनयार्ड्स लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू वृहद माहौल अब सामान्य हो गया है जिससे चालू वित्त वर्ष बेहतर रहने की उम्मीद है। बीते वित्त वर्ष में शराब की शहरी खपत में सुस्ती आई थी। रिपोर्ट के अनुसार, शहरी खपत में सुस्ती का प्रभाव अन्य श्रेणियों की तुलना में शराब खंड पर अधिक 'स्पष्ट' था, क्योंकि मुख्य रूप से इसका उपभोग शहरों में अधिक होता है।

सुला वाइनयार्ड्स के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजीव सामंत ने रिपोर्ट में कहा कि शराब की मांग कई अस्थायी नियामकीय और अन्य बाजार व्यवधानों से भी प्रभावित हुई। इसमें आम चुनाव और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख बाजार का विधानसभा चुनाव शामिल है। उन्होंने कहा, ''तीन साल की मजबूत वृद्धि के बाद 2024-25 भारतीय शराब उद्योग के लिए, मांग को फिर से स्थापित करने का वर्ष था।''

सामंत ने कहा, ''लेकिन अच्छी खबर यह है कि ये झटके अब पीछे छूट चुके हैं। चालू वित्त वर्ष में हम अधिक सामान्य वृहद माहौल की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि, शराब उद्योग के लिए, चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों के बावजूद सुला ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपना सबसे ऊंचा 619.4 करोड़ रुपये का परिचालन राजस्व दर्ज किया है।

हम देश के सबसे बड़े ब्रांड

सामंत ने शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा, ''हमने अपनी अग्रणी स्थिति को मजबूती से कायम रखा है। हम देश के सबसे बड़े शराब ब्रांड हैं।''

ऑडियों इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र से अधिक नौकरियां प्रभावित होंगी

चीन के मृदा प्रतिबंधों से खतरे में 21 हजार नौकरियां

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उद्योग मंडल एल्सीना ने सरकार के साथ एक अनुमान साझा किया है कि चीन द्वारा दुर्लभ मृदा धातुओं के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण देश के ऑडियो इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में 21,000 से अधिक नौकरियां खतरे में हैं।

- टेरबियम और डिस्प्रोसियम जैसे दुर्लभ मृदा पर सख्त निर्यात लाइसेंसिंग

अप्रैल में, चीन ने टेरबियम और डिस्प्रोसियम जैसे दुर्लभ मृदा तत्वों पर सख्त निर्यात लाइसेंसिंग लागू की, जो उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में उपयोग किए जाने वाले उच्च-प्रदर्शन वाले एनडीएफईबी (नियोडिमियम-आयरन-बोरॉन) चुम्बक के लिए महत्वपूर्ण कच्चा माल हैं।

चीन निर्मित चुम्बकों की कीमतें बढ़ गई : उद्योग निकाय ने कहा कि आपूर्ति में कमी और प्रशासनिक अनियमितताओं के कारण चीन निर्मित चुम्बकों की कीमतें बढ़ गई हैं, तथा जापान, यूरोपीय संघ और अमेरिका जैसे अन्य स्रोत दो-तीन गुना महंगे हैं और भारत की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उनके पास पर्याप्त क्षमता भी नहीं है।

दुर्लभ मृदा चुम्बक टीवी निर्माण में महत्वपूर्ण : टेलीविजन बनाने वाली इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा फर्म वीडियोटेक्स ने कहा कि दुर्लभ मृदा आधारित चुम्बक टेलीविजन विनिर्माण में महत्वपूर्ण हैं, विशेष रूप से स्पीकरों के लिए, क्योंकि उनका प्रदर्शन बेहतर होता है और आकार छोटा होता है।

श्रव्य और पहनने योग्य उपकरणों में भारी नुकसान

देश के सबसे पुराने इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग निकाय ने कहा कि इस कदम से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, जिससे भारत के तेजी से बढ़ते श्रव्य और पहनने योग्य उपकरणों के क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचा है और उपकरण विनिर्माता चीन से पूरी तरह से तैयार स्पीकर मॉड्यूल आयात करने पर विचार कर रहे हैं।

भारत में 6000 प्रत्यक्ष नौकरियां खतरे में

एल्सीना ने रिपोर्ट में कहा, ''इससे प्रतिगामी प्रवृत्ति पैदा होती है, जो कलपुर्जा विनिर्माण से वापस तैयार माल के आयात पर निर्भरता की ओर जाती है। स्पीकर और ऑडियो के कलपुर्जा विनिर्माण में, खासकर नोएडा और दक्षिण भारत में 5,000-6,000 से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां और 15,000 अप्रत्यक्ष नौकरियां खतरे में हैं।''

भारत आवश्यकता का 100 प्रतिशत आयात करता है

एल्सीना का अनुमान है कि दुर्लभ मृदा धातु आधारित चुम्बकों का हिस्सा कुल सामग्री का लगभग पांच-सात प्रतिशत है, तथा भारत अपनी एनडीएफईबी चुम्बक आवश्यकता का लगभग 100 प्रतिशत आयात करता है, जबकि चीन का हिस्सा कुल आयात का 90 प्रतिशत है।

चिंतन

शक्तिशाली देश जिम्मेदारी समझे, युद्ध नहीं भड़काए

विश्व औपचारिक रूप से तीसरे युद्ध की तरफ बढ़ रहा है। इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग में अमेरिका की सीधी एंट्री वैश्विक युद्ध छिड़ने की आहट है। विश्व के शक्तिशाली देश होने के नाते अमेरिका की जिम्मेदारी इजरायल व ईरान के बीच बढ़ती अदावत को कम करने की थी, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीधे तौर पर युद्ध में ही कूद गए हैं। इससे युद्ध के और विनाशक होने का खतरा बढ़ गया है। ईरानी समर्थित आतंकी गुट हमास के एक हमले से शुरू इजरायल व हमास के बीच संघर्ष तेल अवीव व तेहरान के बीच जंग का रूप ले लेगा, इसकी आशंका कम थी, और इसमें अमेरिका सीधे शामिल हो जाएगा, इसकी तो संभावना ही नहीं थी। अमेरिकी राष्ट्रपति को वैश्विक शांति की दिशा में जितनी जिम्मेदारी के साथ पहल करनी चाहिए थी, उसकी काफी कमी खली है। चाहे यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध हो या इजरायल व ईरान के बीच जंग हो, अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र समेत विश्व की महाशक्तियों ने यूएन की वैश्विक शांति के ध्येय को आगे बढ़ाने में सार्थक भूमिका नहीं निभाई है। अमेरिका व यूरोप के अधिकांश देश यूक्रेन के पक्ष में रहे व हथियार और इमदाद दिए। तीन वर्ष से युद्ध जारी है, पर अमेरिका, चीन आदि कोई भी रूस व यूक्रेन के बीच की जंग को खत्म नहीं करा पाए, उलटे वे किसी न किसी के पक्ष में रहे। इजरायल व ईरान के बीच जंग में भी जहां अमेरिका इजरायल के पक्ष में है, तो चीन व रूस की हमदर्दी ईरान के प्रति है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के मकसद से इजरायल की ओर से शुरू किए गए हमलों में करीब एक सप्ताह के बाद अब अमेरिका ने रविवार तड़के तीन ईरानी परमाणु केंद्रों पर हमले किए। तेहरान की जवाबी कार्रवाई की धमकी के बीच एक दीर्घकालिक दुश्मन को कमजोर करने के लिहाज से यह एक जोखिम भरा कदम है, जिससे व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष छिड़ सकता है। अमेरिका और इजरायल के अधिकारियों ने कहा है कि 'अमेरिकन स्टील्थ बॉम्बर' और 30,000 पाउंड वजनी 'बंकर-बस्टर बम' ने जमीन के अंदर गहरे में स्थापित ईरानी परमाणु केंद्रों को नष्ट कर दिया। 'बंकर-बस्टिंग बम' को 'जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनिट्रेटर' के रूप में जाना जाता है, जिसका इस्तेमाल जमीन के भीतर लक्ष्य को भेदने और विस्फोट में किया जाता है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' ने अपनी खबर में देश के फोर्दो, इस्फहान और नतांज परमाणु केंद्रों को निशाना बनाकर किए गए हमलों की पुष्टि की। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था के प्रमुख ने कहा है कि वह इस संबंध में सोमवार को बैठक करेंगे। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी अपने विरोधाभासी बयानों के कारण हाल के दिनों में ईरान की आलोचना का शिकार रहे हैं। ईरान ने कहा है कि उसने अमेरिका के हमले के बाद अपने सबसे बड़े बैलिस्टिक मिसाइल 'खोर्रमशहर-4' से इजरायल पर हमला किया है। इस जंग में अमेरिका की सीधी एंट्री ने विश्व के प्रमुख देशों की चिंता बढ़ा दी है। शक्तिशाली देशों को अपनी शांति की जिम्मेदारी समझनी चाहिए और युद्ध को भड़काना नहीं चाहिए। भारत ने ईरान के राष्ट्रपति से बात की है और कूटनीतिक पहल अपनाने की अपील की है। युद्ध के बढ़ने से खाद्य व ऊर्जा आपूर्ति पर नकारात्मक असर पड़ेगा। विश्व पहले से ही सुस्त ग्रोथ की मार से गुजर रहा है। ईरान व इजरायल के बीच जल्द से जल्द युद्ध विराम होना चाहिए और शांति के फार्मूले पर काम होना चाहिए। इजरायल या ईरान का या दोनों का विनाश मानवता का विनाश है।

आर्थिकी
प्रोफेसर अश्वनी महाजन

ईवी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने भारत

घनी आबादी वाले शहरों में, जहां वाहनों से आने वाला धुंआ बड़ी मात्रा में हवा को प्रदूषित करता है, इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग शहरों को अधिक स्वस्थ और रहने योग्य बनाने में सहायक हो सकता है, क्योंकि इनके उपयोग से ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन लगभग न के बराबर होता है। भारत का ईवी क्षेत्र 2030 तक 250 बिलियन डॉलर का उद्योग बन सकता है, जिससे वाहन निर्माण, बैटरी उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में पांच करोड़ नौकरियां पैदा होंगी। ऐसे में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों का घरेलू उत्पादन बढ़ना हर दृष्टि से महत्वपूर्ण है। 'मेक इन इंडिया' इलेक्ट्रिक वाहन, घरेलू उत्पादन, जीडीपी और रोजगार के विस्तार में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग से वायु प्रदूषण को बड़ी हद तक कम किया जा सकता है, क्योंकि इनके उपयोग से ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन लगभग न के बराबर होता है। यह भी कहा जाता है कि जिस बिजली का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी को चार्ज करने के लिए किया जाता है, यदि वो कोयले या गैस से बनती है तो अप्रत्यक्ष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन कुछ हद तक और भी ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करते हैं। यह भी सही है कि ईवी के निर्माण के समय भी जरूर कुछ हद तक प्रदूषण फैलता है, लेकिन यदि ईवी के कुल जीवन को देखा जाए तो पेट्रोल, डीजल, गैस आदि से चलने वाले वाहनों के मुकाबले इलेक्ट्रिक वाहनों में कहीं कम ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन होता है। इसीलिए घनी आबादी वाले शहरों में, जहां वाहनों से आने वाला धुंआ बड़ी मात्रा में हवा को प्रदूषित करता है, इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग शहरों को अधिक स्वस्थ और रहने योग्य बनाने में सहायक हो सकता है। साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन के साथ यदि नवीकरणीय स्त्रोतों से भी बिजली का उत्पादन हो, स्मार्ट ग्रिड का विकास हो और स्वच्छ बैटरी उत्पादन और उनकी रीसाइकलिंग की भी व्यवस्था भली-भांति की जाए तो शहरों की हवा को ठीक करने में इलेक्ट्रिक वाहनों का बड़ा योगदान हो सकता है। इसलिए दिल्ली और अन्य महानगरों के वातावरण को बेहतर करने और उन्हें रहने योग्य बनाने में इलेक्ट्रिक वाहनों का बड़ा महत्व है। लेकिन इसके साथ ही यह भी ज़रूरी है कि इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में देश आत्मनिर्भर भी बने।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार 2030 तक 250 बिलियन डॉलर का हो सकता है। 2021 में बाजार का मूल्य 1.45 बिलियन डॉलर और 2022 में 3.21 बिलियन डॉलर था। भारत में इलेक्ट्रिक वाहन बाजार तेजी से बढ़ रहा है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पिछले साल ईवी की बिक्री दस लाख का आंकड़ा पार कर गई और 2030 तक यह संख्या 170 लाख यूनिट तक पहुंचने की उम्मीद है। बाजार में तेजी के रुझान के साथ, देश के अधिकांश कार निर्माताओं ने अपने कुछ सबसे ज्यादा बिकने वाले वर्तमान मॉडल को इलेक्ट्रिक वर्जन में बनाना भी शुरू कर दिया है। काफी समय से इस बात पर विवाद चल रहा था कि अमेरिकी कंपनी टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कारों का निर्माण करेगी या नहीं। टेस्ला उनकी कारों पर भारत में आयात शुल्क में कमी के लिए पैरवी कर रही थी। उनका तर्क था कि वे अपनी इलेक्ट्रिक कारों को लाकर भारतीय बाजारों को परखना चाहते हैं और इसलिए वे भारत में अपनी स्थिति को परखने के लिए आयात शुल्क में छूट की मांग कर रहे हैं। हालांकि, कंपनी के इस ढुलमुल रवैये से भारत में विनिर्माण सुविधाएं शुरू करने के उनके वास्तविक इरादे पर संदेह पैदा हो रहा था। लेकिन अब यह लगभग स्पष्ट हो गया है कि कंपनी भारत में अपनी टेस्ला कार का विनिर्माण शुरू करने में रुचि नहीं रखती है। हाल ही में भारत में ईवी नीति की घोषणा करते हुए सरकार ने भी यह संकेत दिया है कि टेस्ला कंपनी देश में अपनी कारों का विनिर्माण करने में रुचि नहीं रखती है। सरकार ने इस बीच भारत में इलेक्ट्रिक कारों के विनिर्माण को प्रोत्साहित करने वाली नीति पेश की है। हालांकि नई ईवी नीति 15 प्रतिशत की रियायती

टैरिफ दर पर इलेक्ट्रिक कारों के आयात की भी अनुमति देती है, लेकिन आयातित कारों की कुल संख्या पर 8000 कारों की सीमा है, जिसके बाद आयात शुल्क 115 प्रतिशत तक जा सकता है। नीति में 35,000 डॉलर से अधिक कीमत वाली किसी भी आयातित इलेक्ट्रिक कार पर शुल्क में कटौती की पेशकश की गई है, बशर्ते निर्माता तीन साल के भीतर स्थानीय संयंत्र स्थापित करने के लिए कम से कम 42,500 करोड़ रुपये या लगभग 500 मिलियन डॉलर का निवेश करे। 15 प्रतिशत की यह रियायती ड्यूटी 35,000 डॉलर से कम कीमत वाली कारों पर लागू नहीं होगी। कुल सीमा शुल्क राहत 6,484 करोड़ रुपये तक सीमित होने का अनुमान है। नई ईवी नीति के तहत उद्यमियों को आवेदन जमा करने के लिए जल्द ही एक पोर्टल चालू किया जाएगा। यह पोर्टल कम से कम 120 दिनों तक खुला रहेगा।

केवल वे कंपनियां ही आवेदन करने के लिए पात्र होंगी, जिन्होंने वाहन विनिर्माण से कम से कम 10,000 करोड़ की बिक्री की है और अचल संपत्ति निवेश में न्यूनतम 3,000 करोड़ रखती हैं। इस योजना के तहत भारतीय और विदेशी दोनों कंपनियां आवेदन करने के लिए पात्र होंगी। सरकार के अनुसार, नई नीति 'मेक इन इंडिया' पहल का समर्थन करेगी और ऑटोमोबाइल विनिर्माण में भारत की वैश्विक स्थिति को ऊपर उठाने में मदद करेगी। इस नीति की खास बात यह है कि विदेशी वाहन निर्माता जैसे अमेरिकी कंपनी टेस्ला, चीनी कंपनी बीवाईडी आदि सरकार की ईवी नीति के प्रति बहुत ठंडा रुख अपनाए हुए हैं। जहां तक टेस्ला का सवाल है, उसने भारत में अपनी तैयार कार के लिए डीलरों का चयन शुरू किया है, लेकिन वो भारत में कार बनाने के लिए इच्छुक नहीं है। दूसरी तरफ चीन की कंपनी बीवाईडी इसलिए निवेश के प्रति ठंडा रुख रखे हुए हैं, क्योंकि भारत सरकार सुरक्षा कारणों से चीन जैसे देश की कंपनियों, खासतौर पर इलेक्ट्रॉनिक से जुड़ी कंपनियों को भारत में प्रवेश देने के लिए इच्छुक नहीं है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि कुछ बड़ी वैश्विक कंपनियां भारत में इलेक्ट्रिक कार उत्पादन हेतु निवेश कर सकती हैं, लेकिन इन कंपनियों की इलेक्ट्रिक कारें अपने देशों में भी कोई विशेष बाजार नहीं बना पाई। ऐसे में वो भारत जैसे देश में जहां टाटा और महिन्द्रा जैसी बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियों, जो इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में भी काफी आगे बढ़ चुकी हैं, के सामने कैसे टिक पाएंगी, यह एक बड़ा सवाल उनके सामने है। विभिन्न राष्ट्रीय अध्ययनों और विश्लेषणों से पता चलता है कि भारत में, पर्यावरण की रक्षा हेतु किए जा रहे प्रयास पर्यावरण ही नहीं वित्तीय लाभ भी उत्पन्न कर सकते हैं, और रोजगार सृजन का बड़ा स्त्रोत हो सकते हैं। इस संदर्भ में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी द्वारा एक बड़ा योगदान संभव है।

भारत का ईवी क्षेत्र 2030 तक 250 बिलियन डॉलर का उद्योग बन सकता है, जिससे वाहन निर्माण, बैटरी उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में पांच करोड़ नौकरियां पैदा होंगी। ऐसे में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों का घरेलू उत्पादन बढ़ना हर दृष्टि से महत्वपूर्ण है। विदेशी कंपनियां भारत में इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण में निवेश करने को लेकर बहुत उत्साहित नहीं हैं, इसका एक और कारण यह है कि टाटा और महिंद्रा जैसी घरेलू कंपनियां अपने विदेशी प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बहुत कम लागत पर इलेक्ट्रिक वाहन बना रही हैं। देश में लग्जरी कारों का बाजार बहुत छोटा है। इसलिए, लग्जरी कार वर्ग में बड़े पैमाने पर उत्पादन की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। हालांकि, बड़े शहरों में प्रदूषण को कम करने में मदद के लिए इलेक्ट्रिक कारों का उत्पादन बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है और उस संदर्भ में, 'मेक इन इंडिया' इलेक्ट्रिक वाहन, घरेलू उत्पादन, जीडीपी और रोजगार के विस्तार में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं।

(लेखक पूर्व प्रोफेसर, पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली विवि हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

पश्चिम एशिया
डॉ. एस.डी. वैष्णव

अमेरिका की एंट्री से खतरनाक हुई जंग

किसने सोचा था कि 21वीं सदी वैज्ञानिक उन्नति से मनुष्य जीवन को खुशहाल बनाने की बजाय मनुष्यता के विनाश की ही महागाथा लिखेगी। आज मध्य-पूर्व सुलग रहा है। इज़रायल-ईरान में भयंकर युद्ध छिड़ा हुआ है। इस जंग में अब अमेरिका की सीधी एंट्री हो गई है। अमेरिका ने अपने बी-2 बमवर्षक विमानों से ईरान के फोर्डो, नतांज और इस्फहान परमाणु संवर्धन केंदों पर हमला करके ईरान को दहला दिया। अमेरिका पिछले कई दिनों से इस तैयारी में लगा हुआ था और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को लगातार न्यूक्लियर फैसिलिटी तथा लंबी दूरी की मिसाइलों के निर्माण को बंद करने की चेतावनी दे रहे थे। इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने बयान में कहा है कि शक्ति के जरिए ही मध्य-पूर्व में शांति कायम की जा सकती है। उधर इस हमले के बाद ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस हमले का मुंहतोड़ जवाब देंगे। इज़रायल-ईरान जंग के बहाने अमेरिका ईरान के परमाणु संवर्धन कार्यक्रमों पर रोक लगाना चाहता है। इज़रायल वर्षों से ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता रहा है। इसलिए इज़रायल ने पहले ईरान के प्रोक्सी संगठनों - हमास, हिज्बुल्लाह और हूती विद्रोहियों को बैकफुट पर धकेलकर अब सीधे ईरान के साथ युद्ध में कूद पड़ा है। बहरहाल, अमेरिका ने अपने मनसूबे साफ़ कर दिए हैं।

इस युद्ध से चाहे तेल अवीव हो या तेहरान, दोनों ओर के आम नागरिक मारे जा रहे हैं या विस्थापन को मजबूर हैं। ईरान में हुई 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से अमेरिका में जाबसे और राजतंत्र के वंशज रहे पूर्व क्राउन प्रिंस रज़ा पहलवी और फ्रांस में रह रहे ख़ामेनेई के भतीजे महमूद मुरादखानी तेहरान में सत्ता परिवर्तन चाहते हैं। लिहाजा, इसमें कोई संदेह नहीं कि पर्दे के पीछे ईरान में तख्तापलट की पटकथा भी लिखी जा रही हो! युद्ध के कारण दोनों ओर के महत्वपूर्ण संसाधन नष्ट हो रहे हैं। आर्थिक ढांचा बेपटरी हो रहा है। सालों की मेहनत से खड़े किए गए सपनों के महल पलभर में मलबे में तब्दील हो रहे हैं। प्रमुख व्यापारिक एवं सांस्कृतिक केंद्र, स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, सैन्य और रणनीतिक केन्द्र राख में बदल रहे हैं। दौड़ते-भागते बंकरों और सुरक्षित स्थानों पर अपने लिए जगह तलाशते लोगों के आँसू उनकी पीड़ा को बयां कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू ईरानी नागरिकों से तेहरान छोड़ने को भी कह चुके हैं। इधर ईरान ने भी लोगों से तेल अवीव खाली करने को कहा है। दोनों ओर से लोगों ने पलायन भी शुरू कर दिया है। विस्थापन का दंश बहुत भयंकर होता है। निश्चित रूप से विज्ञान की उन्नति ने मनुष्यता के सामने संकट उत्पन्न किया है। इज़रायल द्वारा तेहरान पर किए गए हमले के बाद ईरान ने अपनी बैलिस्टिक और हाइपरसोनिक मिसाइलों से इज़रायल में तांडव मचाया, लेकिन आईडीएफ की जवाबी कार्रवाई में ईरान में भी बहुत नुकसान हुआ। एक अक्टूबर 2024 को जब ईरान ने इज़रायल पर पहली बार 200 बैलिस्टिक मिसाइलों से एक साथ हमला किया, तब से इजरायल ईरान पर आक्रामक रुख अपनाए हुआ था। अब युद्ध विध्वंसक मोड़ पर है। संवाद करने की बजाय, क्या मध्य-पूर्व के बहाने हम तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रहे हैं? अमेरिकी और चीनी हथियार दोनों ओर कार्गो विमानों से लगातार पहुँच रहे हैं। यानी महाशक्तियां युद्ध को विस्तारित करना चाहती हैं। क्या हम फिर से हिरोशिमा-नागासाकी जैसी हृदय विदारक घटना को जन्म देंगे? आज सामने फिर वही अमेरिका और वही परमाणु विध्वंस का खतरा। युद्ध अगर इसी तरह मुसलसल चलता रहा, तो दोनों देश विकास के लिहाज से कई वर्ष पीछे चले जाएंगे। रूस-यूक्रेन युद्ध से यूरोपीय देश पहले से ही प्रभावित हैं। इधर पश्चिम एशिया की यह अशांति निश्चित रूप से वैश्विक अस्थिरता को जन्म देगी। युद्ध सभ्य समाज की निशानी नहीं है। मनुष्यता की रक्षा के लिए मध्य-पूर्व में परमाणु प्रलय न आए, इसके लिए इन युद्धों को रोकना होगा। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदैव कूटनीति और संवाद के माध्यम से समस्याओं के समाधान पर जोर देते रहे हैं। युद्धों से किनारा चाहने वाले अन्य देशों को भी आगे आकर वैश्विक शांति के लिए अपना हस्तक्षेप करना चाहिए। अन्यथा युद्ध के परिणाम बहुत घातक होंगे। मध्य-पूर्व में युद्ध की विभीषिका के बीच कवि बिलाल पठान की एक कविता ज़ेहन में ध्वनित हो रही है- 'युद्धों के निर्णय हमेशा शून्य आते हैं/ एक दिन आग से मुठभेड़ करते हुए, पानी मारा गया/ और एक दिन पानी से मुठभेड़ करते हुए, आग मारी गई।'

(लेखक सामरिक मामलों के जानकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संपूर्ण ब्रह्मांड है शिव का रूप

संकलित
दर्शन

जिस क्षण आपका तन अस्तित्व में आया, यह मात्र एक कोशिका के रूप में था। एक कोशिका आपका पूरा शरीर बन गई। उस कोशिका को ठीक-ठीक ज्ञात था कि आंखें कहां बनानी हैं, कान कहां बनाने हैं, गुर्दे कहां होने चाहिए, हृदय कहां होना चाहिए और एक कोशिका ने स्वयं को कई अलग-अलग ढंग से गुणित किया, जैसे कि नाखून, केश, जिह्वा, मांसपेशियां, अस्थियां और शरीर के अन्य सभी अंग। क्या कभी आपने इस बारे में सोचा है? एक कोशिका ने बहुगुणित होकर मानव शरीर के इतने सारे अंग बनाए। मानव शरीर एक है, फिर भी यह अपनी प्रकृति और बनावट में बहुत विविधता पूर्ण है। विविधता में यह एकता संपूर्ण सृष्टि में भी नजर आती है। संपूर्ण सृष्टि में सूर्य, चंद्रमा, तारे, वायु, बादल, जल, पृथ्वी एक ही पदार्थ से बने हैं। हर वस्तु एक तत्व से बनी है। उस एक तत्व को शिव कहा जाता है, जिसकी हम श्रावण के इस शुभ महीने में पूजा करते हैं। शिव तत्व के बारे में बात करना बहुत कठिन है क्योंकि इसे केवल महसूस किया जा सकता है। शब्द बहुत निकट जाते हैं लेकिन वापस लौट आते हैं। क्या शिव कोई सत्ता है? क्या उसका कोई रूप है? क्या वह किसी स्थान पर विराजमान कोई व्यक्ति है? नहीं, शिव संपूर्ण ब्रह्मांड हैं। शिव तत्व वह है जहां से सब कुछ आया है, सब कुछ स्थित है और जिसमें सब कुछ विलीन हो जाता है। ऐसा कोई मार्ग नहीं है कि आप किसी भी समय शिव तत्व से बाहर निकल सकें क्योंकि शिव ही संपूर्ण सृष्टि हैं।

भक्ति का मतलब ये नहीं कि दुख नहीं आएंगे

संकलित
प्रेरणा

महाभारत युद्ध के बाद का किस्सा है। पांडवों ने कौरवों को हरा दिया था और युधिष्ठिर राजा बन गए थे। उस समय भीष्म पितामह बाणों की शय्या पर लेटे हुए थे और प्राण त्यागने के लिए सूर्य के उत्तरायण होने की प्रतीक्षा कर रहे थे। भीष्म के पूरे शरीर पर तीर लगे हुए थे। एक दिन श्रीकृष्ण पांडवों के साथ भीष्म से मिलने पहुंचे। श्रीकृष्ण ने भीष्म से कहा कि आप पांडवों को राजधर्म का ज्ञान दें, ताकि ये अपना राज-पाठ अच्छी तरह चला सके। बातचीत करते समय पांडवों ने देखा कि भीष्म पितामह की आंखों में आंसू आ गए थे। पांडवों को इस बात की हैरानी हुई कि भीष्म पितामह जैसे महारथी को भी मृत्यु का डर सता रहा है, इस वजह से इनकी आंखों में आंसु आ गए हैं। जबकि इन्हें तो इच्छामृत्यु का वरदान मिला हुआ है। पांडवों के मन की बात समझकर श्रीकृष्ण ने भीष्म पितामह से पूछा कि आपकी आंखों में आंसू क्यों हैं? श्रीकृष्ण का प्रश्न सुनकर भीष्म ने कहा कि आप तो सब कुछ जानते हैं, मैं पांडवों को भी बता देता हूं। मेरी आंखों में आंसू पांडवों को देखकर आ गए। पांडवों पुत्रों के साथ स्वयं श्रीकृष्ण साथ हैं। फिर भी इनके जीवन में लगातार दुख आते रहे। कदम-कदम पर पांडवों के जीवन में मुश्किलें आईं। इन्हें देखकर मुझे समझ आया कि अगर हमारे भगवान हैं, तब भी इसका मतलब ये नहीं है कि हमारे जीवन में दुख नहीं आएंगे। दुख तो आएंगे, लेकिन भगवान की मदद से हम दुखों का सामना पूरे साहस के साथ कर पाते हैं। भक्ति करेंगे तो भगवान हमें दुखों से लड़ने का साहस देंगे।

सटाका

आज की पाती

योग करके पाएं निरोगी काया

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने को हरी झंडी दी थी। योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना भारत के लिए गर्व की बात है। इस बार योग दिवस की थीम है 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग।' सारी पृथ्वी हमारा परिवार है और परिवार के हर सदस्य का तंदुरुस्त रहना भी जरूरी है। अगर घर का एक सदस्य भी बीमारी से घिर जाता है तो यह सारे परिवार के लिए चिंता का विषय हो जाता है। इसलिए योग सारी दुनिया के लिए जरूरी है। पृथ्वी से बीमारियों को दूर भगाना है तो सारी दुनिया को योग अपनाना होगा। इसके साथ ही हमें पृथ्वी के संरक्षण के लिए भी काम करना होगा। पृथ्वी का संरक्षण भी हमें बीमारियों से बचाएगा। हर तरह का प्रदूषण बीमारियों को न्योता देता है। योग से निरोगी काया मिलती है। *– पुनीत यादव, बेमेतरा*

ट्रेंड

ईरान से चर्चा

ईरान के राष्ट्रपति से हमने मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तार से चर्चा की। आगे बढ़ने के लिए तत्काल तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति के लिए अपना आह्वान दोहराया और क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता की शीघ्र बहाली की मांग की।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

'नशा मुक्त' चरखी दादरी

चरखी दादरी को हरियाणा का पहला 'नशा मुक्त' जिला घोषित किया जाना, नशे के विरूद्ध युद्ध करने वाले हर देशवासी के लिए एक बहुत बड़ी खबर है। जागरूक समाज, प्रशासन और प्रदेश के मेरे परिवारजनों के सहयोग से हरियाणा को नशा मुक्त बनाने की दिशा में हमारे कदम बढ़ चुके हैं।
-नायब सिंह सैनी, सीएम, हरियाणा

आधुनिक परिवहन

आधुनिक परिवहन अब विलासिता नहीं रह गया है, यह राज्य में हजारों लोगों के लिए रोज़मर्रा की वास्तविकता है। 141 इलेक्ट्रिक बसों के शुरू होने के साथ ही गोवा में शहरी परिवहन नए युग में प्रवेश कर गया है।
-डॉ. प्रमोद सावंत, सीएम, गोवा

बेरोज़गारी बढ़ी

"मेक इन इंडिया" ने फैक्ट्री बूम का वादा किया था। तो फिर विनिर्माण रिकॉर्ड निचले स्तर पर क्यों है, युवा बेरोज़गारी रिकॉर्ड ऊंचाई पर क्यों है, और चीन से आयात दोगुने से ज़्यादा क्यों हो गया है?
-राहुल गांधी, नेता विपक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

इमरान खान की पार्टी के कई नेताओं को अदालत से राहत

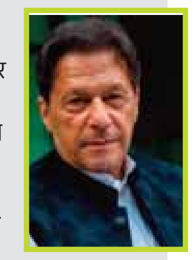

जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं को विरोध-प्रदर्शन से जुड़े मामलों में अदालतों ने राहत दी है। रविवार को मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। 'डॉन' समाचार पत्र के अनुसार पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष गौहर अल खान और नेता प्रतिपक्ष उमर अयूब समेत पार्टी के विभिन्न नेताओं को शनिवार को इस्लामाबाद की एक अदालत ने पिछले साल के दो विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े मामलों में बरी कर दिया। इस्लामाबाद के न्यायिक मजिस्ट्रेट शहजाद अहमद ने पिछले साल 26 अप्रैल को हुए विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामलों में फैसला सुनाया। विरोध मार्च कथित तौर पर धारा 144 और अन्य कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए पीटीआई नेता शोएब शाहीन के कार्यालय से कराची कंपनी की ओर बढ़ गया था। सभी दलीलें सुनने के बाद अदालत ने बैरिस्टर गौहर, उमर अयूब, अली बुखारी, शोएब शाहीन, मलिक रफीक, आमिर डोगर, आमिर मुगल और अन्य को बरी कर दिया। इस बीच, लाहौर की एक आतंकवाद रोधी अदालत ने नौ मई, 2023 के दंगों के एक मामले में पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को जमानत दे दी।

ऑफ बीट

जिम की जगह खुद घर पर कर सकते हैं व्यायाम

जीवन यापन की बढ़ती लागत के साथ, जिम की सदस्यता और फिटनेस कक्षाएं तेजी से अप्रचलित होती जा रही हैं। लेकिन अच्छी खबर यह है कि आप घर पर भी खुद से व्यायाम करके उतनी ही प्रगति कर सकते हैं। हृदय सहनशक्ति, मांसपेशियों की ताकत और लचीलापन फिटनेस के सबसे महत्वपूर्ण घटक हैं। और प्रत्येक को बहुत कम या बिना किसी उपकरण के खुद से किया जा सकता है। हृदय सहनशक्ति व्यायाम हृदय और फेफड़ों को काम करने वाली मांसपेशियों को ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने के लिए मजबूर करता है। पैदल चलना, जॉगिंग और दौड़ना बढ़िया विकल्प हैं, वैसे ही साइकिल चलाना, रस्सी कूदना और तैराकी भी है। अगला है मांसपेशियों की ताकत, जिसे हम प्रतिरोध व्यायाम के माध्यम से प्रशिक्षित करते हैं। यह हड्डियों के स्वास्थ्य, संतुलन और चयापचय स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर जब हमारी उम्र बढ़ती है और हमारी मांसपेशियों और ताकत में गिरावट आती है। स्क्वैट्स – कूल्हों, घुटनों और टखनों को मोड़कर खड़े होने से लेकर छाती को ऊपर रखते हुए कूल्हों, घुटनों और टखनों को सीधा करके खड़े होने तक। बेहतर लचीलापन आपकी गति की सीमा को बढ़ा सकता है और दैनिक जीवन को प्रबंधित करने की आपकी क्षमता में सुधार कर सकता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

कोंटा ब्लॉक के अतिसंवेदनशील कोत्ताचेरू पंचायत के 2 गांव गोरखा और चिंतागुफा में वन विभाग ने इस साल तेंदूपत्ता की खरीदी नहीं की। ना ही यहां के संग्राहकों को पिछले तेंदूपत्ता का बोनस मिला है । बल्कि यहां ओडिशा के ठेकेदार ने आकर तेंदूपत्ता की खरीदी कर ली । हरिभूमि ने सुकमा जिलें के कोंटा ब्लॉक के दर्जनभर से अधिक समितियों में संग्राहकों का पैसा गबन करने के मामले के बाद इन 2 गांव का जायजा लिया। ग्रामीणों ने साफ कहा कि बूटा कटाई के लिए वन विभाग के लोगों ने कहा था। लेकिन तेंदूपत्ता की खरीदी नहीं कि मजबूरी में हमें ओडिशा के बिचौलियों को 4 रुपए प्रति गड्डी में तेंदूपत्ता देना पड़ा । सरकार ने इस साल साढ़े 5 रुपए कीमत घोषित की है। दोनों गांव कोंटा परिक्षेत्र के अंतर्गत ऐर्राबोर समिति में है।

वन अफसर के गिरफ्तार होने व समिति प्रबंधक की बर्खास्तगी से हुई प्रभावित

कोंटा ब्लॉक के संवेदनशील अंदरूनी गांव में वन विभाग ने नहीं खरीदा तेंदूपत्ता

हरिभूमि ▶▶| जगदलपुर/कोंटा

बताया गया कि कोत्ताचेरू ग्राम पंचायत के अंतर्गत 5 गांव चिंतागुफा, नागारम, बेदरपदर, कोत्ताचेरू और गोरखा आते है। इस सभी गांव में कई पारा है जिसके बीच की दूरी 4 किलोमीटर से अधिक है। सड़क मार्ग काफी जर्जर है। चिंतागुफा और गोरखा गांव के पटेलपारा के ग्रामीणों ने बताया कि कोत्ताचेरू ग्राम पंचायत का सरपंच उमेश बंजा मुकुड़तोंग में रहता है। जिससे मिलने के लिए उसी पंचायत के ही लोगों को 4 से 10 किलोमीटर तक की दूरी तय करनी पड़ती है। ऐसी विषम भौगोलिक परिवेश में रहने वाले ग्रामीणों को इस साल तेंदूपत्ता तोड़ने के बाद भी सरकार से लाभ नहीं मिला। साथ ही पुराना बोनस का पैसा भी नहीं मिला। ग्रामीणों ने 2017 से लेकर 2019 तथा 2023 और 2024 का तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक कार्ड दिखाते कहा तेंदूपत्ता का बोनस और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ हमें नही मिल रहा है। ऐसी स्थिति कोंटा और दोरनापाल उपवनमंडल के साथ जिले के कुल 15 समितियों को भंग कर प्रबंधकों को बर्खास्त करने के चलते उत्पन्न हुई है। डीएफओ और 15 समितिओं के प्रबंधक मालामाल हो गए लेकिन इन गरीब आदिवासियों को ना बोनस का पैसा मिला और न ही इस साल तेंदूपत्ता की खरीदी की गई। सूत्रों के अनुसार कोंटा ब्लाक के दर्जनों गांव में इस साल तेंदूपत्ता का लाभ किसानों को नहीं मिल पाया है।

चिंतागुफा में भी नहीं हुई खरीदी: ग्रामीण हड़मा मड़कम ने कहा कि चिंतागुफा के लोगों का तेंदूपत्ता इस साल नहीं खरीदा गया। कवासी मुये, कवासी बंडी और वेटी मासा ने भी कहा कि ओडिशा का ठेकेदार ने दो दिन का पैसा दिया है । एक दिन का बकाया बाद में देने को कहा है। बोनस किसी को भी नहीं मिला है।

पटेलपारा में 50 हजार गड्डी को ओडिशा ठेकेदार ने खरीदा

गोरखा गांव के पटेलपारा के संतु कवासी , हुंगा वेटटी और अन्य ग्रामीणों ने कहा कि ओडिशा से आए लोगों ने 3 दिन में 50 हजार से अधिक तेंदूपत्ता की गड्डी खरीदी। पटेलपारा के 16, कोसापारा के 12, दूधीपारा के 25 कुल 50 से अधिक लोगों ने उन्हें तेंदूपत्ता बेचा। जिसमें से दो दिन का पैसा 4 रुपए प्रति गड्डी के हिसाब से दिया गया है। एक दिन का बाकी है जिसके लिए हमारे गांव के लोगों ने जिम्मेदारी ली है। सभी ने कहा कि वन विभाग के लोगों के नहीं खरीदने से हमने ओडिशा के लोगों को तेंदूपत्ता दिया।

ग्रामीण नकद भुगतान चाहते थे

कोंटा ब्लाक के ऐर्राबोर समिति के लाट क्रमांक ब में चिंतागुफा और जग्गावरम के लाट ब में गोरखा गांव का पटेलपारा आता है । वहां बूटा कटाई के लिए कहा गया था। ग्रामीणों ने तेंदूपत्ता खरीदी का नकद भुगतान करने की मांग रखी । साथ ही फड़मुंशी का दर कम होना बताया। ग्रामीणों के कहे अनुसार पंचनामा बनाकर उच्च कार्यालय को रिपोर्ट भेजी गयी। यहां तेंदूपत्ता की खरीदी नहीं हुई। चिंतागुफा में पिछले समय खरीदा गया तेंदूपत्ता कम दाम में बिका था, इसलिए वहां बोनस नहीं दिया गया। वही गोरखा गांव के पटेलपारा में प्रबंधक के बर्खास्त होने से जांच चल रही है। वहां बोनस वितरण नहीं हुआ है।

-महेश पासवान
परिक्षेत्र अधिकारी, कोंटा

खबर संक्षेप

नक्सलियों के बरामद 7 शव में एक और की शिनाख्त

जगदलपुर। बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में जून महीने के पहले सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए माओवादी विरोधी अभियानों में सात के शव बरामद किए गए थे। जिनमें 2 की पहचान नहीं हो पाई थी। आज पुलिस ने इनमें से 1 की पहचान महेश कोडियम के रूप में की है जो बीजापुर जिले के फरसेगढ़ थाना अंतर्गत इरपागुट्टा गांव का निवासी था। उसके शव का पंचनामा किए जाने के दौरान यह तथ्य सामने आया कि वह नेशनल पार्क क्षेत्र डिविजन के अंतर्गत प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन का पार्टी सदस्य था। उसकी संलिप्तता इस अवैध संगठन से थी। यह भी सामने आया है कि महेश कोडियम इरपागुट्टा गांव के प्राथमिक विद्यालय में रसोई सहायक के रूप में कार्यरत था। उसका चयन गांव की विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा किया गया था। मार्च 2025 तक उसे भुगतान किया जा रहा था।

शाह ने नक्सलवाद पर डीजीपी एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

सात राज्यों के साथ बनी रणनीति, छत्तीसगढ़ से भागकर नहीं बना सकेंगे नक्सली ठिकाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद पर छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड और ओडिशा के डीजीपी, एडीजीपी एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रायपुर में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा, पिछले डेढ़ साल में विष्णुदेव की सरकार और उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि उन्होंने एक रुके हुए नक्सलविरोधी अभियान को द्रुत गति से चलाया और राज्य को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में आगे बढ़े हैं। उन्होंने सीमावर्ती राज्यों के डीजीपी से कहा, यहां से नक्सली भाग कर सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षित ठिकाना तलाश रहे हैं। अतः वहां भी निगरानी रखी जाए। छत्तीसगढ़ से अगर नक्सली भागकर जाएं तो दूसरे राज्यों में उन्हें ठिकाना न बनाने दिया जाए। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विजय शर्मा ने नक्सल विरोधी अभियानों को न सिर्फ धार दी, बल्कि समय-समय पर इस अभियान का मार्गदर्शन किया, सुरक्षाबलों का हौंसला भी बढ़ाया और संपूर्णता के साथ इस लड़ाई में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने दोहराया कि 31 मार्च, 2026 तक देश नक्सलवाद से पूरी तरह से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह से हमारे सुरक्षाबलों ने पराक्रम दिखाया है और सूचना एजेंसियों ने सटीक रणनीति बनाई है। उसके आधार पर हम इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेंगे। बारिश के मौसम में सुरक्षाबलों का ऑपरेशन जारी रहेगा। नक्सली इस बरसात में चैन की नींद नहीं सो पाएँगे। सरकार ने सरेंडर करने वाले नक्सलियों से जो वायदा किया है, उसे पूरा किया जाएगा।

आज बस्तर जाएंगे शाह: दौरे के दूसरे दिन 23 जून को अमित शाह नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में ग्रामीणों से दोपहर 12 बजे संवाद करेंगे। इसके बाद वे 1:15 बजे बीएसएफ कैंप इरकभट्टी में सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ बातचीत कर नक्सल विरोधी रणनीति पर चर्चा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ आगमन पर स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक धर्मलाल कौशिक, किरण देव, अमर अग्रवाल, पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत साहेब, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह उपस्थित थे।

छग बिजली नियामक आयोग ने पहली बार दिया एक और मौका

एक बार फिर 30 को बिजली के नए टैरिफ पर जनसुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बिजली के नए टैरिफ के लिए बिजली नियामक आयोग ने पहली बार जनसुनवाई के लिए एक और मौका दिया है। 19 और 20 जून को अलग-अलग वर्गों की जनसुनवाई हो चुकी है। इसमें सभी वर्गों ने एक ही मांग रखी है कि किसी भी वर्ग की बिजली की कीमत न बढ़ाई जाए। आयोग के पास इस बात की जानकारी आई है कि कई लोग जनसुनवाई में शामिल नहीं हो सके हैं और ऐसे लोग एक मौका चाहते हैं। इसलिए अब आयोग ने 30 जून को ऐसे लोगों को मौका देने का फैसला किया है। आयोग के दफ्तर में 30 जून को सुबह 11.30 से 4.30 बजे के बीच किसी भी वर्ग के उपभोक्ता अपनी बात रख सकते हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने बिजली नियामक आयोग को 2025-26 के लिए जो प्रस्ताव भेजा है, उसमें बताया गया है कि पॉवर कंपनी इस सत्र में 24 हजार 652 करोड़ की बिजली

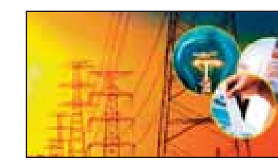

बेचेगी। इसके मुकाबले में पॉवर कंपनी का खर्च 23 हजार 82 करोड़ होगा। ऐसे में पॉवर कंपनी को 1570 करोड़ का फायदा होगा, लेकिन 2023-24 में पॉवर कंपनी को अनुमान से 6130 करोड़ रुपए कम पड़े। ऐसे में इस अंतर की राशि में 1570 करोड़ को घटाने के बाद 4560 करोड़ रुपए का अंतर आ रहा है। इस अंतर की राशि के लिए ही टैरिफ बढ़ाने की मांग है, लेकिन आयोग तय करेगा कि वास्तव में पॉवर कंपनी को कितने पैसों की जरूरत होगी। उसके हिसाब से टैरिफ तय होगा। यह बात तय है कि टैरिफ में भी महंगी बिजली का झटका लगेगा। नए टैरिफ के लिए दो दिनों तक पहले ही जनसुनवाई हो गई है और अब एक बार फिर से 30 जून को जनसुनवाई होगी।

वैश्विक जलवायु परिवर्तन

2024 का सबसे गर्म वर्ष, 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा 5 वर्षों में पार होने का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

विश्व भर के 60 प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, जिनमें भारत के दो वैज्ञानिक शामिल हैं, सबने मिलकर इंडीकेटर्स ऑफ ग्लोबल क्लाइमेट चेंज 2024 नामक तीसरा वार्षिक अद्यतन प्रकाशित किया है। यह व्यापक रिपोर्ट जलवायु परिवर्तन के प्रमुख संकेतकों जैसे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, समुद्र तल वृद्धि, और पृथ्वी की ऊर्जा असंतुलन पर गंभीर जानकारी प्रस्तुत करती है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने आज इस रिपोर्ट पर अपने एक्स पोस्ट में चर्चा की, जिसमें उन्होंने जलवायु परिवर्तन की गंभीरता और कुछ सकारात्मक संकेतों पर प्रकाश डाला।

जयराम रमेश ने लिखा,/"विश्व भर के प्रतिष्ठित संस्थानों के 60 वैज्ञानिकों, जिनमें भारत के दो वैज्ञानिक शामिल हैं, ने वैश्विक जलवायु परिवर्तन संकेतकों का तीसरा वार्षिक अद्यतन प्रकाशित किया है। यह एक व्यापक विश्लेषण है। इस अद्यतन में आशा की एक हल्की सी किरण है कि पिछले दशक में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की वृद्धि दर 2000 के दशक की तुलना में धीमी हुई है।/"उन्होंने आगे कहा कि समुद्र तल वृद्धि तेज हो रही है, पृथ्वी की ऊर्जा असंतुलन बढ़ गया है, और सभी ग्रीनहाउस गैसों का वर्तमान उत्सर्जन स्तर 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पांच वर्षों में पार कर सकता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 2024 अब तक का सबसे गर्म वर्ष था।

आशा की किरण, पर चुनौतियाँ बरकरार

रिपोर्ट में एक सकारात्मक संकेत है कि पिछले दशक (2014-2023) में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की वृद्धि दर 2000 के दशक की तुलना में धीमी हुई है। 2010 के दशक में 2.5 फीसदी प्रति वर्ष की वृद्धि दर 2020 के दशक में घटकर 1 फीसदी प्रति वर्ष हो गई है। यह सौर, पवन ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग का

परिणाम है। हालांकि, 2024 में वैश्विक कार्बन उत्सर्जन 45.8 बिलियन टन तक पहुंच गया, जो अब तक का उच्चतम स्तर है।

2024: अब तक का सबसे गर्म वर्ष

विश्व मौसम विज्ञान संगठन और कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस ने 2024 को रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष घोषित किया। इस वर्ष तीन सबसे गर्म मौसम (सर्दी, वसंत, ग्रीष्म) देखे गए, साथ ही 41 अतिरिक्त /"खतरनाक गर्मी/" वाले दिन दर्ज किए गए। वायुमंडलीय कार्बन सांद्रता 422.1 पार्ट्स प्रति मिलियन और मीथेन 1897 पार्ट्स प्रति बिलियन तक पहुंच गई, जो प्री-इंडस्ट्रियल स्तरों से 165 फीसदीअधिक है।

समुद्र तल वृद्धि: तटीय क्षेत्रों के लिए खतरा

वैश्विक समुद्र तल 2019 और 2024 के बीच 26 मिलीमीटर बढ़ा, जो 1993-2002 की तुलना में दोगुना तेज है। 2015-2024 में समुद्र तल वृद्धि की दर 4.7 मिलीमीटर प्रति वर्ष रही, जो ग्लेशियरों के पिघलने और समुद्र के थर्मल विस्तार के कारण है। यह तटीय शहरों और छोटे द्वीपों के लिए गंभीर खतरा है।पृथ्वी की ऊर्जा असंतुलन में 25 फीसदी वृद्धि पृथ्वी की ऊर्जा असंतुलन, जो सूर्य से अवशोषित और अंतरिक्ष में वापस विकिरणित ऊर्जा के बीच का अंतर है, पिछले दशक की तुलना में 25 फीसदी तक बढ़ गया है। यह ग्रीनहाउस गैसों द्वारा फंसी गर्मी का परिणाम है, जो चरम मौसमी घटनाओं और तापमान वृद्धि को बढ़ावा देता है।

भारत की भूमिका और चुनौतियाँ

भारत, जो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में चौथे स्थान पर है, ने नवीकरणीय ऊर्जा में प्रगति की है। क्लाइमेट चेंज परफॉर्मेंस इंडेक्स 2025 में भारत की रैंकिंग में सुधार हुआ है। लेकिन कोयले पर निर्भरता और बढ़ती ऊर्जा मांग 2030 तक 45 फीसदी उत्सर्जन कटौती और 2070 तक नेट-जीरो के लक्ष्य को चुनौतीपूर्ण बनाते हैं।

वैश्विक कार्रवाई की जरूरत

यूएनईपी एमिसन्स गैप रीपोर्ट 2024 के अनुसार, 2030 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 42 फीसदी और 2035 तक 57 फीसदी की कटौती आवश्यक है। वर्तमान नीतियाँ विश्व को 2.6-2.8 डिग्री सेल्सियस की ताप वृद्धि की ओर ले जा रही हैं। नवंबर 2025 में ब्राजील में होने वाली कॉप-30 में देशों को अपने राष्ट्रिय रूप से निर्धारित योगदान को मजबूत करना होगा। पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश के इस रिपोर्ट की गंभीरता को उजागर किया, जिसमें जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे और तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। कार्बन उत्सर्जन की दर में कमी एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन यह अपर्याप्त है। तत्काल वैश्विक कार्रवाई, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने, और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश बढ़ाने की आवश्यकता है। भारत सहित सभी देशों को अपनी जलवायु नीतियों को और सख्त करना होगा ताकि भावी पीढ़ियों के लिए ग्रह को सुरक्षित रखा जा सके।

1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा पर संकट

रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि कार्बन, मीथेन और अन्य ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन वर्तमान दर पर जारी रहा, तो वैश्विक तापमान वृद्धि 2028 तक 1.5 डिग्री सेल्सियस की महत्वपूर्ण सीमा को पार कर सकती है। यह पेरिस समझौते के लक्ष्य को खतरे में डालता है। 2024 में वैश्विक औसत तापमान 1.55 डिग्री सेल्सियस (प्री-इंडस्ट्रियल स्तरों से ऊपर) दर्ज किया गया, जो इसे रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष बनाता है।

अमेरिका की नीतियों का प्रभाव

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका की वर्तमान जलवायु नीतियाँ 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को और पहले पार करने का जोखिम बढ़ा सकती हैं। हालांकि, अमेरिका में इन्फ्लेशन रिडक्शन एक्ट ने स्वच्छ ऊर्जा में निवेश बढ़ाया है, फिर भी जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता एक चुनौती है।

माता परमेश्वरी देवी जी के निधन पर रोहतक पहुंचे दिग्गज नेता, सिंधु भवन में दी श्रद्धांजलि

शुक्रवार को माता परमेश्वरी देवी का हुआ था निधन, शनिवार को खांडा खेड़ी में किया गया अंतिम संस्कार

रोहतक। हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता परमेश्वरी देवी जी के निधन पर शोक जताने के लिए रविवार को दिनभर राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों का सिंधु भवन सेक्टर 14 रोहतक में तांता लगा रहा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल सहित हरियाणा सरकार के कई कैबिनेट मंत्री, पूर्व मंत्री, सांसद, विधायक और अन्य गणमान्यजन पहुंचे और माता परमेश्वरी देवी जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। बता दें कि माता परमेश्वरी देवी का शुक्रवार को निधन हो गया था। शनिवार को रोहतक से उनके पैतृक गांव खांडा खेड़ी (जिला हिसार) तक अंतिम यात्रा निकाली गई, जहां पूरे विधि-विधान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। सभी नेताओं ने परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने जीवन भर परिवार और समाज के उत्थान के लिए कार्य किया। उनके द्वारा दिए गए संस्कारों के कारण ही आज सिंधु परिवार राष्ट्र और समाज सेवा में अग्रणी है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में अन्य गणमान्यजन भी उपस्थित रहे, जिनमें राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी कई हस्तियां शामिल थीं। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकसंतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, चरखी दादरी विधायक सुनील सांगवान, विधायक भगवान दास नीलोखेड़ी, भाजपा नेता विक्रम ठेकेदार, पूर्व मंत्री अतर सिंह सैनी, पूर्व राज्यसभा सांसद डीपी वत्स, आरएसएस से सीताराम व्यास, आरएसएस के प्रांत प्रचारक डॉ. सुरेंद्र पाल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, रणजीत चौटाला पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक सोमबीर सांगवान सहित पूर्व विधायक सरिता नारायण ने भी श्रद्धाजंलि भेंट की।

प्रमुख नेताओं के श्रद्धांजलि संदेश

- केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी जी एक तपस्विनी और संस्कारशील महिला थीं। उनका जाना समाज की अपूरणीय क्षति है।
- कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी जी ने जीवन भर सादगी, सेवा और संस्कारों से भरपूर जीवन जिया। वे एक प्रेरणा थीं, जिन्होंने अपने परिवार को न केवल सामाजिक मूल्यों से जोड़े रखा बल्कि राष्ट्रसेवा की राह भी दिखाई। मैं उन्हें शतशतनमन करता हूं।
- कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि परमेश्वरी देवी जी का जीवन समाज के लिए एक मार्गदर्शक की तरह था। सिंधु परिवार को ऐसे संस्कार देना अपने आप में बहुत बड़ी बात है।
- ओलंपिक संघ हरियाणा के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल ने कहा कि परमेश्वरी देवी जी का स्नेहिल और अनुशासित व्यक्तित्व समाज के लिए उदाहरण था। उनकी ममता और जीवन मूल्य आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।
- बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी जी ने अपने परिवार को ही नहीं, पूरे समाज को आदर्श दिए। उनका संयम, त्याग और समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।
- सूचना आयुक्त अमरजीत सिंह ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी जी का जीवन दर्शन हमें जीवन में दृढ़ता और सेवा भावना की सीख देता है। उन्होंने जो संस्कार दिए, वे अमिट रहेंगे।
- राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि एक महिला के रूप में परमेश्वरी देवी जी ने अपनी भूमिका को पूरी गरिमा से निभाया। उन्होंने अपने परिवार को देश सेवा के लिए तैयार किया, यह उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।
- भाजपा नेता सुभाष बराला ने कहा कि हम सभी के लिए माता परमेश्वरी देवी जी का जीवन प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने जीवन में अनुशासन, नैतिकता और समर्पण को महत्व दिया।
- पूर्व मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि ऐसे व्यक्तित्व विरले होते हैं, जो स्वयं तो सरल जीवन जीते हैं, लेकिन समाज को गहरे स्तर पर प्रभावित करते हैं। माता जी का आशीर्वाद हमें सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।
- पूर्व मंत्री बिरेंद्र डूमरखां ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी जी की विनम्रता और दूरदर्शिता समाज में एक विरल उदाहरण है। उनका जाना सिर्फ एक परिवार की नहीं, समाज की भी क्षति है।
- कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि उनका स्नेह, विचार और अनुशासन हर एक व्यक्ति के मन को छू जाता था। उन्होंने जिस तरह अपने बच्चों को संस्कारित किया, वह अनुकरणीय है।

मानसून की दस्तक के बाद आमतौर पर 5 से 7 दिन में बनता है नया सिस्टम

दस बरस में पहली बार मानसून आने के बाद 28 दिन का लंबा ब्रेक...अब तक सिर्फ 60 मिमी बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दक्षिण-पश्चिम मानसून की उपस्थिति के बाद भी प्रदेश में व्यापक रूप से बारिश पर 28 दिन का लंबा ब्रेक लगा हुआ है। विशेषज्ञों की माने तो आगमन के पांच से सात दिन के अवरोध के बाद वर्षा का नया सिस्टम बनना सामान्य बात है। प्रशांत महासागर में ला नीना की स्थिति बनने के बाद भी बारिश पर लंबा ब्रेक दस साल में पहली बार हो रहा है। प्रदेश के इतिहास में पहली बार मानसून 27 मई को दंतेवाड़ा में सक्रिय हुआ, मगर इसकी उपस्थिति होने के बाद भी प्रदेश में व्यापक रूप से बारिश अब तक नहीं हुई है। पहले बस्तर फिर 17 जून के बाद इसका प्रभाव उत्तरी हिस्से में नजर आया है , लेकिन रायपुर समेत मध्य इलाके में अब तक राहत की बारिश नहीं हुई है। पिछले साल 16 जून को मानसून के दस्तक के बाद ब्रेक लगा था और 20 जून के बाद बारिश की हुई थी। मौसम विशेषज्ञों की माने तो मानसून के आने के बाद पांच से सात दिन का ब्रेक हर साल होता है मगर 28 दिन का लंबा ब्रेक दस साल में पहली बार हुआ है, वो तब की स्थिति में जब प्रशांत महासागर में ला-नीना का प्रभाव है।

छग अभी अल्पवर्षा के संकट से जूझ

रहा है और सामान्य से वास्तविक बारिश का अंतर 43 प्रतिशत कमी का है। सामान्यतः जून के बीते 22 दिनों में यहां 106 मिमी. बारिश होती रही है, जो इस साल अभी 60.8 मिमी. पर अटका हुआ है।

ला-नीना का कंडीशन होने के बाद भी वर्षा पर बड़ा अवरोध होना असामान्य

रायपुर में दो बार 46 मिमी. वर्षा

रायपुर जिले में दस साल के रिकार्ड के अनुसार वर्ष 2015 और 2022 में जून महीने की कुल वर्षा 46 मिमी. दर्ज हुई है। यहां जून की सर्वाधिक बारिश 270.9 मिमी. वर्ष 2020 में हुई थी। बाकी दिनों की औसत वर्षा 100 मिमी. से अधिक ही रही है। इस बार जिले में अब तक 90 मिमी. की तुलना में 38 मिमी. वर्षा हुई है जो सामान्य से 58 प्रतिशत कम है।

दो दिन बाद ही राहत के आसार

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मानसून आने के बावजूद राज्य में अच्छी बारिश जुलाई और अगस्त महीने में होती है। जून का महीना अपनी सामान्य स्थिति के साथ गुजरता है। दो दिन बाद एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण गंगेटिक पश्चिम बंगाल और उसके आसपास 25 जून को बनने की संभावना है। इसके दो दिन बाद राज्य में वर्षा का दायरा बढ़ने की संभावना है।

क्या जन्मदिन पर होती है मरने की ज्यादा संभावना ?

एजेंसी ⏭ टोक्यो

क्या ऐसा हो सकता है कि इंसान के किसी खास दिन मरने की ज्यादा संभावना होती है? यह सवाल आपको कितना भी बेकार या बेहूदा लगे, लेकिन वैज्ञानिकों के लिए यह अहम सवाल है। जी हां. इससे भी अजीब तो वह दावा है जो वैज्ञानिकों ने किया है। उनका कहना है कि इंसान के जन्मदिन पर मरने की संभावना बाकी दिनों से ज्यादा है। वे इसे 'बर्थडे इफेक्ट' कहते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि जन्मदिन के बारे में इंसान अलग हटकर सोचते हैं और खुद को कई कारणों से मौत के करीब ले जा सकते हैं। हालांकि, सच ये भी है कि वैज्ञानिक इस प्रभाव को पूरी तरह से नहीं समझे हैं, उनका मानना है कि यह प्रभाव काम करता है।

वैज्ञानिकों ने दिया अजीब जवाब!

पहले जन्मदिन प्रभाव को समझा जाय

वैज्ञानिकों का कहना है कि जन्मदिन खास दिन होता है। लोग इस दिन ज्यादा जश्न मनाते हैं। कई बार ज्यादा शराब पी लेते हैं। इससे जोखिम भरा व्यवहार बढ़ता है। लोग गलत फैसले लेते हैं। दुर्घटनाएं हो सकती हैं। इसमें नशे में गाड़ी चलाना भी कारण हो सकता है।

उपाय करना कितना जरूरी?

सवाल ये है कि क्या हमें अपने जन्मदिन पर कुछ सावाधानियां बरतनी चाहिए। जन्मदिन प्रभाव से बचने के लिए ऐसा जरूरी है। सलाह दी जाती है कि जन्मदिन को सावधानी से मनाएं। ज्यादा शराब पीने से बचें। अगर आप उदास महसूस करते हैं, या बीमार हैं तो दोस्तों या परिवार से बात करें। मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलर की मदद लें। जन्मदिन को खुशी का दिन बनाएं, न कि तनाव का। इसमें कोई संदेह नहीं कि जन्मदिन सभी के लिए खतरनाक नहीं होता है, फिर भी कई लोगों के लिए होता है।

जन्मदिन की उदासी

स्वास्थ्य लेखिका होली मैकह्यू का कहना है कि जन्मदिन कुछ लोगों के लिए मुश्किल होता है। यह उदासी या तनाव ला सकता है। इसे जन्मदिन उदासी कहते हैं। लोग उम्र बढ़ने या अकेलेपन के बारे में सोचते हैं। इससे आत्महत्या का खतरा बढ़ सकता है। इतना ही नहीं, कुछ लोग गंभीर बीमारी से जूझ रहे होते हैं। उनके लिए जन्मदिन एक बड़ा लक्ष्य होता है। वे इस दिन तक जीवित रहने की कोशिश करते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसे लोग जन्मदिन के बाद हिम्मत छोड़ सकते हैं। इससे उनकी मृत्यु हो सकती है। जन्मदिन तनाव भी ला सकता है।

क्या कहते हैं अध्ययन

जापान में 2016 की एक स्टडी हुई. इसमें पाया गया कि जन्मदिन पर आत्महत्या की संभावना 50% ज्यादा होती है। 2015 में अमेरिका में एक अध्ययन हुआ। इसमें पाया गया कि जन्मदिन पर मरने का खतरा 6.7% ज्यादा होता है। 2012 में स्विट्जरलैंड की एक स्टडी में भी यही बात सामने आई। 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में जन्मदिन पर मृत्यु का खतरा 13.8% ज्यादा था।

क्या रिकॉर्ड में हो सकती है गलती?

कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि मृत्यु रिकॉर्ड में गलतियां हो सकती हैं। जन्मदिन और मृत्यु की तारीख एक ही लिख दी जाती है। लेकिन, होली मैकह्यू का कहना है कि ऐसी गलतियां बहुत कम होती हैं। ये नतीजों को ज्यादा प्रभावित नहीं करतीं।

रोचक खबरें

क्या इस 16 साल की लड़की का ईरान को लगा श्राप?

तेहरान। इजराइल और ईरान के बीच जंग जारी है। यह लड़ाई हर दिन खतरनाक रूप लेती जा रही है। अमेरिका ने ऐसे समय में यह हमला किया जब ईरान का परमाणु कार्यक्रम इजराइल के लिए चिंता का कारण बना हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस जंग का अंत ईरान में सत्ता परिवर्तन के साथ हो सकता है। इस लड़ाई के बीच सोशल मीडिया पर एक पुरानी कहानी की खूब चर्चा हो रही है। यह एक 16 साल की लड़की आतेफा साहलेह की कहानी है। इस लड़की की कहानी ने वर्षों पहले लोगों को झकझोर कर रख दिया था। सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है कि एक मासूम लड़की का ईरान को श्राप लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 15 अगस्त 2004 को ईरान के नेका शहर में एक लड़की को सरेआम भीड़ के सामने घसीटा गया। एक मोबाइल क्रेन को अस्थायी फांसी के फंदे में बदल दिया गया है। वहीं पर 16 साल की आतेफा साहलेह को 'चरित्रहीनता' के आरोप में फांसी दे दी गई थी।

लड़की पर क्या था आरोप?

ईरान की नैतिक पुलिस ने कहा कि आतेफा का एक पुरुष के साथ यौन संबंध था, जिसके आरोप में उसे सजा-ए-मौत सुनाई गई। इसे तेहरान की अपीली अदालत ने भी मंजूरी दे दी। एक सड़क हादसे में आतेफा की मां की मृत्यु हो गई थी, जिसके उसके पिता को नशे की लत लग गई। वह अपने दादा-दादी के साथ रहती थी। वह खाना बनाना और घर संभालना सब कुछ करती थी, लेकिन भावनात्मक रूप से वह अकेली थी। एक मनोवैज्ञानिक रिपोर्ट में बताया गया कि वह स्नेह और अपनापन की खोज में थी।

रहस्यमयी पत्थर के मटके के बारे में वैज्ञानिक भी नहीं कर पाए पता

वियनतियाने। दुनिया रहस्यों से भरी हुई है। वैज्ञानिकों के शोध में समय-समय पर नए खुलासे होते रहते हैं। लेकिन, दुनिया में अभी भी कई ऐसे रहस्य हैं, जिन्हें वैज्ञानिक भी आज तक नहीं सुलझा पाए हैं। एक ऐसा ही रहस्य एशियाई देश लाओस में है, जिसे 'प्लेन ऑफ जार' यानी 'जार का मैदान' कहा जाता है। यहां बड़े-बड़े पत्थरों से बने हजारों रहस्यमयी मटके मौजूद हैं, जो पूरी दुनिया को हैरान करते हैं। लाओस के शियांगखुआंग प्रांत में 90 से अधिक ऐसी जगहें हैं, जहां 400 से अधिक पत्थर के जार यानी मटके हैं। कई मटकों के ऊपर तो पत्थर के ढक्कन भी मिले हैं। बताया जाता है कि इन मटकों की ऊंचाई एक से तीन मीटर तक है।

गिराए थे 26 करोड़ से अधिक क्लस्टर बम

वियतनाम युद्ध के दौरान 1964 से 1973 के बीच अमेरिकी वायु सेना ने शियांगखुआंग प्रांत में 26 करोड़ से अधिक क्लस्टर बम गिराए थे। हालांकि, इनमें से कई करोड़ ऐसे थे, जो फटे ही नहीं थे। पत्थरों के मटके वाले कई इलाकों में ये बम आज भी वैसे के वैसे ही पड़े हुए हैं। हालांकि, कुछ जगहों से इन बमों को हटा लिया गया है।

इंटरव्यू देने आए लोगों का एचआर चुराता था पर्स, चोरी के पैसों से 120 जगहों पर घूमा

बीजिंग। बहुत से लोग होते हैं जिन्हें घूमने का शौक होता है। इस तरह के ज्यादातर लोग घूमने के लिए पहले पैसे इकट्ठा करते हैं और फिर तय की हुई जगह पर घूमकर आते हैं। इसके बाद फिर से पैसा इकट्ठा करते हैं और फिर घूमने जाते हैं। लेकिन, क्या आपने सुना है कि कोई अपना घूमने का शौक पूरा करने के लिए चोरी करता हो? शायद नहीं, लेकिन आज हम आपको ऐसे शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

सैलरी पड़ जाती थी कम

चीन में पुलिस ने एक 25 वर्ष के व्यक्ति को गिरफ्तार किया जो चोरी करके पूरी दुनिया घूमने का शौक रखता है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का नाम 'अन' बताया गया है, जिसने शंघाई की एक मशहूर यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की है। इसके अलावा एक बड़ी कंपनी ह्यूमन रिसोर्स (एचआर) डिपार्टमेंट में काम करता है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की कमाई 10 हजार युआन (1.20 लाख रुपए) महीना है और वो इस कमाई में अपनी बेहतरीन ट्रैवलिंग के खर्चों से मेल नहीं खाती।

3 साल में घूमा 120 देश

ऐसे में उसने लोगों के पर्स चोरी करने का काम शुरू किया। आमतौर पर वह कैश और क्रेडिट कार्ड से भरे बटुए चुराता था और फौरन उनका इस्तेमाल टिकट खरीदने और होटल बुक करने में करता था। इसी तरह से वो पिछले तीन सालों में 120 से ज्यादा बार देश और विदेश की यात्रा कर चुका है और ये सब उसने चोरी के पैसों से किया। हालांकि, कब तक वो इसी तरह करता रहता, एक ना एक दिन तो पकड़ा ही जाना था।

कैसे खुली पोल?

आखिर में उसका भंडाफोड़ तब हुआ जब एक शख्स, जो उसकी कंपनी में इंटरव्यू देने आया था, अपना बटुआ गायब होने की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचा। उसने बताया कि इंटरव्यू के दौरान अन का व्यवहार संदिग्ध था और बाद में बैंक से फोन आया कि उसके क्रेडिट कार्ड से एक विदेशी टिकट बुक किया गया है। वो भी अन के नाम से। जिसके बाद पुलिस ने अन के घर छापा मारा और वहां से दो और लोगों के पर्स बरामद किए। गिरफ्तारी के वक्त अन अफ्रीका जाने की तैयारी कर रहा था और उसने उसके लिए वैक्सीन भी लगवा ली थी।

कांच की बोतल को प्लास्टिक से सेफ मानते हैं तो सावधान, माइक्रोप्लास्टिक की मिली भरमार

लंबे समय यह धारणा चली आ रही थी कि प्लास्टिक की बोतल में रखे पेय पदार्थ स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह होते हैं। यही वजह है कि कांच के बोतल को ज्यादा सुरक्षित बताया जाता है, लेकिन एक नई स्टडी ने इस धारणा को चुनौती दी है। फ्रांस की खाद्य सुरक्षा एजेंसी के एक अध्ययन में दावा किया गया गया है कि कांच की बोतल में प्लास्टिक की बोतल की तुलना में अधिक माइक्रोप्लास्टिक होते हैं।

नई स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा

एजेंसी ⏭ पेरिस

स्टडी के नतीजों को जर्नल ऑफ फूड कंपोजिशन एंड एनालिसिस में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं को शुरू में उम्मीद थी कि कांच की बोतलें प्लास्टिक की बोतलों की तुलना में अपेक्षाकृत सुरक्षित होंगी, लेकिन नतीजों ने उन्हें चौंका दिया। शोध का नेतृत्व करने वाली इसेलिन चैब ने कहा, हमें एकदम उलट परिणामों की उम्मीद थी।' स्टडी के अनुसार, कोल्ड ड्रिंक्स, नींबू पानी, आइस्ड टी और बीयर की कांच की बोतलों में प्रति लीटर लगभग 100 माइक्रोप्लास्टिक कण होते हैं, जो प्लास्टिक या धातु के कंटेनरों की तुलना में 50 गुना अधिक है।

प्लास्टिक बोतल से ज्यादा दूषित है कांच

फ्लैट और स्पार्कलिंग वॉटर के सभी प्रकारों में माइक्रोप्लास्टिक का अपेक्षाकृत कम स्तर दिखा। कांच की बोतलों में प्रति लीटर लगभग 4.5 कण, जबकि प्लास्टिक की बोतलों में 1.6 कण थे। नतीजों से साफ है कि वाइन को छोड़कर सभी पेय पदार्थों के लिए कांच के कंटेनर दूसरी पैकेजिंक की तुलना में अधिक दूषित थे। रिचर्स डायरेक्टर गिलौम डुफ्लोस ने कहा कि अभी भी इस विरोधाभास का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। एजेंसी ने एक संभावित समाधान का परीक्षण किया है जो समस्या को ठीक कर सकता है। स्टडी में बताया गया कि उन्हें बाहर निकालने और पानी/एथेनॉल/पानी से धोने से प्रति कैप्सूलेटेड बोतर में माइक्रोप्लास्टिक की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है।

कैसे जमा हो रहा माइक्रोप्लास्टिक?

माइक्रोप्लास्टिक का मुख्य स्रोत ढक्कन के होने का अनुमान लगाया गया, क्योंकि पेय पदार्थों में अलग किए गए अधिकांश कण ढक्कन के रंग के समान थे। चैब ने कहा, हमने देख कि कांच के कंटेनर में सैंपल से निकलने वाले कण एक ही आकार, रंग और संरचना के थे। सभी बोतलों में से बीयर बोतलों में माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा सबसे अधिक थी, जिसमें औसतन 60 कण प्रति लीटर थे। उसके नींबू पानी में लगभग 40 प्रतिशत था।

दुनिया के पांच अनोखे गांव, जो अजीबोगरीब कारणों से हैं मशहूर

काठमांडू। दुनिया में ऐसे कई गांव हैं, जो किसी न किसी वजह से मशहूर हैं। किसी को उसकी खूबसूरती के लिए जाना जाता है तो कोई साफ-सफाई के लिए जाना जाता है, लेकिन हम आपको अपनी खबर में उन गांवों के बारे में बताएंगे, जो खूबसूरती के साथ-साथ अजीबोगरीब वजहों से भी दुनियाभर में मशहूर हैं। इन गांवों के बारे में जब आप जानेंगे तो हैरान हो जाएंगे।

तिआंझु

चीन के तिआंझु में एक गांव है, जिसका नाम 'कुंग-फू विलेज' है। यहां के लोग अपने हुनर की वजह से दुनियाभर में मशहूर हैं। इस गांव में शायद ही ऐसा कोई होगा, जिसे कुंग-फू न आता हो। दुनियाभर से लोग इस गांव में आते हैं और यहां के लोगों से मिलते हैं जिन्हें कुंग-फू सीखना होता है, वो सीखते भी हैं।

होकसे

नेपाल का होकसे गांव 'किडनी वाले गांव' के नाम से मशहूर है। यहां का लगभग हर व्यक्ति एक किडनी के सहारे ही जिंदा है। लोगों ने अपनी एक किडनी निकलवा कर बेच दी है। कहा जाता है कि उन्हें मानव अंगों की तस्करी करने वालों ने पैसों का लालच दिया था और कहा था कि किडनी फिर से उग आएगी। यही वजह है कि इस गांव का नाम ही किडनी वैली' पड़ गया है।

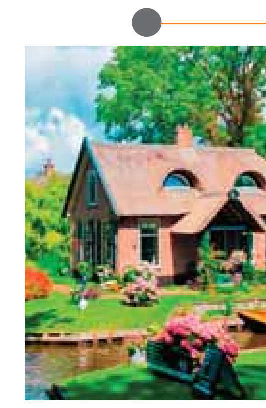

गिएथूर्न

नीदरलैंड का गिएथूर्न गांव अपनी खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है और साथ ही साथ एक अजीब वजह से भी। दरअसल, इस गांव में एक भी सड़क नहीं है। इस वजह से यहां न तो किसी के पास कोई गाड़ी दिखती है और न ही मोटरसाइकिल। दरअसल, इसकी वजह ये है कि यह गांव पानी के ऊपर बसा हुआ है। यहां लोग कहीं भी आने-जाने के लिए नावों का सहारा लेते हैं। यहां घूमने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं।

विगानेला

इटली अपनी खूबसूरती के लिए दुनियाभर में जाना जाता है। यहां का एक गांव है विगानेला, जो मिलान शहर की एक गहरी घाटी के नीचे स्थित है। यह गांव पूरी तरह से घाटियों से घिरा हुआ है और इतनी गहराई में बसा हुआ है कि यहां सर्दियों में लगभग तीन महीने तक सूरज की रोशनी बिल्कुल भी नहीं पहुंचती। इसलिए, गांव के ही कुछ इंजीनियरों और वास्तुकारों ने मिलकर एक बड़ा सा आईना बनाया है, जिससे रिफ्लेक्ट (प्रतिबिंबित) होकर धूप की किरणें गांव में पहुंच जाती हैं और पूरे गांव को सूरज की रोशनी मिल जाती है। इस वजह से लोग कहते हैं कि इस गांव का अपना अलग ही सूरज है।

जुजकार

स्पेन में जुजकार नाम का एक गांव है, जो पूरा का पूरा नीला है, यानी यहां हर किसी का घर नीले रंग का है। कहा जाता है कि साल 2011 में यहां एक थ्री-डी फिल्म के लिए कुछ लोगों ने अपने घरों को नीले रंग से रंगवा दिया। इसके बाद तो धीरे-धीरे गांव के सभी लोगों ने अपने घरों को नीला बना दिया।

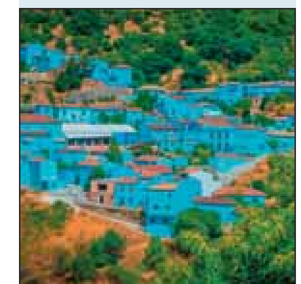

यह सोचना भी अजीब है कि इतने सालों तक समुद्र में थी बोतल

बोतल में संदेश रख समुद्र में फेंका, 31 साल बाद मिला जवाब!

वॉशिंगटन। बच्चे कई बार अजीब सी हरकतें करते हैं। हर इंसान बचपन में कुछ अलग हटकर प्रयोग करता है, और उन्हें भूल भी जाता है। पर क्या होकर आपने 30 साल पहले कुछ किया हो और उसका नतीजा आज देखने को मिले। बिल्कुल ऐसा ही कुछ एलैना बेरेसफोर्ड के साथ हुआ, जब उन्हें 43 साल की उम्र उस संदेश का जवाब मिला जो उन्होंने 31 साल पहले एक बोतल में डाल कर समुद्र में फेंका था। इतना नहीं, यह संदेश जिस महिला को मिला उसे भी बहुत हैरानी हुई और जब उसने संदेश में लिखे पते पर जवाब दिया उसके बाद उसे भी चौंकाने वाली बातें पता चलीं।

कहां चला गया था संदेश?

यह 1994 की बात है। एलैना तब 12 साल की थी। उसने समुद्र में एक बोतल में संदेश फेंका. किन उसे उम्मीद कतई नहीं थी कि यह संदेश 31 साल बाद मिलेगा। बोतल स्कॉटलैंड से 725 मील दूर नॉर्वे के एक समुद्र तट पर पहुंच गई। एलैना को एक दिन पोस्टकार्ड मिला जिस पर उसका नाम लिखा था। यह देखकर वह चौंक गई।

किसे मिला संदेश

पोस्टकार्ड में लिखा था कि उसका संदेश नॉर्वे में मिला। इसे 27 साल की पिया ब्रोडटमैन ने पाया। पिया एक चैरिटी के लिए समुद्र तट की सफाई कर रही थी। पिया ने एलैना को पोस्टकार्ड भेजा जिसके साथ कुछ तस्वीरें थीं। इनमें बोतल, पिया की नाव 'नेमो' और वह जगह थी जहां बोतल मिली।

पिया के लिए हैरानी की बात

पिया ने पोस्टकार्ड भेजकर एलैना को खुश करना चाहा। उसने लिखा कि बोतल कहां मिली और कौन सी जगह पर। पिया को पुराने तरीके से बात करना पसंद है। उसे पोस्टकार्ड और चिट्ठियां भेजना अच्छा लगता है। उसने कहा, 'डिजिटल मैसेज से पोस्टकार्ड ज्यादा खास है। यह तनाव नहीं देता। जब एलैना ने बताया कि संदेश 31 साल पुराना है, पिया हैरान रह गई। उसने कहा, यह सोचना भी अजीब है कि बोतल इतने सालों तक समुद्र में थी। यह कुछ महीनों या पांच साल पुरानी लग रही थी। पिया को यह भी हैरानी हुई कि एलैना अब भी उसी पते पर रहती है। उसने एलैना के घर के पास की तस्वीरें देखीं. उसने कहा, वह जगह इतनी सुंदर है कि कोई वहां से क्यों हटेगा।

एलैना ने क्यो किया था ऐसा?

एलैना ने बताया कि यह स्कूल प्रोजेक्ट का हिस्सा था। उनकी टीचर एन बूस ने प्रोजेक्ट शुरू किया था। उनके पति मछुआरे थे।उन्होंने बोतल को समुद्र में फेंका था. एलैना अब पिया के साथ फेसबुक पर जुड़ना चाहती है। वह अपनी पुरानी टीचर से भी मिलना चाहती है। लेकिन उनके पास टीचर का पता नहीं है। एलैना ने कहा, "मुझे बहुत खुशी हुई कि मेरा संदेश मिला। यह 31 साल बाद भी साफ था. यह बहुत हैरानी वाली बात है। पिया के लिए भी यह खोज खास थी। उसने बताया कि उसने बोतल को चट्टानों के बीच देखा। बोतल टूटी नहीं थी। उसमें पानी भी नहीं था। बोतल में एक कागज था. उस पर लिखा था, 'खोजने वाले के लिए।' पिया को लगा कि यह खास है। उसने लंच ब्रेक में अपने साथियों के साथ संदेश पढ़ा। पिया ने देखा कि बोतल में कागज साफ था। उस पर एलैना का पता लिखा था। पिया ने तुरंत जवाब देने का फैसला किया।

21वीं सदी में 19वीं सदी के फैशन और लाइफ स्टाइल से रहती है युवती

न्यूयार्क। लोग, खास तौर से महिलाएं, नए जमाने के फैशन को अपनाना चाहते हैं। बहुत से लोगों इसका बहुत गहराई से ध्यान रखते हैं। वे चाहते हैं कि वे ऐसा कपड़े पहने जो कभी आउट ऑफ फैशन ना लगे। ज्वेलरी पुराने समय की ना लगा यहां तक कि मेकअप स्टाइल भी लेटेस्ट ही हो. पर क्या आपने किसी ऐसे शख्स को देखा है जो खुद को सौ सवा सौ साल पुराने फैशन में दिखाना पसंद करता है। जी हां, एक युवा महिला ऐसा कर रही है। 2025 के दौर में अमेरिका के ओरोगन राज्य की एडिलेड बीमन-व्हाइट यही करती हैं। पेशे से वकील होने के बाद भी वे पुराने विक्टोरियन युग की स्टाइल के कपड़े पहनती हैं।

टाइम मशीन से आई लगती हैं

27 साल की एडिलेड बीमन-व्हाइट को देखते ही लगता है कि वे 19वीं सदी के दौर कि महिला हैं और वे टाइम मशीन से आई हैं। वे लंबी स्कर्ट पहनती हैं। उनकी आस्तीनें फूली हुई होती हैं। वे फेदर हैट और छाता भी रखती हैं। वे कहती हैं, 'मुझे 1893 से 1898 का समय पसंद है। उस दौर के कपड़े सबसे अच्छे थे।'

कोर्ट में नहीं इस्तेमाल करती हैं ये फैशन

एडिलेड इंस्टाग्राम पर अपने पुराने कपड़ों की तस्वीरें डालती हैं। वे चमड़े के दस्ताने पहनती हैं। उनके पास चैटेलेन भी है। यह एक धातु की बेल्ट है। इसमें नेल क्लिपर से लेकर सिक्कों की थैली तक होती है। लेकिन, कोर्ट में एडिलेड यह लुक नहीं रख सकतीं। कोर्ट के लिए वे साधारण कपड़े पहनती हैं। वे काले जे. क्रू ब्लेजर ही पहनती हैं।

कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में भाजपा ने आयोजित की प्रोफेशनल मीट

भोपाल को एआई राजधानी बनाने की मांग, चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सहित सदस्यों ने सीएम को भेंट किया स्मृति चिन्ह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकसित भारत का अमृत कालः सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 11 साल विषय पर कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर जिला भाजपा भोपाल द्वारा प्रोफेशनल मीट का आयोजन किया गया।

बीसीसीआई प्रवक्ता अजय देवनानी ने बताया कि इस अवसर पर भोपाल चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली, सुनील जैनाविन, प्रवक्ता अजय देवनानी, अमित तदैया जैन, मुनीन्द्र वैद्य सहित अन्य सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार का मार्गदर्शन मिला।

भाजपा की प्रोफेशनल मीट में क्रेडाई भोपाल की 'कमाल का भोपाल' रिपोर्ट पर मुख्यमंत्री से संवाद

एआई लाइटहाउस सिटी और लॉजिस्टिक केपिटल

राजधानी को भारत की पहली एआई लाइटहाउस सिटी और लॉजिस्टिक केपिटल के रूप में विकसित करने संबंधी क्रेडाई भोपाल का प्रस्ताव शुक्रवार को भाजपा की प्रोफेशनल मीट में मंच पर पहुंचा, जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने 'कमाल का भोपाल' रिपोर्ट का सार्वजनिक अवलोकन किया।

कई गणमान्य नागरिक रहे मौजूद

कार्यक्रम में संभाग प्रभारी श्रीकांत देव सिंह, विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, पूर्व विधायक ध्रुव नारायण सिंह, जिला प्रभारी महेन्द्र सिंह यादव, शैलेन्द्र शर्मा उपस्थित रहे। इस विशेष मीट में उद्योगपति, डॉक्टर, बिल्डर ,ऑटोमोबाइल सेक्टर के डीलर इंजीनियर, अधिवक्ता, शिक्षाविद, साहित्यकार, विभिन्न व्यापारिक संगठनों के अध्यक्ष, चौंबर ऑफ कॉमर्स एवं केमिस्ट एसोसिएशन के सदस्यगण सम्मिलित हुए।

2200 एकड़ बीएचईएल की भूमि पर एआई सिटी का दिया सुझाव

कमाल का भोपाल' अभियान के प्रमुख एवं अध्यक्ष क्रेडाई भोपाल मनोज मीक ने सुझाव दिया कि बीएचईएल से मिलने वाली 2200 एकड़ जमीन पर एआई लाइटहाउस और स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप का विकास किया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक संकेत दिए।

ज़िलाध्यक्ष ने रिपोर्ट के साथ सौंपा समर्थन पत्र

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रवीन्द्र यति ने मुख्यमंत्री को क्रेडाई द्वारा तैयार 'कमाल का भोपाल' रिपोर्ट पार्टी के समर्थन पत्र के साथ सौंपते हुए कहा कि यह रिपोर्ट राजधानी के योजनाबद्ध विकास का सबसे सटीक और समयोचित दस्तावेज है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस विज़न को बिंदुवार लागू करने का औपचारिक अनुरोध किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मैंने इस रिपोर्ट को ग्लोबल इंवेस्टर समिट के दौरान भी देखा था। इसमें जो सुझाव हैं, वे भोपाल के लिए मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। कई बिंदुओं पर शासन स्तर पर पहले से कार्य शुरू हो चुका है।"

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित हुआ योग कार्यक्रम

योग मानव शरीर के अनुशासन के साथ विश्व के कल्याण का मार्ग करता है प्रशस्तः शिवप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजपा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने पार्टी पदाधिकरियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश कार्यालय में योग किया।

इस दौरान राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि "योगः कर्मसु कौशलम" अर्थात, योग हमें सिखाता है कि हम अपने प्रत्येक कर्म को कुशलतापूर्वक और समर्पण-भाव से परमात्मा को अर्पित करते हुए करें। यह केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। "समत्वं योग उच्यते" अर्थात योग का सार है समभाव; संसार के प्रत्येक व्यक्ति और स्थिति को सम दृष्टि से देखना। यही समत्व जीवन में संतुलन और स्थिरता लाता है। "अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम, उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम" उदार दृष्टिकोण वाले समस्त वसुधा को ही अपना कुटुम्ब मानते हैं। भारतीय संस्कृति का यही मूल चिंतन है संघर्ष, शोषण और युद्ध से ऊपर उठकर 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भावना के साथ सबके कल्याण की दिशा में चलना। योग शरीर के अनुशासन के साथ विश्व के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है।

भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री, मुख्यमंत्री डॉ. यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने किया योग

योग सनातन हिन्दू धर्म और संस्कृति का मानवता के लिए अमूल्य उपहार:सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि योग एक ऐसी दिव्य अवस्था है जब चेतना और परम चेतना का मिलन होता है। इस अवस्था को प्राप्त करने का अवसर हर जीव के पास है। योग सनातन हिन्दू धर्म और संस्कृति का सम्पूर्ण मानवता के लिए अमूल्य उपहार है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भाजपा द्वारा प्रदेशभर में मंडल और बूथ स्तर पर योग के कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। आज विश्व के 180 से अधिक देशों ने योग कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से विश्व ने योग अपनाया है।

दुनिया ने हमारी भारतीय संस्कृति के प्रतीक योग को आत्मसात कियाः शर्मा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भाजपा द्वारा प्रदेशभर में मंडल और बूथ स्तर पर योग के कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। आज विश्व के 180 से अधिक देशों ने योग कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजब पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तब उन्होंने दुनिया के देशों को स्वस्थ रहने के लिए योग को अपनाने की सलाह दी थी और दुनिया के देशों ने हमारी भारतीय संस्कृति के प्रतीक योग को आत्मसात किया। आज पूरे विश्व में योग की यश-पताका फहरा रही है।

यह भी रहे उपस्थित

कार्यक्रम का संचालन पार्टी के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सवनानी ने किया और आभार प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने माना। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह, प्रदेश महामंत्री शरतेन्दु तिवारी, संभाग प्रभारी विजय दुबे, प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, जिला प्रभारी महेन्द्र यादव, पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, सत्येन्द्र भूषण सिंह, एस एस उप्पल सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदेश के हर मंडल और बूथ पर हुए योग कार्यक्रम

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि पार्टी ने योग दिवस पर प्रदेश भर के मंडल और बूथ पर योग के कार्यक्रम आयोजित किए गए है। पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने स्थानीय जनता के साथ मिलकर योग कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया है।

एनएफएसयू परिसर और केन्द्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की रखी आधारशिला

दो दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ पहुंचे गृह मंत्री शाह

मानसून के दौरान भी जारी रहेगा नक्सलियों के खिलाफ अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के लिए रायपुर पहुंचे। रायपुर विमानतल पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, डीजीपी अरुण देव गौतम ने उनका स्वागत किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) परिसर और केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की आधारशिला रखी। राज्य के दो दिवसीय दौरे पर आए शाह के साथ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह और मंत्री भी थे। वे नक्सलवाद पर छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड और ओडिशा के डीजीपी/एडीजीपी एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे।

पीएम का विजन नवाचार, बुनियादी ढांचे, आर्थिक प्रगति पर केंद्रित

आज नक्सलियों के खिलाफ लड़ने वाले सुरक्षा बलों के जवानों से भेंट करेंगे। उन्होंने कहा कि एक सभ्य समाज में हिंसा और लाल आतंक का कोई स्थान नहीं है। इसीलिए, हमने नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया है और इसे पूरा करके ही रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोहराया कि 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम मॉनसून के दौरान माओवादियों को चैन से नहीं बैठने देंगे, बारिश में भी उनके खिलाफ अभियान जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि हथियार डालकर विकास की यात्रा में शामिल हों, नक्सलियों से बातचीत की कोई जरूरत नहीं। पीएम

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिलेगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं।

वृष — आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। आय में भी वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

मिथुन — आत्मसंयत रहें। आय में वृद्धि होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन होगा। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा।

सिंह — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — परिवार का साथ मिलेगा। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। भाइयों का सहयोग रहगा।

तुला — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों में अड़चनें आ सकती

वृश्चिक — धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु — वाणी में मधुरता रहेगी। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार में भी वृद्धि होगी। धनलाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश जाना हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन परेशान हो सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें।

मीन — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत रहें।

चंद घंटों में पुलिस ने ढूंढी अपहृत बालिका

कोरबा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की रात को एक नौ साल की बालिका का अपहरण हो गया। परिजनों ने मामले की शिकायत पुलिस से की। इसके बाद पुलिस कप्तान ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस ने कुछ घंटों के अंदर ही अपहरण की गई बालिका को जंगल से सुरक्षित खोज निकाला। जानकारी के अनुसार, महिला अपनी दो बेटियों के साथ रोजी मजदूरी कर दोनों बेटियों का भरण-पोषण करते आ रही है। कुछ दिन पहले ही उसकी बड़ी बेटी के साथ भी दुष्कर्म का मामला सामने आया था। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया था। इस बार उसकी छोटी बहन के साथ अपहरण का मामला सामने आया है। कोरबा सीएपी भूषण एक्का ने बताया कि सिविल लाइन क्षेत्र से बालिका के अपहरण की सूचना मिली। इसके बाद अपहरण की धारा पर अपराध दर्ज कर नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के नेतृत्व मे टीम गठित कर मामले के संदेही आरोपी दशरथ सिदार (19) पुत्र प्रताप सिदार पोडिबहार को देर रात हिरासत में लिया। पूछताछ की जा रही है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मवेशी से टकराई बाइक, तीन की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

करतला थाना क्षेत्र के सकदुक्ला में शनिवार शाम करीब छह बजे एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक रिश्तेदार थे और दादर बस्ती, मानिकपुर चौकी क्षेत्र के निवासी थे। हादसे की सूचना मिलते ही करतला पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

जानकारी के अनुसार, मृतक रामायण सिंह राठिया (43), सादराम राठिया (48) और सुख सिंह राठिया (40) बाइक पर सवार होकर कोटमेर रामपुर से दादर लौट रहे थे। वे रिश्तेदारी में भात खाने गए थे। रास्ते में तेज रफ्तार बाइक के सामने अचानक मवेशी आ गया, जिससे टकराने के बाद तीनों करीब 10 फीट दूर जा गिरे। रामायण और सादराम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सुख सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से उन्हें जिला मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। मृतक मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

शब्द पहेली - 5906

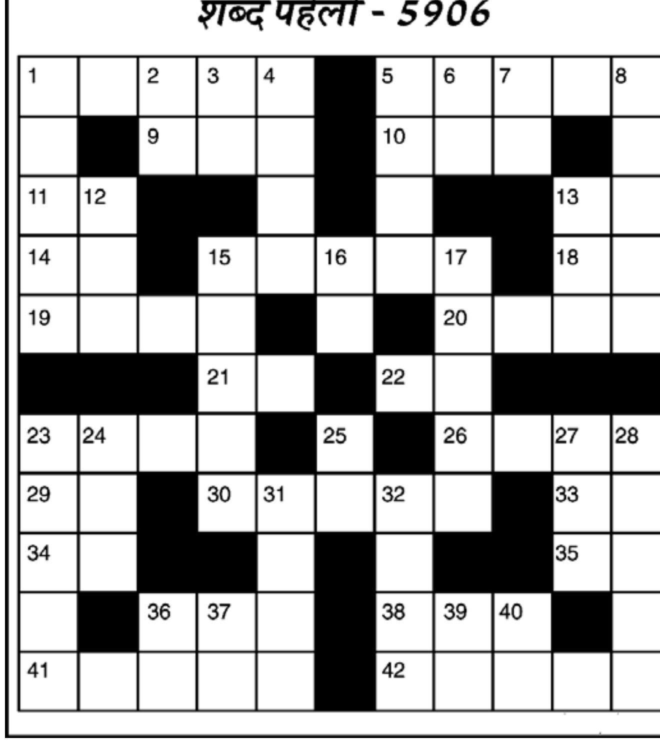

बाएँसेदाएं
1. मन मोहने वाला-5
5. प्रस्थान करना, रवानगी-5
9. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10. तेल में पकाना-3
11. प्रेम, प्यार-2
13. थोड़ा, जरा-2
14. मैं का बहुवचन-2
15. उम्मीद करना-5
18. धन, संपदा-2
19. पक्षियों की चहचहाट-4
20. अभिप्राय-4
21. सद्, अच्छा-2
22. दम, ताकत-2
23. प्रकाशवान-4
26. ठसाठस-4
29. माईल, दूरी नामपे की इकाई-2
30. क्रोधित होना-2,3
33. विदेशी शराब-2
34. झुका हुआ-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. आखेट मंच-3
38. खुजली-3
41. मनमोहकता-5
42. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. आकर्षक. चिताकर्षक-5
2. वैक्स, मधुज-2
3. अधिकार-2
4. फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5. जागरण-4
6. दीवार (अंग्रेजी-2)
7. मां के पिता-2
8. असफल-5
12. गर्भ, कोख-3
13. करामात-3
15. खातिरदारी -5
16. उद्देश्य-2
17. नामकरण-2,3
23. भूस्वामी-2,3
24. सही का विलोम-3
25. मृत्यु-2
27. इमामदस्ता-3
28. कांतिमान, चमकीला-5
31. उदारता, बड़प्पन-4
32. मालगोदाम-4
36. रत्न, नग-2
37. टी, चहा-2
39. याचिका, वाद (अंग्रेजी-2)
40. वहम, संदेह-2

शब्द पहेली -5905 का हल

का	ज		आ	ग		सा	थ		सु	रा
ल		ता	ना		आ	स		ख	ब	र
	ली	ला		सा	या		क	ल	ह	
म	न		रा	त		र	म	ल		वि
स्ती		फि	जा		अ	ग	ला		सा	दा
	शू	र		की	च	ड़		ता	र	
कु	ल		अ	म	ल		ख	त		मी
ली		ग	ल	त		प	ता		जा	न
	दो	ज	ख		क	ल		ता	ल	
घा	य	ल		दा	म		उ	म्र		मो
त	म		प	ग		कृ	ष्ण		क	र

सूडोकु नवताल- 5916

★★★★☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5915 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

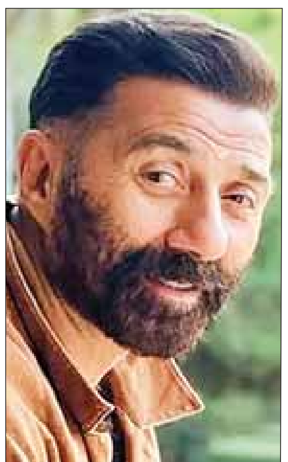

घायल को पूरे हुए 35 साल सनी ने लिखी दिल की बात

मुंबई। अभिनेता सनी देओल की फिल्म घायल उनके कॅरियर की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक है। लोगों को आज भी इस फिल्म के डायलॉग याद हैं। रविवार को इस फिल्म की रिलीज के 35 साल हो हुए। ऐसे में सनी देओल ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस फिल्म की एक क्लिप शेयर की है। घायल फिल्म साल 1990 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया था। सनी देओल ने इस फिल्म में अजय के किरदार को सिर्फ एक भूमिका से बढ़कर बताया है। उन्होंने बताया है कि यह फिल्म उनके लिए कितनी खास है। उन्होंने फिल्म के कई बेहतरीन दृश्यों को पोस्ट किया है।

लाइफ Style

फातिमा

मी टू के बाद आया बदलाव

एजेंसी ▸▸ मुंबई

अभिनेत्री फातिमा सना शेख इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मेट्रो इन दिनों'को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान फातिमा ने मी टू अभियान और कास्टिंग काउच को लेकर बात की।

साथ ही उन्होंने बताया कि मी टू अभियान के बाद इंडस्ट्री में कैसे चीजें बदली हैं और क्या बदलाव आया है। एक बातचीत के दौरान फातिमा ने कहा कि मी टू अभियान के बाद इंडस्ट्री में एक बदलाव देखने को मिल रहा है। काफी हद तक चीजें बदली हैं और जवाबदेही बढ़ी है। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे लगता है कि चीजें बदल गई हैं। लोग बहुत ज्यादा जवाबदेह हैं। वे थोड़े ज्यादा डरे हुए हैं। आज ज्यादातर फिल्म सेट पर दुराचार की शिकायतों को पुलिस मामलों में बढ़ने से पहले ही संबोधित करने के यूनिट हैं, ताकि आप उनसे इस मामलों से जुड़ी शिकायतें कर सकें। इन मुद्दों पर बातचीत को अब ज्यादा गंभीरता से लिया जाता है। अब बातचीत होती है। जांच होती है। यह हर इंडस्ट्री में होती है। उन्होंने आगे कहा, आप किसी के साथ काम कर रहे हैं, आप इंटीमेट हो गए हैं। लेकिन, फिर आप समझ नहीं पाते, चीजें बदल जाती हैं। ये सब अक्सर होता है। संदेह का लाभ अक्सर सही ढंग से, महिलाओं को दिया जाता है। क्योंकि, यह एक पुरुष प्रधान इंडस्ट्री है। और अब, मी टू के बाद, महिलाएं इसके बारे में बात कर सकती हैं। आपको जवाबदेह ठहराया जाएगा। अपने अनुभवों को बताते हुए अभिनेत्री ने कहा कि मैंने बॉलीवुड में इसका सामना नहीं किया है। ऐसा नहीं है कि इंडस्ट्री खराब है।

हॉलीवुड मसाला

ईश्वर के नाम पर किया घटियापन

लॉस एंजिल्स। भारतीय मूल की रैपर जेनेसिस यास्मीन मोहनराज, जिन्हें टॉमी जेनेसिस के नाम से जाना जाता है, उनका नया वीडियो 'ट्रू ब्लू' वायरल हो गया है। इसके बाद से ही सिंगर को कड़ी लोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। वीडियो में, वह नीले रंग के बॉडी पेंट, सोने के गहने और लाल बिंदी के साथ हिंदू देवी की तरह कपड़े पहने हुए दिखाई दे रही हैं, साथ ही एक ईसाई क्रॉस का इस्तेमाल भी कर रही हैं, जिसे कई लोगों ने अपमानजनक माना है। वीडियो में वह क्रॉस को चाटती हुई और उसके साथ अपनी पीठ के पास पोज देती हुई दिखाई देती हैं।

लू क्रिस्टी ने सिंगिंग कॅरियर में दिए बेहतरीन गाने गाए...

लॉस एंजिल्स। हाल ही में मशहूर पॉप सिंगर लू क्रिस्टी के निधन की जानकारी परिवार द्वारा साझा की है। वैराइटी की खबर के अनुसार उनकी मृत्यु का कारण अभी साझा नहीं किया गया है। अपने सिंगिंग कॅरियर में लू क्रिस्टी ने कई गीत गाने गाए, उनका सबसे चर्चित गाना 'लाइटनिन स्ट्राइक्स (1965)' माना जाता है। यह गाना अपने समय में म्यूजिक चार्ज में टॉप पर रहा था। लू क्रिस्टी का असल नाम अल्फ्रेडो जियोवानी सैको था। लू क्रिस्टी का जन्म 19 फरवरी 1943 को ग्लेनविलार्ड पेनसिल्वेनिया में हुआ था। वह पिट्सबर्ग में पले और बढ़े थे। हाईस्कूल में पढ़ते वक्त ही उन्होंने म्यूजिक की ट्रेनिंग लेनी शुरू कर दी। वह म्यूजिक इवेंट्स में गाना भी गाने लगे। लू क्रिस्टी के टीचर चाहते थे वह क्लासिकल म्यूजिक में करियर बनाए लेकिन क्रिस्टी की चाहत ऐसा म्यूजिक बनाने की थी तो रिकॉर्ड बनाए, लोगों के दिलों में हमेशा के लिए बस जाए।

रितेश ने जेनेलिया को कहा बाइको

मुंबई। रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा की जोड़ी काफी मशहूर है। दोनों अक्सर सोशल मीडिया रील बनाते हैं और एक-दूसरे की तारीफ करते हुए नजर आते हैं। रितेश देशमुख इन दिनों जेनेलिया जिसूजा की फिल्म 'सितारे जमीन पर' का प्रमोशन कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर रितेश देशमुख ने अपनी पत्नी को 'बाइको' बुलाया है और उनकी फिल्म की सफलता के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। रितेश देशमुख ने रविवार को इंस्टाग्राम पर अपनी पत्नी जेनेलिया डिसूजा और बच्चों के साथ एक बेहतरीन पोस्ट शेयर की है। तस्वीर में सभी लोग मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए रितेश देशमुख ने लिखा 'सितारे जमीन पर के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और इसकी समीक्षा से खुश हूं। मैं खुश हूं और गर्व है कि मैं आपका पति हूं।

जाग्रेब से शेयर कीं घिबली स्टाइल फोटो...

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' की शूटिंग में व्यस्त हैं। कार्तिक ने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान की कई शानदार तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। कार्तिक ने इन शानदार तस्वीरों और वीडियोज के साथ कैप्शन में लिखा, 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी'। कार्तिक फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगे। इस फिल्म में कार्तिक के साथ पहली बार अनन्या पांडे की जोड़ी नजर आएगी। इस फिल्म के अलावा कार्तिक फिल्म नागजिला में नजर आएंगे, जिसकी आधिकारिक घोषणा पहले ही की जा चुकी है। लियोनेल मेस्सी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो दोनों ही फुटबॉल के दिग्गज हैं जो न केवल अपने-अपने देशों में बल्कि पूरी दुनिया में जाने जाते हैं।

टीवी मसाला

ये सीरियल्स हैं दर्शकों के फेवरेट एक को हो चुके हैं 16 साल...

नई दिल्ली। जल्द ही सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी'का दूसरा सीजन आएगा। क्या आपको पता है कि इसका पहला सीजन लगभग 8 साल टीवी पर टेलीकास्ट हुआ। लेकिन, सबसे ज्यादा समय तक चलने वाले सीरियल में यह अकेला नहीं है। इसके बाद भी कई टीवी सीरियल आए, जो अब तक टेलीकास्ट हो रहे हैं। कॉमेडी से भरपूर सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को देखते हुए एक पीढ़ी बड़ी हुई। इस सीरियल को टेलीकास्ट होते हुए लगभग 17 साल हो चुके हैं। इस सीरियल में जेठालाल नाम का एक किरदार खूब पॉपुलर हुआ, इस किरदार को दिलीप जोशी निभाते हैं। सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अब तक तीन पीढ़ियां नजर आ चुकी हैं। इस सीरियल की शुरुआत में हिना खान ने अक्षरा का रोल निभाया था। इसके बाद अक्षरा की बेटी की जिंदगी पर सीरियल आधारित रहा। अब एक और कॉमेडी सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं' को भी टेलीकास्ट होते हुए लगभग 10 साल हो चुके हैं। इस शो में विभूति नारायण मिश्रा नाम के किरदार को आसिफ शेख निभाते हैं। वहीं अंगूरी भाभी के रोल में शुभांगी आत्रे नजर आती हैं। कई और किरदार भी इस सीरियल के फेमस हैं। सीरियल 'सीआईडी'भी लगभग 20 साल तक क्राइम्स स्टोरीज से दर्शकों का मनोरंजन करता रहा। मगर छह साल पहले इस सीरियल को अचानक बंद कर दिया गया। कुछ वक्त पहले ही इस सीरियल ने फिर वापसी की है। इन दिनों यह ओटीटी पर दर्शकों को देखने को मिल रहा है। इस सीरियल में एसीपी प्रद्युम का किरदार शिवाजी साटम निभाते हैं, वहीं इंस्पेक्टर अभिजीत और दया के रोल में आदित्य श्रीवास्तव और दया शेट्टी दिखते हैं।

लता और संजीव की राहें हुईं जुदा

नई दिल्ली। लगभग 16 साल की शादी के बाद लता सभरवाल और एक्टर संजीव सेठ की राहें जुदा हो चुकी हैं। अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी लता सभरवाल ने दी है। लता ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट की, उसमें लिखा है, 'एक लंबी चुप्पी के

बाद घोषणा करती हूं कि मैं (लता सबरवाल) अपने पति (श्री संजीव सेठ) से अलग हो गई हूं। मुझे एक प्यारा बेटा देने के लिए संजीव का आभार व्यक्त करती हूं। मैं उनके फ्यूचर के लिए बेस्ट विशेज भी देती हूं।' लता सभरवाल आगे लिखती हैं, 'मैं सभी से रिक्वेस्ट करती हूं कि प्लीज मेरे और मेरे परिवार की शांति का सम्मान करें। इस बारे में कोई सवाल न पूछें या फोन न करें।' आगे वह एक प्रेयर वाला एक इमोज भी टैग करती हैं। बताते चलें कि लता सभरवाल और संजीव सेठ ने सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में पति और पत्नी का रोल किया था। इस जोड़े के बीच प्यार इस सेट पर हुआ था, बाद में दोनों ने शादी कर ली।

अभिषेक ने किया मुश्किल रोल और बनाई पहचान : बिग बी

मुंबई। दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन अकसर अपने बेटे अभिषेक बच्चन के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं और उनका हौसला बढ़ाते रहते हैं। इसी कड़ी में

उन्होंने हाल ही में एक खूबसूरत पोस्ट की है। पोस्ट में अमिताभ बच्चन ने अभिषेक बच्चन की इसलिए तारीफ की कि वह न सिर्फ उनके बेटे हैं ,बल्कि वह एक अभिनेता भी हैं और अपने काम से उन्होंने इज्जत कमाई है। अमिताभ बच्चन ने अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की लाइन से शुरुआत करते हुए लिखा 'मेरे बेटे, बेटे होने से मेरे उत्तराधिकारी नहीं होंगे, जो मेरे उत्तराधिकारी होंगे वो मेरे बेटे होंगे। अमिताभ बच्चन ने अभिषेक बच्चन के लिए लिखा 'उन्होंने फिल्मों में मुश्किल रोल किया। उन्होंने अभिनय करने की हिम्मत की और पहचान बनाई।' अमिताभ बच्चन ने फिल्म 'कालीधर लापता' को अपना समर्थन दिया। फिल्म का ट्रेलर 21 जून को रिलीज हुआ था। इसके बाद अमिताभ बच्चन ने लिखा 'अभिषेक के साथ मेरी प्रार्थनाएं हैं। आपका अलग-अलग तरह की फिल्मों में अलग-अलग तरह का रोल चुनना और कामयाब होना बहुत अच्छा है।

सैकड़ों गांववालों की जिंदगी में भर रहे रोशनी

उठा रहे सारे खर्च, हर साल दान कर देते हैं 30% कमाई

मुंबई। महेश बाबू सिर्फ फिल्मी पर्दे के ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी हीरो ही हैं। तभी तो वह अपनी सालाना होने वाली कमाई का 30% हिस्सा डोनेट कर देते हैं। वह फिल्मों के अलावा बिजनेस, प्रमोशन और विज्ञापनों से मोटी कमाई करते हैं, पर इसका एक बड़ा हिस्सा जरूरतमंदों की मदद के लिए दान कर देते हैं।

दो गांव लिए गोद : महेश बाबू ने दो गांव भी गोद लिए हुए हैं, जिनके विकास से लेकर वहां के लोगों की हर जरूरत को पूरी करने की जिम्मेदारी महेश बाबू की है। उन्होंने पिता कृष्णा बाबू के गांव बुरिपलेम के अलावा तेलंगाना में सिद्धापुरम गांव को गोद लिया था। यह साल 2015 की बात है। इन गावों में महेश बाबू ने करोड़ों के प्रोजेक्ट शुरू करवाए, जिनसे उनकी सूरत ही बदल गई।

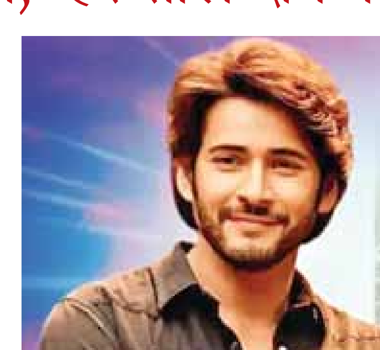

आंगनवाड़ी और अस्पताल से लेकर सड़कें तक बनवाईं : दोनों गांवों में महेश बाबू ने आंगनवाड़ी, कम्युनिटी हॉल और स्कूलों में क्लासरूम बनवाए। यहां तक कि गांव में पानी की पाइपलाइन भी बिछवाई, ताकि गांववालों को साफ पानी मिल सके। गांव में सड़कों से लेकर अस्पताल बनवाने की सभी जिम्मेदारियों को महेश बाबू ने बखूबी संभाला और आज भी संभाल रहे हैं। वह दोनों गांवों की हर जिम्मेदारी और जरूरत को अपने खर्चे पर उठाते हैं।

गरीबों की सेवा नहीं भूले

महेश बाबू की नेट वर्थ करीब 350 करोड़ रुपए है और जिस आलीशान घर में वह रहते हैं, उसकी कीमत 30 करोड़ रुपए बताई जाती है। एक फिल्म के लिए वह 60-80 करोड़ रुपए तक फीस लेते हैं। पर इतनी शानो-शौकत के बावजूद महेश बाबू आम जनता और जरूरतमंदों को नहीं भूले और कोशिश में रहते हैं कि उनके लिए जो बन पाए, वह करें।

4 साल की उम्र से कर रहे काम

महेश बाबू के पिता घटामनेनी सिवा रामा कृष्णा साउथ फिल्मों के बड़े स्टार रहे, जबकि मां हाउसवाइफ थीं। महेश बाबू बचपन में पिता के साथ सेट पर जाया करते थे। इस तरह उन्हें बचपन में ही एक्टिंग के गुर विरासत में मिल गए। मात्र 4 साल की उम्र में महेश बाबू ने पहली फिल्म की थी, और इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर महेश बाबू ने करीब 9 फिल्में कीं।

बेहतरीन अदाकारी के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड से जा चुका है नवाजा

कभी खतरनाक विलेन तो कभी रहमदिल पिता बने अमरीश पुरी

नई दिल्ली। बॉलीवुड फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी करने वाले अमरीश पुरी ने लगभग 450 फिल्मों में अभिनय किया था। उन्होंने फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभाए। कभी क्रूर विलेन बने तो कभी नर्मदिल पिता का किरदार भी बड़ी सादगी से निभाया। बेहतरीन अदाकारी के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है।

मिस्टर इंडिया : साल 1987 में रिलीज हुई फिल्म 'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी ने विलेन का किरदार निभाया था। मोगैंबो के रूप में वह खूब जमे थे। फिल्म में उनके किरदार को बेहद खतरनाक दिखाया गया था। फिल्म में उनके एक इशारे पर उनके आदमी अपनी जान दे देते हैं। बच्चों की मदद करने वाले अनिल कपूर जब मोगैंबो से मिलते हैं तो वह परेशान हो जाते हैं। फिल्म का एक मशहूर डायलॉग है 'मोगैंबो खुश हुआ।' फिल्म में श्री देवी और अनिल कपूर लीड रोल में थे।

दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे : फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में अमरीश पुरी ने काजोल के पिता बलदेव सिंह का किरदार निभाया था। फिल्म में वह काफी सख्त पिता बने थे। वह शाहरुख खान और काजोल की शादी के खिलाफ होते हैं। हालांकि आखिरी वक्त में वह बेटी की जिद के आगे हार जाते हैं और बेटी को शाहरुख खान के साथ जाने के लिए इजाजत दे देते हैं। फिल्म का डायलॉग 'जा सिमरन जा जी ले अपनी जिंदगी' बहुत मशहूर हुआ था।

नायक: अनिल कपूर स्टारर नायक में अमरीश पुरी ने एक भ्रष्ट मुख्यमंत्री का किरदार निभाया था। फिल्म में उन्होंने ऐसे नेता का किरदार निभाया था जो अपना काम जिम्मेदारी के साथ नहीं करता है लेकिन लोगों को ये दिखाता है कि उनके ऊपर बहुत दबाव है। हालांकि एक इंटरव्यू के बाद उनके जीवन में बड़ा बदलाव आता है। इस फिल्म में दर्शकों ने अमरीश पुरी को बहुत पसंद किया था।

गदर : सनी देओल स्टारर फिल्म 'गदर' में अमरीश पुरी ने पाकिस्तान के लाहौर के मेयर अशरफ अली का किरदार निभाया था। जिसकी बेटी सकीना (अमीषा पटेल) से सनी देओल को प्यार हो जाता है। फिल्म में अमरीश पुरी ने ऐसा दमदार अभिनय किया कि साल तक उनके डायलॉग दर्शकों को याद रहे। जब-जब फिल्म में उनका और सनी देओल का आमना-सामना हुआ वो सीन यादगार हो गए।

विरासत : विरासत में भी अमरीश पुरी ने एक पिता का रोल निभाया था। लेकिन इस बार वह नरम दिल पिता बने थे। फिल्म में उनका किरदार राजा ठाकुर का था, जिसका बेटा (अनिल कपूर) विदेश से पढ़ाई करके आता है। राजा ठाकुर चाहते हैं कि बेटा उनके साथ रहे पर बेटा शहर जाकर काम करना चाहता है। फिल्म में पिता -पुत्र के रिश्ते को बखूबी दिखाया गया है।

हलचल : हलचल फिल्म में अमरीश पुरी ने एक ऐसे पिता का रोल निभाया, जो अपने चारों बेटों की शादी के सख्त खिलाफ होता है। अमरीश पुरी को इस बात पर बहुत फख्र होता है कि उनके बेटे उनका कहना मानते हैं। अमरीश पुरी को जब पता चलता है कि उनके बड़े बेटे ने शादी कर ली है तो वह उसे बहुत पीटते हैं। फिल्म में उनके किरदार को खूब सराहा गया। इस कॉमेडी फिल्म में उनके किरदार को सराहा गया।

दामिनी : दामिनी में अमरीश पुरी ने एक वकील चड्ढा का किरदार निभाया था। सनी देओल दुष्कर्म पीड़िता को इंसाफ दिलाने के लिए अदालत जाते हैं लेकिन अमरीश पुरी वकील के रूप में उन्हें कड़ी टक्कर देते हैं। अमरीश पुरी अदालत में अपनी दलीलों को बहुत ही अच्छी तरीके से रखते हैं। फिल्म में उनके किरदार को खूब सराहा गया है।

कोयला : कोयला में अमरीश पुरी ने राजा साहब का किरदार निभाया था। फिल्म में अमरीश पुरी अय्याश और खतरनाक अपराधी बने थे। फिल्म में दिखाया गया कि अमरीश पुरी धोखे से एक लड़की से शादी कर लेते हैं। इसके बाद उनका टकराव शाहरुख खान से होता है।

टी20 विश्व कप : कनाडा क्वालीफाई करने वाला 13वां देश

एजेंसी ▸▸ ओंटारियो

कनाडा की पुरुष क्रिकेट टीम ने अमेरिकी क्वालीफायर में बहामास को सात विकेट से हराकर अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। कनाडा की यह लगातार पांचवीं जीत थी। कनाडा ने पिछले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुआ टी20 विश्व कप भी खेला था।

कनाडा क्वालीफाई करने वाला 13वां देश है। बीस टीमों के टूर्नामेंट में गत चैंपियन भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान भी खेलेंगे।

7 विकेट से बहामास को हराया

6 ओवर में हासिल किया 58 रन का लक्ष्य

3 विकेट लेकर कलीम साना बने प्लेयर ऑफ द मैच

और जुड़ेंगी सात टीमें

आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'सात और टीमें अभी इन टीमों से जुड़ेंगी जिनमें से दो यूरोपीय क्वालीफायर (पांच से 11 जुलाई), दो अफ्रीकी क्वालीफायर (19 सितंबर से चार अक्टूबर) और तीन एशिया ईएपी क्वालीफायर (एक से 17 अक्टूबर) से आएंगी।' कनाडा ने यहां खेले गए क्वालीफायर में 57 रन का लक्ष्य छह ओवरों में हासिल कर लिया। पहले गेंदबाजी करते हुए कनाडा ने स्पिनर कलीम सना और शिवम शर्मा के तीन तीन विकेट की मदद से बहामास को 19.5 ओवर में आउट कर दिया। इसके बाद दिलप्रीत बाजवा के नाबाद 36 रन की बदौलत लक्ष्य 5.3 ओवर में हासिल कर लिया।

अंडर-23 एशियाई कुश्ती

भारत ने छह स्वर्ण के साथ जीता टीम खिताब

एजेंसी ▸▸ वुंग ताऊ

भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल टीम ने अंडर-23 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छह स्वर्ण और एक रजत पदक के साथ टीम खिताब जीता। भारत ने टूर्नामेंट में अभूतपूर्व सफलता हासिल करते हुए पुरुष और महिला टीम चैंपियनशिप जीती। महिला टीम ने सभी 10 वर्ग में पदक जीते।

पुरुष फ्रीस्टाइल वर्ग में निखिल (61 किग्रा), सुजीत कलकल (65 किग्रा), जयदीप (74 किग्रा), चंद्र मोहन (79 किग्रा), सचिन (92 किग्रा) और विक्की (97 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते। जसपूरन सिंह ने 125 किग्रा वर्ग में रजत पदक हासिल किया। ग्रीको रोमन टीम ने टूर्नामेंट में एक स्वर्ण सहित तीन पदक जीते।

खबर संक्षेप

आर्चर भारत के खिलाफ खेल सकते हैं दूसरा टेस्ट

लंदन। चोटों से प्रभावित तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहा दूसरा टेस्ट खेल सकते हैं। भारत के खिलाफ एंडरसन तेंदुलकर श्रृंखला के पहले टेस्ट में आर्चर और मार्क वुड के बिना इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर दिखाई दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'जोफ्रा आर्चर ससेक्स के लिए लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करेंगे हालांकि उनका नाम काउंटी चैम्पियनशिप के इस मैच की टीम में नहीं था। अगर वह मैच खेल पाते हैं तो भारत के खिलाफ एडबस्टन में दूसरे टेस्ट की टीम में हो सकते हैं।'

भारतीय महिला टीम की नजरें नई शुरुआत पर

चियांग माइ। कोरोना महामारी के कारण पिछले एएफसी महिला एशियाई कप में भारतीय टीम अभियान पटरी से उतर गई थी। तीन साल बाद सोमवार से शुरू हो रहे क्वालीफायर्स में नए सिरे से शुरुआत करने महिला टीम उतरेगी जिसमें पहला मुकाबला मंगोलिया से होना है। एएफसी महिला एशियाई कप अगले साल आस्ट्रेलिया में खेला जाएगा। पिछले कुछ दशक में इस टूर्नामेंट में किस्मत ने भारत का साथ नहीं दिया है । भारतीय टीम ने आखिरी बार 2003 में एएफसी महिला एशियाई कप में जगह बनाई थी।

भारत-किर्गिस्तान के बीच मैच गोलरहित ड्रॉ

नई दिल्ली। भारत की अंडर 23 फुटबॉल टीम ने ताजिकिस्तान के हिसोर में दूसरे दोस्ताना अंतरराष्ट्रीय मैच में किर्गिस्तान के साथ गोलरहित ड्रॉ खेला। इस साल के आखिर में होने वाले एएफसी अंडर 236 एशियाई कप क्वालीफायर और 2026 एशियाई खेलों की तैयारी के लिए भारतीय टीम दो मैत्री मैच खेलने ताजिकिस्तान गई है। पहले मैच में उसे मेजबान टीम ने 3-2 से हराया। मुख्य कोच नौशाद मूसा ने पिछले मैच की प्रारंभिक एकादश में आठ बदलाव किए। सिर्फ डिफेंडर परमवीर, बिकास युंनाम और अभिषेक सिंह टेकचाम ही अपनी जगह बरकरार रख सके।

भारत की यूरोपीय चरण में लगातार छठी हार

एंटवर्प। भारतीय महिला हॉकी टीम रविवार को बेल्जियम से 0-2 से हार गई जो एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में उसकी लगातार छठी हार है। दो गोलरहित क्वार्टर के बाद बेल्जियम ने तीसरे क्वार्टर में लगातार दो गोल करके जीत सुनिश्चित की। बेल्जियम ने शनिवार को भी भारतीय टीम को 5-1 से हराया था। एंब्रे बेलेनघी ने 40वें मिनट में बेल्जियम को बढ़त दिलाई जबकि लिएन हिलेवार्ट ने इसके तुरंत बाद एक और गोल दागकर बेल्जियम को 2-0 से आगे कर दिया। भारत और बेल्जियम दोनों ने पहले हाफ में आक्रामक इरादे दिखाए।

टेस्ट : इंग्लैंड की टीम 465 पर आलऑउट, भारत को 6 रन की बढ़त

ब्रूक को तीन जीवनदान, 99 पर ऑउट भारतीय फील्डिंग पर उठे बड़े सवाल

एजेंसी ▸▸ लीड्स

क्रिकेट में एक कहावत आम है। कहा जाता है कि मैच जीतने के लिए कैच पकड़ना जरूरी है। कैच छोड़ोगे तो मैच फिसल जाएगा। इंग्लैंड दौरे पर पहुंची भारत की युवा टीम इस बात से अनजान दिख रही है और कैच पर कैच टपकाए जा रही है। इसका नुकसान उसे भुगतना पड़ा है। हैरी ब्रूक ने इस मैच में शानदार पारी खेली। ब्रूक काफी पहले ही आउट हो गए होते, लेकिन भारत ने उन्हें तीन जीवनदान दिए। ब्रुक को आखिरकार 99 रन पर प्रसिद्ध कृष्णा ने आउट किया।

हालांकि तीन जीवनदान के बाद भी ब्रूक शतक नहीं बना सके और तीसरे दिन दूसरे सेशन में 99 रनों पर आउट हुए। ब्रूक यहां तक भी नहीं आ पाते अगर भारतीय फील्डरों ने उनका साथ नहीं दिया होता तो। और अगर ब्रूक पहले ही आउट हो गए होते तो भारत की इस मैच में स्थिति बेहद मजबूत हो सकती थी। अब ब्रूक ने जो रन बनाए हैं वो भारत को भारी पड़ सकते हैं और इससे उनकी बढ़त कम हो गई।

एक नहीं मिले तीन जीवनदान

1. ब्रूक को पहला जीवनदान मिला था दूसरे दिन आखिरी ओवर में। बुमराह की छोटी गेंद पर मोहम्मद सिराज ने उनका कैच लपक लिया था, लेकिन यहां किस्मत ने उनका साथ दिया। ये गेंद नौ बॉल थी। ब्रूक दूसरे दिन बिना खाता खोले नाबाद लौटे थे।
2. दूसरे दिन उन्हें एक और जीवनदान मिला जब वह 42 रनों पर थे। रवींद्र जडेजा की गेंद ने उनके बल्ले का किनारा लिया जिसे विकेटकीपर पंत अपने दस्तानों में कैद नहीं कर पाए।
3. ब्रूक को तीसरा जीवनदान 82 के कुल स्कोर पर मिला। इस बार भी गेंदबाज बुमराह थे। ऑफ स्टम्प के बाहर की गेंद को ब्रूक ने खेला और गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा लिया। गेंद गई स्लिप में खड़े यशस्वी के पास गई जिन्होंने ये कैच टपका दिया।

अंत में कैच आउट

ब्रूक शतक के करीब पहुंचे। लग रहा था कि वह शतक बना लेंगे। तभी प्रसिद्ध कृष्णा की एक बाउंसर ने उन्हे डीप स्क्वायर लेग पर शार्दुल ठाकुर के हाथों आउट कर दिया। ठाकुर ने इंग्लिश बल्लेबाज को चौथा जीवनदान नहीं दिया। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 112 गेंदों का सामना किया जिनमें से 11 पर चौके और दो पर छक्के मारे।

डकेट के भी दो कैच छोड़े

इस मैच में भारतीय टीम की फील्डिंग सवालों के घेरे में है। टीम के खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े। बेन डकेट को दो जीवनदान मिले और उन्होंने अर्धशतक जमाया। उनको यशस्वी और जडेजा ने जीवनदान दिया था। इंग्लैंड के लिए इस मैच में शतक जमाने वाले ओली पोप को भी जीवनदान मिला।

बुमराह ने झटके 5 विकेट

बुमराह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटककर अंग्रेजों की पारी का अंत किया।इंग्लैंड की टीम ने ओली पोप के शतक और ब्रुक के 99 रन के सहारे 466 पर आलऑउट हो गई। भारतीय टीम पहली पारी के आधार पर 6 रन की मामूली बढ़त बना सकी।

पांच खिलाड़ियों ने बनाई संयुक्त बढ़त

मुंबई। भारतीय ग्रैंडमास्टर एम ललित बाबू और आर्मेनिया के आर्सेन दावत्यान ने रविवार को यहां ऑरियनप्रो इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर एवं जूनियर शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में अपने मैच ड्रॉ खेले जिससे अन्य खिलाड़ियों को उनकी बराबरी पर पहुंचने का मौका मिल गया। अब जबकि इस प्रतियोगिता में छह दौर की बाजियां खेली जा चुकी हैं तब पांच खिलाड़ी 5.5 अंक लेकर संयुक्त बढ़त पर हैं जिससे मुकाबला रोमांचक बन गया है।इंडोनेशिया के अंतरराष्ट्रीय मास्टर नायका बुद्धिधर्मा ने शीर्ष वरीयता प्राप्त जॉर्जिया के ग्रैंडमास्टर लेवन पंत्सुलिया के साथ ड्रॉ खेल कर अपनी छाप छोड़ी। अंडर-13 वर्ग में अंश नंदन नेरुरकर और मधेश कुमार ने शीर्ष बोर्ड पर कड़े मुकाबले के बाद अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। वे 5.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं।

कमल की एशियाई स्नूकर में शानदार शुरुआत

कोलंबो। मौजूदा आईबीएसएफ विश्व 6-रेड स्नूकर चैंपियन कमल चावला ने अपनी ख्याति के अनुरुप प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां एसीबीएस एशियाई 6-रेड स्नूकर चैंपियनशिप के पहले दिन मकाउ चीन के वाइ इप लैम पर 4-1 से एकतरफा जीत दर्ज की। चावला ने ग्रुप सी मैच के दूसरे फ्रेम में शानदार 66 का स्कोर बनाया। उन्होंने इसके बाद भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और लैम को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। भारत के अन्य खिलाड़ियों में राष्ट्रीय चैंपियन पारस गुप्ता ने ग्रुप डी के मैच में श्रीलंका के मोहम्मद मुबीन को (4-3) से और पुष्पेंद्र सिंह ने ग्रुप ए में बांग्लादेश के जियाउर रहमान आजाद को 4-1 से पराजित किया।

शतक का मनोरंजक प्रदर्शन

पंत आंकड़ों के खेल में माहिर उसका अपना कंप्यूटर : शास्त्री

एजेंसी ▸▸ लीड्स

भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ऋषभ पंत के साहसिक और मनोरंजक प्रदर्शन की सराहना की। कहा कि यह आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज आंकड़ों का खेल खूबसूरती से खेलता है और उसके पास अपना कंप्यूटर है जिसे चलाने का तरीका सिर्फ उसे ही पता है।

पंत ने दूसरे दिन अपनी अपारंपरिक बल्लेबाजी से हेडिंग्ले के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हुए मात्र 178 गेंदों पर 12 चौकों और छह छक्कों की मदद से 134 रन की साहसिक पारी खेली। पैडल स्वीप, शतक के बाद की कलाबाजी, पंत की यादगार पारी में कलात्मकता और पागलपन दोनों ही समान रूप से देखने को मिले। शास्त्री ने स्काय स्पोर्ट्स से कहा, 'पंत आंकड़ों के खेल को खूबसूरती से खेलता है। वह अपने तरीके से खेलता है।

वह तेजी से अपने खेल में बदलाव लाने में माहिर है। उसका अपना कंप्यूटर है और उसे ही पता है कि वह कैसे काम करता है। यह उसका यूएसपी है।इससे गेंदबाज दबाव में आते हैं और वह सुपरहिट हो जाता है। असली मनोरंजन करने वाला और मैच विनर।'

ऋषभ ने अपने डिफेंस पर काम किया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब शॉट खेल कर अपना विकेट गंवाने वाले ऋषभ पंत ने इसके बाद अपनी रक्षात्मक तकनीक पर जमकर काम किया। इसका परिणाम यह रहा कि वह इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में चल रहे पहले टेस्ट मैच में ही शतक जड़ने में सफल रहे। यह खुलासा उनके बचपन के कोच देवेंद्र शर्मा ने किया। शर्मा ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया में असफल होने के बाद उन्होंने अपनी रक्षात्मक तकनीक में काफी बदलाव किए और अपने स्ट्रोक पर लगाम कसी जो आपने इस मैच में भी देखा होगा। पंत मैच विजेता हैं।'

बुमराह सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज सामना करना मुश्किल

लीड्स। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट का मानना है कि जसप्रीत बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन 48 रन देकर तीन विकेट लिए जिसमें जो रूट का विकेट शामिल है। डकेट ने दूसरे दिन के खेल के बाद कहा, /"वह (बुमराह) दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। उनका सामना करना बेहद मुश्किल है, वह किसी भी परिस्थिति में अच्छे हैं और लाइट चालू होने पर दोनों तरफ स्विंग करते हुए आते हैं तो उन्हें खेलना मुश्किल होता है।

बिना किसी संकेत के तीन या चार अलग-अलग गेंदें फेंकने की उनकी क्षमता कमाल की है। आपको तब तक पता नहीं चलता कि वह बाउंसर, या धीमी गेंद, यॉर्कर, बाहर की ओर जाती स्विंगर या इनस्विंगर डाल रहे हैं, जब तक कि गेंद उनके हाथ से न निकल जाए। आपको उनके साथ गेंद को इतनी बारीकी से देखना पड़ता है कि उन्हें समझना बहुत मुश्किल हो जाता है।

सेशेल्स नेशनल डे टूर्नामेंट में 6 मुक्केबाजों से स्वर्ण की आस

एजेंसी ▸▸ माहे

भारत के छह मुक्केबाजों ने सेशेल्स नेशनल डे टूर्नामेंट के फाइनल्स में जगह बना ली है। कजाखस्तान में एलोरडा कप में खेल चुके उत्तर प्रदेश के आदित्य प्रताप (65 किलो) ने तीसरे दौर में स्थानीय मुक्केबाज जोवानी बूजिन को रैफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने (आरएससी) पर हराया। राष्ट्रीय संयुक्त फाइनल्स में रजत पदक विजेता नीरज (75 किलो) ने आरएससी पर दूसरे दौर में जीत दर्ज की।

बेलग्रेड मुक्केबाजी चैंपियन रहे और एलीट राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता हरियाणा के हिमांशु शर्मा (50 किलो) ने मॉरीशस के मथियू एस को 4-1 से हराया। उत्तर प्रदेश के आशीष एम ने 55 किलो वर्ग में मॉरीशस के गुइलॉमी फ्रांसिस को 4-1 से मात दी। राष्ट्रीय संयुक्त चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता हरियाणा के अनमोल (60 किलो) ने सेशेल्स के डारियो गैब्रियेल को 4-1 से हराया। कार्तिक दलाल (70 किलो) को दक्षिण अफ्रीका के ब्लेसिंग एनजियाना ने 4-1 से शिकस्त दी। एलोरडा कप 2024 के कांस्य पदक विजेता और राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण जीत चुके गौरव चौहान को 90 प्लस वर्ग में सीधे फाइनल में प्रवेश मिला है।

अमनदीप ने चेक ओपन में कट हासिल किया

बेरोन। भारत की अमनदीप द्राल ने दूसरे दौर में अंतिम दो होल में बर्डी के साथ ईवन पार का स्कोर बनाया जिससे वह टिपस्पोर्ट चेक लेडीज ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 12वें स्थान पर हैं। पहले दौर में आठ अंडर 64 का शानदार प्रदर्शन करने वाली अमनदीप के अलावा चार और भारतीय खिलाड़ी कट हासिल करने में सफल रहीं। भारत की हिताषी बक्षी (68-70) छह अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त 32वें स्थान पर हैं। दीक्षा डागर (71), त्वेसा मलिक (69) और स्नेहा सिंह (68) भी संयुक्त 61वें स्थान पर रहते हुए कट हासिल करने में सफल रहीं। कुल 71 खिलाड़ियों ने कट हासिल किया जिसमें दो एमेच्योर भी शामिल रहीं। स्विट्जरलैंड की गोल्फर किम मेटरॉक्स करियर के सर्वश्रेष्ठ नौ अंडर 63 के स्कोर से कुल 13 अंडर के स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं।

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने किया खुलासा

भारत का कोच बनना चाहता हूं, राजनीति में रूचि नहीं

एजेंसी ▸▸ कोलकाता

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने राजनीति में प्रवेश से इनकार किया लेकिन कहा कि भारतीय टीम का कोच बनने से उन्हें इनकार नहीं है। जुलाई में 53 साल के होने जा रहे गांगुली 2018-19 और 2022-24 के बीच दिल्ली कैपिटल्स के टीम निदेशक रहे। क्या वह भारतीय टीम का कोच बनना चाहेंगे, यह पूछने पर उन्होंने कहा, 'मैने इसके बारे में सोचा नहीं क्योंकि मैं अलग अलग भूमिकाओं में रहा हूं। मैने 2013 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना छोड़ा और फिर बीसीसीआई अध्यक्ष बन गया।'

उनसे जब कहा गया कि वह भारत का कोच बनकर और भी योगदान दे सकते थे, तो गांगुली ने कहा, 'देखते हैं कि आगे क्या होता है। मैं 50 (53) साल का ही हूं। देखते हैं कि क्या होता है।

मुझे इससे ऐतराज नहीं है। देखते हैं।' यह तो तय है कि वह राजनीति में नहीं उतरने वाले। यह पूछने पर कि पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले क्या वह किसी राजनीतिक दल से जुड़ेंगे, उन्होंने मुस्कुराकर कहा, 'मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है।' अगर उन्हें प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाए जाने की पेशकश की जाए तो ? इस पर भी उन्होंने कहा, 'मेरी कोई रूचि नहीं है।' गांगुली ने मौजूदा कोच गौतम गंभीर की तारीफ करते हुए कहा, 'गौतम अच्छा कर रहा है। शुरुआत धीमी रही जब आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से हारे लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी के बाद उन्होंने लय पकड़ ली। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला बड़ी होगी।'

विराट और रोहित के लिए 2027 विश्व कप खेलना आसान नहीं

गांगुली ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के लिए 2027 तक फिट रहकर भारत की वनडे विश्व कप टीम में जगह बनाना आसान नहीं होगा। गांगुली ने कहा, 'हम सभी को समझना होगा कि हर किसी की तरह एक दिन खेल उनसे दूर हो जाएगा और वह खेल से दूर हो जाएंगे।'' अगला वनडे विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में 2027 में होगा तब कोहली 38 और रोहित 40 साल के हो जाएंगे। उस समय तक भारत को नौ द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में 27 वनडे खेलने हैं यानी साल में बमुश्किल 15 मैच। गांगुली ने कहा, 'साल में सिर्फ 15 मैच। यह आसान नहीं होगा।'

कई कॉलोनियों का आवागमन और व्यापार प्रभावित हुआ

अघोषित दमोहनाका बंद से जनजीवन अस्त व्यस्त

हरिभूमि . जबलपुर।

आधी अधूरी तैयारियों, अदूरदर्शी रणनीति और मनमर्जी से निर्माण कार्य की झलक देखनी हो तो शहर का दमोहनाका चौक इसका जीता जागता उदाहरण हैं। आनन फानन में कथित तौर पर अरसे से निर्माणाधीन फ्लाई ओवर के नाम पर 12 जून की रात 12 बजे से बंद दमोहनाका चौक और उससे जुड़ी दर्जन भर कालोनियों और क्षेत्रों के बाशिंदों ने यह आरोप लगातें हुए कहा कि दमोहनाका बंद करने से कॉलोनियों के साथ कई क्षेत्रों का आवागमन ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य सेवाएं, रोजमर्रा का जीवन और बड़े पैमाने पर व्यापार भी प्रभावित हुआ हैं। क्षेत्र के नागरिकों ने बताया कि पूर्व में दमोहनाका से रोजमर्रा गुजरने वाले यदि अचानक बीमार पड़ जाएं तो वर्तमान में उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जाना भी शायद संभव न हो पाए। नागरिकों का आरोप हैं कि पूरे फ्लाईओवर के निर्माण के दौरान कहीं भी किसी चौराहे की ऐसी दुर्गति नहीं की गई जैसी स्थिति दमोहनाके की वर्तमान में कर दी गई हैं। अघोषित रुप से बंद किए जाने के बाद क्षेत्र के नागरिकों की स्थिति काटो तो खून नहीं जैसी हो गई हैं। क्षेत्र के नागरिकों के साथ व्यापारी, नागरिक और समाज सेवी संगठन अब निर्माण एजेंसी के खिलाफ न्यायालय की शरण लेने की तैयारी कर रहे हैं ताकि चौराहे को बंद किए जाने से जो हानि हुई हैं उसकी भरपाई निर्माण एजेंसी से कराई जा सके।

- बीमार मरीज को नहीं पहुंचा सकते अस्पताल
- न्यायालय की शरण लेंगे नागरिक

नोटबंदी की तरह अचानक बंद कर दिया चौराहा

नागरिकों का आरोप हैं कि बगैर किसी पूर्व सूचना के नोटबंदी की तर्ज पर 12 जून गुरुवार को रात 12 बजे से अचानक दमोहनाका चौक को बंद कर यातायात रूट डायवर्ट कर दिया गया। शहर के प्रमुख चौराहों में शामिल दमोह नाका चौक को वाहनों के आवागमन के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया। बताया गया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा यहां सड़क, नाली और अन्य निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं, जिसके चलते यह निर्णय लिया गया। घोषणा के साथ ही हार्ड बेरिकेडिंग से मार्ग बंद कर दिया गया। लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री शिवेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि दमोह नाका चौक पर निर्माण कार्य सीमित यातायात के बीच कुछ हिस्सों में कार्य पूरा हो गया था लेकिन अब भारी ट्रैफिक के कारण मशीनरी की आवाजाही और आगे का कार्य संभव नहीं हो पा रहा हैं। इसी कारण इस मार्ग को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है और हार्ड बेरिकेडिंग लगाई जा रही है।

अधकचरा तैयारियों के बीच मार्ग किया डायवर्ट

जिस तरह अधकचरा तैयारियों के बीच चौक बंद कर दिया गया ठीक उसी तरह अधकचरा तैयारियों के साथ मार्ग डायवर्ट कर दिया गया। बताया गया कि अधारताल से दमोह नाका की ओर आने वाला ट्रैफिक मेट्रो बस, हैवी व्हीकल, कार, ऑटो और ई-रिक्शा को गोहलपुर थाने से अमखेरा रोड होते हुए खजरी बायपास की ओर डायवर्ट किया गया। इसी तरह दो पहिया वाहनों के लिए इस ओर से आने पर शांति नगर चौक से दाहिने मुड़कर पाटन मार्ग का इस्तेमाल करने की बात कही गई। वहीं रानीताल चौक से दमोह नाका की ओर आने वाला ट्रैफिक मेट्रो बस, हैवी व्हीकल, कार, ऑटो, ई-रिक्शा आदि को बल्देवबाग चौक से एमआर-4 रोड की ओर बाएं मोड़ा गया। रानीताल से आने वाले दोपहिया वाहन गोपाल आर्केड पिलर नंबर 33 से बाएं डायवर्टेड रूट से गुजरने की बात कही गई। पाटन और आईएसबीटी चौक से आने वाले वाहनों के लिए आईएसबीटी से खजरी बायपास होते हुए अमखेरा रोड की तरफ मोडऩे और पाटन से आने वाले दो पहिया वाहन मेट्रो हॉस्पिटल के बाईं ओर डायवर्टेड रूट का उपयोग करने की बात कही गई।

अब भी तय नहीं कर पा रहे कब तक बंद रहेगा चौक

बताया जा रहा है निर्माण में जुटी निर्माण एजेंसी फिलहाल निर्धारित नहीं कर पा रही हैं कि दमोहनाका चौराहा कब तक बंद रहेगा। बताया जा रहा है कि 1 जुलाई को तय होगा कि कब दमोह नाका चौक आम वाहन चालकों के लिये खुलेगा। पहले कहा गया था कि चौक को 30 जून तक के लिये बंद कर वहां पर नालों और सड़क आदि के कार्यों को किया जा रहा है, इसी को देखते हुए प्रशासन ने चौक के तरह आने जाने वाले यातायात को प्रतिबंधित किया। इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था कि इसी बीच खबर मिली की 30 जून या उसके बाद भी चौक को इसी तरह बंद रखा जाएगा या खोला जाएगा निर्माण एजेंसी यह तय नहीं कर पा रही हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना हैं कि फिलहाल इस विषय में कुछ नहीं कहा जा सकता। बताया जा रहा है कि दमोहनाका चौक खोलना है या नहीं इसके लिए 25 जून को पुनः बैठक होगी जिसमें इस विषय में निर्णय लिया जाएगा। कहा जा रहा है कि 30 जून को यातायात खोल दिया जाएगा लेकिन यदि फिर भी कार्य शेष रहता हैं तो पुनः चौराहे को बंद करने का निर्णय लिया जा सकता हैं।

7 किलोमीटर में निर्माण, कहीं बंद नहीं हुआ रास्ता

दमोह नाका से मदन महल के बीच करीब सात किलोमीटर लंबे फ्लाई ओवर निर्माण के दौरान ऐसा नहीं हैं कि कोई रास्ता बंद नहीं किया गया। रास्ते बंद किए गए लेकिन या तो लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक मार्ग दिए गए या फिर बंद किए मार्गों को थोड़े समय बाद खोल दिया गया। जिस तरह दमोहनाका चौक को निर्माण के नाम पर चारों तरफ से बंद कर दिया गया हैं ऐसा कहीं भी नहीं किया गया।

इन क्षेत्रों के नागरिक परेशान

दमोहनाका चौक के बंद हो जाने से दमोहनाका, शांतिनगर, गोहलपुर, चंडालभाटा, त्रिमूर्ति नगर, शांति नगर, गोपालबाग, पंजाब बैंक कॉलोनी, चेरीताल, बंधैया मोहल्ला सहित आस-पास के हजारों की तादाद में नागरिक ही नहीं मुख्य मार्गों पर व्यापार करने वाले व्यापारी भी इस बंद से प्रभावित हुए हैं। क्षेत्र के नागरिक स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकता से भी इस मार्ग के बंद होने से वंचित हो गए हैं। नागरिकों का आरोप हैं कि निर्माण एजेंसी के खिलाफ इसलिए वे न्यायालय की शरण लेने विवश हो गए हैं।

मासूम बच्चों के साथ क्रूरता, महिला के खिलाफ प्रकरण दर्ज

जबलपुर। रिश्ते में बड़ी माँ लगने वाली एक महिला ने महज 14 और 13 साल की मासूम बच्चियों के साथ इस तरह क्रूरता की, कि चोटों के निशान मिटने के बावजूद ताउम्र यह घटना उनके ज़हन में रहेगी। गोसलपुर थाना पुलिस ने पीड़ित बच्चियों की माँ की रिपोर्ट पर आरोपी बड़ी माँ के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामला विवेचना में लिया हैं। पुलिस के अनुसार इस मामले में पेशे से श्रमिक ग्राम कंचनपुरा बिलखरवा निवासी 36 वर्षीय नैना चौधरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले में शनिवार को रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंची नैना ने पुलिस को बताया कि गत दिवस वह अपने पति प्रेम चौधरी के साथ मजदूर करने के लिए गई थी। घर पर बेटी 14 वर्षीय संजीवनी, 13 वर्षीय जानवी, 6 वर्षीय पुत्र प्रिंस और 4 साल का रियांस थे। नैना पति के साथ मजदूरी कर रात करीब साढ़े 8 बजे लौटी। नैना को उसकी बड़ी बेटी संजीवनी ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे जब चारों भाई बहन घर पर थे तभी बड़ी मम्मी आरोपी रश्मि चौधरी घर के पीछे आकर उससे गाली-गलौज करने लगी। संजीवनी ने आरोपी रश्मि चौधरी से गाली-गलौज करने की वजह जाननी चाही तो आरोपी बड़ी मम्मी रश्मि चौधरी ने डंडे से संजीवनी के बाएं हाथ में चोट पहुंचा दी और छोटी बेटी जानवी को बाएं पैर की जांच में दांत से काटते हुए सीने में लात मारकर चोट पहुंची दी। आरोपी रश्मि चौधरी ने बच्चियों को जान से मारने की धमकी भी दी। संजीवनी के यह बताने पर उसकी माँ रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंची। रिपोर्ट पर आरोपी रश्मि चौधरी के खिलाफ धारा 296, 115(2), 118(1), 351(2) का अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान तेज़

जबलपुर में गुरदीप सिंह सप्पल ने संभाली कमान

हरिभूमि जबलपुर।

गुजरात में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान की सफलता से उत्साहित पार्टी नेतृत्व ने अब मध्यप्रदेश में भी इसी रणनीति को अपनाने की शुरुआत कर दी है। इसी क्रम में जबलपुर पहुंचे केंद्रीय पर्यवेक्षक गुरदीप सिंह सप्पल ने विधानसभा स्तर पर कार्यकर्ताओं की रायशुमारी की शुरुआत कर दी। इस अभियान की पहली कड़ी में रविवार को पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसी भनोत हाउस में एकत्रित हुए। दोपहर में कैंट विधानसभा क्षेत्र के लिए जेके सेलिब्रेशन सदर में बैठक आयोजित की गई, जबकि शाम 6 बजे उत्तर-मध्य विधानसभा के लिए अग्रवाल धर्मशाला, बल्देवबाग में रायशुमारी की गई। आज सोमवार को पूर्व विधानसभा क्षेत्र के लिए बाई का बगीचा में दोपहर 12 बजे बैठक रखी गई है। रविवार को आयोजित बैठकों में वरिष्ठ नेता अजय सिंह राहुल, जिला कांग्रेस प्रभारी आर.के. दोगने, विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व मंत्री तरुण भनोत, विधायक पुष्पराज सिंह, विनय सक्सेना, संजय यादव, नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ 'नाटी' शर्मा, दिनेश यादव, रमेश चौधरी, अभिषेक 'चिंटू' चौकसे सहित कई अन्य नेता उपस्थित रहे।

शहर संगठनात्मक स्थिति चिंताजनक

गौरतलब है की जबलपुर नगर कांग्रेस की वर्तमान स्थिति बेहद कमजोर मानी जा रही है। वर्तमान में केवल नगर अध्यक्ष की नियुक्ति है, जबकि कार्यकारिणी और ब्लॉक स्तर के पद लगभग रिक्त हैं। वर्षों से यह स्थिति जस की तस बनी हुई है। शहर में कई ब्लॉकों में तो कांग्रेस का कोई अध्यक्ष ही नहीं है, जिससे पार्टी की गतिविधियों और प्रभावशीलता पर प्रतिकूल असर पड़ा है।अब पार्टी नेतृत्व इस पर मंथन कर रहा है कि संगठन को फिर से सक्रिय और प्रभावी कैसे बनाया जाए। कांग्रेस इस दिशा में अब कार्यकर्ताओं की राय से अध्यक्षों का चयन करने की नीति पर काम कर रही है ताकि उन्हें वास्तविक पावर मिल सके और वे कांग्रेस का चेहरा बन सकें।

खुलकर सामने आई नाराज़गी

बैठकों के दौरान कई कार्यकर्ताओं ने खुलकर अपनी नाराज़गी जताई। उन्होंने कहा कि लंबे समय से संगठन में उन्हें उपेक्षित किया जा रहा है। कुछ नेताओं पर आरोप लगाए गए कि वे निष्ठावान कार्यकर्ताओं के बजाय अपने चहेतों को प्राथमिकता देते हैं। यहां तक कहा गया कि पार्टी के अंदर गुटबाज़ी इस स्तर तक पहुँच गई है कि गैंगवार जैसे हालात बनते जा रहे हैं। यदि कोई कार्यकर्ता किसी गुट के साथ दिखता है तो दूसरे गुट द्वारा उसे निशाने पर लिया जाता है।

सप्पल ने कहा, जल्द दिखेगा असर

गुरदीप सिंह सप्पल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान अब देशभर में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और बहुत जल्द इसके सकारात्मक परिणाम ज़मीन पर दिखने लगेंगे। उन्होंने कहा, "यह केवल सांगठनिक पुनर्गठन नहीं है, बल्कि यह पार्टी के अंदर असंतोष, अव्यवस्था और गुटबाज़ी को समाप्त करने की एक ठोस रणनीति है।"

केन्द्रीय पर्यवेक्षक सरदार गुरूदीप सिंह सप्पल को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। सर्किट हाऊस क्र 01 में कांग्रेस के केन्द्रीय परिवेक्षक सरदार गुरूदीप सिंह सप्पल को कांग्रेस नेता विजय काण्डा के नेतृत्व में कांग्रेसजनों द्वारा गाँधी की पाठ्शाला नामक शीर्षक पत्र सौंपा गया.जिसमें कहा गया कि कांग्रेस आज भी गाँधी की कांग्रेस है और कांग्रेस के नेताओं को दोबारा गाँधी की पाठ्शाला में पढ़ने की जरूरत है, और यदि कांग्रेस को दोबारा अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा प्राप्त करना है तो महात्मा गाँधी के रास्ते पर चलना होगा कार्यकर्ताओं को महत्व देना होगा. श्री सप्पल ने कांग्रेसजनों को आश्वासन दिया कि पत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपा जायेगा. इस दौरान राजेन्द्र चैधरी, जगदीश सैनी, रूपलाल यादव, पिंकी ठाकुर, दीपक सिंह राजपूत, आदि कांग्रेसजन उपस्थित थे।

काम्बिंग गश्त में 305 वारंटी पकड़े गये दो नाबालिग सहित एक अन्य गांजे की तस्करी में गिरफ्तार

जबलपुर। अपराधियों पर लगाम कसने एवं फरार वारंटियों की तलाश करने के लिये जिला पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर शनिवार रात 9 बजे से देर रात 2 बजे तक जिले में काम्बिंग गश्त कराई गई. इस दौरारन पुलिस ने शहर व देहात क्षेत्रों में छापेमारी कर गुंडे बदमाशों की परेड ली और 305 वारंटी पकड़े गये. वहीं एक नाबालिग को गांजे के साथ पकड़ा गया. पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने बताया की पुलिस टीमों के द्वारा दबिश देते हुए कॉम्बिंग गस्त के दौरान कई वर्षों से फरार 123 गैर म्यादी वारिटयों एवं 119 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए तथा 63 जमानती वारंट भी तामील किए गए है। अधिकांश आरोपी लंबे समय से पुलिस से बचते फिर रहे थे, जिन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। उन्होंने बताया इसी प्रकार क्राईम ब्रांच एवं थाना कुण्डम तथा थाना रांझी पुलिस द्वारा मादक पदार्थ गांजा के अवैध करोबार मे लिप्त एक 14 वर्षिय बालक एवं एक 30 वर्षिय व्यक्ति को गिरफ्तार कर 3 किलो 913 ग्राम गांजा कीमती लगभग 78 हजार रूपये का पकडा गया है। कॉम्बिंग गस्त के दौरान वारंटी एवं लंबित मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु शहर एवं देहात के थानों में पदस्थ लगभग अधिकारी एवं कर्मचारियों की 81 टीमें बनाई गई थीं. एक टीम के प्रभारी थाना प्रभारी स्वयं थे, अन्य टीम के प्रभारी उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी थे।

आज कांग्रेस करेगी विरोध प्रदर्शन

डीईओ के ट्रांसफर आदेश की अवहेलना से गरमाया राजनीतिक माहौल

हरिभूमि जबलपुर।

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जारी ट्रांसफर आदेश की अवहेलना कर जबलपुर के जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने प्रशासनिक हलकों में खलबली मचा दी है। सरकार ने 6 जून को आदेश जारी कर उन्हें भोपाल स्थित मध्य प्रदेश मदरसा बोर्ड का सचिव नियुक्त किया था, लेकिन आदेश जारी होने के 17 दिन बाद भी उन्होंने जबलपुर का पद नहीं छोड़ा है। अब कांग्रेस इस मामले को लेकर सड़कों पर उतरने की तैयारी कर चुकी है।

सरकारी आदेश की खुली अवहेलना

शासन के आदेश के बावजूद घनश्याम सोनी ने न तो जबलपुर के डीईओ पद से इस्तीफा दिया है, न ही भोपाल जाकर नए पद पर कार्यभार ग्रहण किया है। इस स्थिति ने शिक्षा विभाग में प्रशासनिक गतिरोध पैदा कर दिया है। जिले में कई योजनाएं रुकी पड़ी हैं शिक्षकों की नियुक्ति से लेकर छात्रवृत्तियों तक क्योंकि वर्तमान डीईओ के पद पर कोई औपचारिक रूप से कार्यरत नहीं है।

कांग्रेस का सीधा अल्टीमेटम

जबलपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने कहा है कि यदि डीईओ खुद पद नहीं छोड़ते हैं, तो कांग्रेस उन्हें कार्यालय से हटाकर "जनता की ओर से पदमुक्त" करेगी। उन्होंने घोषणा की है कि 23 जून को शाम 5 बजे कांग्रेसजन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बाहर एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा का कहना है कि यह अधिकारी केवल शासन के आदेश की नहीं, बल्कि लोकतंत्र की अवमानना कर रहा है। यह शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की साजिश है, जिसे हम नहीं सहेंगे। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि घनश्याम सोनी सत्ता संरक्षण में कार्य कर रहे हैं और उनकी "ऊपरी पकड़" के चलते उन्हें कोई छू नहीं पा रहा। पार्टी ने इस मामले को प्रशासनिक अकर्मण्यता और भ्रष्टाचार से जोड़ते हुए इसे एक "जनहित का मुद्दा" बताया है।

सीएम हेल्पलाईन में हो चुकी है शिकायत

सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत पटेल ने भी इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत की थी। उनका आरोप है कि सोनी ने जानबूझकर आदेश की अवहेलना की है। हालांकि, अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे अब यह विवाद और भी तूल पकड़ता जा रहा है। बढ़ी असमंजस की स्थिति.......जब तक घनश्याम सोनी का स्थानांतरण प्रभावी नहीं होता और नए डीईओ की नियुक्ति नहीं होती, तब तक जिले की कई अहम योजनाएं अधर में लटकी रहेंगी। स्कूलों में समर कैंप्स, अध्यापकों की नियुक्ति, छात्रवृत्ति और शिक्षा सुधार योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। स्कूल प्राचार्य और शिक्षक भी इस अस्थिरता से परेशान हैं।

सरकारी नौकरी का सब्जबाग दिखा कर लाखों की ठगी धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज, आरोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार

जबलपुर। सरकारी नौकरी का सब्जबाग दिखाकर बेरोजगार युवाओं से लाखो रुपए की धोखाधड़ी करने वाले एक पिता-पुत्र के खिलाफ ओमती थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को धरदबोचा। आरोपियों के खिलाफ पेशे से बारबर का कार्य करने वाले ग्वारीघाट रेलवे स्टेशन के पास रहने वाले विनोद सेन ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस के अनुसार पीड़ित विनोद ने बताया कि वह विगत 16 वर्ष से रसल चौक स्थित प्रकाश हेयर ड्रैसर में बारबर का कार्य करता हैं। उसकी दुकान में आरोपी हिमांशु यादव कटिंग कराने 10-12 साल से आता था, जिससे विनोद की हिमांशु से पहचान थी। विनोद हिमांशु के उड़िया मौहल्ला, झंडा चौक, भरतीपुर स्थित घर कई बार गया जिससे हिमांशु के पिता आरोपी नीलचंद यादव से भी विनोद की मुलाकात हुई। विनोद आरोपी नीलचंद यादव की बेटी की शादी में भी गया। इसी दौरान आरोपी हिमांशु ने विनोद से कहा कि उसके पिता आरोपी नीलचंद का नगर निगम जबलपुर एवं उच्च न्यायालय जबलपुर में शासकीय ठेकेदार हैं और उनकी उच्च अधिकारियों व न्यायालय में अच्छा परिचय हैं। इसके बाद कोरोना काल में वर्ष 2020 व 2021 को विनोद आरोपी नीलचंद के बुलाने पर बाल काटने घर जाता था। इसी दौरान आरोपी नीलचंद ने विनोद से कहा कि उसके कोई सगे भाई-बहन या सगे रिश्तेदार हों तो उसे बताए वह न्यायालय में ग्रेड 2 व ग्रेड 2 में नौकरी लगवा देगा। आरोपी नीलचंद ने कहा कि ग्रेड 3 में 3 लाख और ग्रेड 2 में नौकरी के लिए 2 लाख रुपए लगेंगे। विनोद ने आरोपी नीलचंद यादव पर विश्वास कर अपने सगे चाचा के लड़के एवं बुआ के लड़के व लड़की की नौकरी लगाने के नाम पर आरोपी को कुल 3 लाख 94 हजार रूपये दे दिए। आरोपी नीलचंद यादव के द्वारा विनोद के चाचा के लड़के को ग्रेड-2 में व बुआ के लड़के व लड़की को ग्रेड-3 में नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया। जिसके बदले में 2 लाख रुपए का चैक यूनियन बैंक नेपियर टाउन, जबलपुर का आरोपी हिमांशु यादव के नाम का दिया गया।

12 फरवरी 2022 को उच्च न्यायायल व जिला सत्र न्यायालय के ग्रेड-2 व ग्रेड-3 के परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र जारी होने लगे और तीनों पीड़ित चन्द्रिका प्रसाद सेन पिता रामसुभाव सेन, शुभम सेन पिता शंभू प्रसाद सेन, भारती सेन पिता शंभू प्रसाद सेन के प्रवेश पत्र निकालना चाहे, जो नहीं निकले। तब आरोपी नीलचंद यादव से संपर्क कर वस्तुस्थिति से अवगत कराया तो आरोपी नीलचंद यादव ने कहा कि उसके सभी से अच्छे संबंध हैं। वहं डायरेक्ट भर्ती करवा देगा। आरोपी ने कहा कि न्यायालय में डायरेक्ट भर्ती बिना आवेदन के नहीं होती है, तो उसके द्वारा आरोपी नीलचंद यादव से पैसा वापस देने की की मांग की गई। जिस पर आरोपी नीलचंद यादव द्वारा कहा गया कि वह 2 लाख रूपये का यूनियन बैंक का चैक दे रहा हैं। उसने यह भी कहा कि 3 लाख 94 हजार रुपए वापिस देकर चैक लेगा। आरोपी ने 11 अप्रैल 2022 को पैसे वापस देने की बात कही लेकिन आज दिनांक तक एक भी पैसा वापस नहीं किया व घर में पैसा मांगने जाने पर आरोपी पीड़ितों के साथ गाली गलौज व जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

शिकायत की जांच पर पुलिस ने पाया कि आरोपी हिमांशु यादव व उसके पिता आरोपी नीलचंद यादव के द्वारा उच्च न्यायालय जबलपुर एवं सत्र न्यायालय में ग्रेड-2 व ग्रेड- 3 एंव नगर निगम में सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर पीड़ित विनोद कुमार सेन के रिश्तेदार चंद्रिका सेन, शुभम सेन, भारती सेन से ऑनलाईन व नगद रूपये 3 लाख 94 हजार रुपए एवं विनोद सेन के मालिक रामप्रकाश सेन के लडके पंकज सेन से 4 लाख 75 हजार रुपये लेकर हड़प लिए गए। रुपए वापस मांगने पर आरोपियों द्वारा गाली गलौच कर जान से मारने धमकी दी जा रही हैं। पुलिस ने आरोपी हिमांशु यादव एवं उसके पिता आरोपी नीलचंद यादव विरुद्ध धारा 294,506,420, 120बी, 34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय द्वारा घटित हुई घटना को गम्भीरता से लेते हुये आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु आदेशित किये जाने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समर वर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक ओमती सोनू कुर्मी के मार्गनिर्देशन में थाना प्रभारी ओमती राजपाल सिंह बघेल के नेतृत्व में टीम गठित कर लगाई गई।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240